इजरायल-अमेरिका और ईरान युद्ध की... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एक्टिंग से ब्रेक लेंगे वरुण धवने... 11

वर्ष - 01, अंक - 342 | गाजियाबाद / सोमवार 16 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

भाजपा की सरकार में एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने विकास, नौकरी और शांति की प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने के लिए भाजपा को वोट देने का किया आह्वान

गुवाहाटी (एजेंसी)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), असम प्रदेश के सौजन्य से गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित 'युवा शक्ति समारोह' में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए राज्य में घुसपैठियों का संरक्षण करने का आरोप लगाया, साथ ही राज्य के सामूहिक विकास के लिए भाजपा को वोट देने का आह्वान किया। रविवार को राज्य के 1.5 लाख से अधिक युवाओं को गृह मंत्री ने संबोधित करते हुए उपरोक्त आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और दरंग-उदालगुड़ी निर्वाचन क्षेत्र से सांसद दिलीप सैकिया, केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल, केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा और प्रदेश भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ नेता, मंत्री, सांसद एवं विधायक भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

भाजयुमो के इस कार्यक्रम के जरिए आज राज्य के प्रत्येक जिले के युवा मतदाताओं ने भाजपा की चुनावी रणभेरी बजाई। असम के विकास और उत्थान की यात्रा में युवा शक्ति के संकल्प को दृढ़ करने के लिए यह युवा शक्ति समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि असम की युवा शक्ति के इस महासमागम ने राज्य में भाजपा के जनसमर्थन की मजबूत तस्वीर पेश की है। उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने उन्हें फोन करके युवाओं के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की कोई भी राजनीतिक पार्टी इस तरह का विशाल युवा सम्मेलन आयोजित नहीं कर सकी है। उन्होंने असम के युवाओं के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। अमित शाह ने कहा कि हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में असम में विकास की प्रक्रिया जारी है। शाह ने दावा किया कि असम सरकार ने किसी भी प्रकार का भेदभाव किए बिना लगभग 1 लाख 65 हजार नौकरियां प्रदान की हैं, जो राज्य के इतिहास में एक उल्लेखनीय कदम है।

भाजपा सरकार में 10,800 हथियारबंद लोगों ने किया आत्मसमर्पण

समारोह में बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस दल की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिनों में चाय बागान के श्रमिकों की मजदूरी 94 रुपये थी। भाजपा के दिनों में हिमंत बिस्व सरमा सरकार ने इसे 280 रुपये तक बढ़ा दिया। कांग्रेस अपने लोगों के बारे में सोचती है, भाजपा असम के बारे में सोचती है। गृह मंत्री के अनुसार कांग्रेस के शासनकाल में असम की भाषा और संस्कृति (जाति, माटी, भेटी) का सम्मान नहीं किया जाता था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐतिहासिक वीर लचित बरफूकन का गौरव विश्व के सामने उज्जवल रूप से प्रस्तुत किया गया है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार के समय लगभग 10,800 हथियारबंद लोगों ने आत्मसमर्पण किया है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में शांति और अनुशासन मजबूत हुआ है। उन्होंने दावा किया कि घुसपैठियों के कब्जे वाली बड़ी मात्रा में भूमि को मुक्त कराया गया है और आने वाले समय में यह अभियान जारी रहेगा।

भारत के एआई शिखर सम्मेलन की पूरी दुनिया में की प्रशंसा

केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य में अवैध घुसपैठ को लेकर कांग्रेस पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि भाजपा की अगली सरकार में एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर बाहर निकाला जाएगा। साथ ही उन्होंने कांग्रेस को घुसपैठियों की सरंक्षक करार दिया। उन्होंने कहा कि संसद में राहुल गांधी कुछ नहीं कह सकते, भागते फिरते हैं और जहां भारत की ताकत देखने के लिए दुनिया से लोग आते हैं, वहां राहुल गांधी विरोध करते हैं। भारत के एआई शिखर सम्मेलन की पूरी दुनिया में प्रशंसा की गई, उस सम्मेलन का कांग्रेस ने विरोध किया। मोदी और भाजपा का विरोध करते-करते राहुल गांधी भारत का विरोध करने लगे हैं। राहुल गांधी के इस कार्य की निंदा अमित शाह ने की। उन्होंने कहा कि भाजपा का विरोध करते-करते राहुल गांधी देश की निंदा करने लगे हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव कार्यक्रम घोषित

9 से 29 अप्रैल तक मतदान 4 मई को चुनाव परिणाम

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने रविवार को देश के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी। इसके तहत पुडुचेरी, केरल और असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। वहीं, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक चरण में वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होगा, जिसमें 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को वोटिंग कराई जाएगी। सभी राज्यों के चुनाव परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज शाम 4 बजे दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि संबंधित पांच राज्यों में लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव के लिए 824 विधानसभा सीटों पर करीब 2.19 लाख मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इस पूरी चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए लगभग 25 लाख चुनाव कर्मी तैनात किए जाएंगे।

आयोग के मुताबिक, पांचों राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल अलग-अलग तारीखों पर समाप्त हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को खत्म होगा, जबकि तमिलनाडु विधानसभा का कार्यकाल 10 मई तक है। असम विधानसभा का कार्यकाल 20 मई और केरल विधानसभा का कार्यकाल 23 मई को समाप्त होगा। वहीं, केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा का कार्यकाल 15 जून तक है।

विधानसभा सीटों की बात करें तो कुल 824 सीटों में से असम में 126, केरल में 140, पुडुचेरी में 30, तमिलनाडु में 234 और पश्चिम बंगाल में 294 सीटें शामिल हैं। इन राज्यों में कई सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। असम में 9 एससी और 19 एसटी सीटें, केरल में 14 एससी और 2 एसटी सीटें, पुडुचेरी में 5 एससी सीटें, तमिलनाडु में 44 एससी और 2 एसटी सीटें तथा पश्चिम बंगाल में 68 एससी और 16 एसटी सीटें आरक्षित हैं।

मतदाताओं की संख्या के अनुसार, असम में करीब 2.50 करोड़, केरल में लगभग 2.70 करोड़, पुडुचेरी में करीब 9.44 लाख, तमिलनाडु में लगभग 5.67 करोड़ और पश्चिम बंगाल में करीब 6.44 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने की बात कही है।

जातिवाद की राजनीति भारत की नींव को कमजोर कर रही : योगी

जौहर स्मृति संस्थान के तत्वावधान में आयोजित जौहर श्रद्धांजलि समारोह में पहुंचे यूपी के मुख्यमंत्री

एजेंसी

चित्तौड़गढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जातिवाद की राजनीति भारत की नींव को कमजोर कर रही है। बांटने की राजनीति हम सबको फिर से गुलामी की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ का दुर्ग केवल पत्थरों से निर्मित कोई ऐतिहासिक ढांचा नहीं है, बल्कि यह भारत के स्वाभिमान, मयार्दा और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रहरी है। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह जैसे राष्ट्रनायकों ने सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश और धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष किया था।

योगी आदित्यनाथ रविवार को जौहर स्मृति संस्थान के तत्वावधान में आयोजित जौहर श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह देश कमजोर क्यों हुआ? क्योंकि जातिवाद ने समाज की नींव को दरका दिया, कमजोर कर दिया। यह जातिवाद की राजनीति भारत की नींव को कमजोर कर रही है। बांटने की राजनीति हम सबको फिर से गुलामी की ओर धकेल रही है। उससे बचने के लिए आज हम सबको एक उस भाव के साथ आगे बढ़ना पड़ेगा। 'मूल जानना बड़ा कठिन है नदियों का, वीरों का, धनुष छोड़कर और गोत्र क्या होता रणधीरों का?' ये महाकवि दिनकर की पंक्तियां हैं।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि चित्तौड़गढ़ का दुर्ग केवल पत्थरों से निर्मित कोई ढांचा नहीं, बल्कि यह भारत के स्वाभिमान, अस्मिता और अदम्य जिजीविषा का जीवंत प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में शेखावत ने समाज को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि 'बटेंगे तो कटेंगे' का नारा आज की परिस्थितियों में सांस्कृतिक पुनरुद्धार के लिए सबसे बड़ी सीख है। मेवाड़ की बलिदानी धरा को नमन करते हुए शेखावत ने कहा कि यह धरती दुनिया के किसी भी तीर्थ से अधिक पवित्र है।

नेताजी बोस होते तो पापी पाकिस्तान नहीं होता

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कौन ऐसा भारतीय होगा, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस का स्मरण न करता हो? उन्होंने भी तो आह्वान किया था, 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।' यह नारा केवल बंगाल के लिए नहीं था, पूरे भारत के लिए था, पूरे भारत की आजादी के लिए था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस होते तो भारत का विभाजन नहीं होता, पापी पाकिस्तान भी नहीं होता। उनका यह आह्वान भारत की अस्मिता के लिए था, भारत की आजादी के लिए था, भारत के नौजवानों के साथ था। आप जाइए ना भारत से बाहर भी, जापान में, सिंगापुर में। भारत के अंदर पोर्ट ब्लेयर में जाइए, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के द्वारा भारत की आजादी के लिए...म्यांमार में आप जाइए। भारत की आजादी के लिए उनके द्वारा किए गए योगदान का स्मारक आज भी हम सब भारतीयों का आह्वान करता है।

दुर्ग के विकास के लिए बड़ी घोषणाएं

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने चित्तौड़गढ़ दुर्ग की सुरक्षा और पर्यटन को लेकर महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुर्ग की मयार्दा और यूनेस्को की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए यहां एक अत्याधुनिक 'एक्सपीरियंस सेंटर' विकसित किया जाएगा, जहां आने वाला हर पर्यटक भारत की श्रेष्ठ परंपराओं और बलिदान के इतिहास को महसूस कर सकेगा। भक्ति की शक्ति मां मीराबाई की स्मृति में भी एक भव्य एक्सपीरियंस सेंटर बनाया जाएगा, जिसके लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। दुर्ग पर ट्रैफिक की भारी समस्या और नवरात्रि के दौरान होने वाले जाम को देखते हुए, सूरजपोल की तरफ से एक नया वैकल्पिक रास्ता बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इससे दुर्ग पर 'वन-वे' ट्रैफिक की व्यवस्था सुचारू हो सकेगी।

अयोध्या में एक और ऐतिहासिक उत्सव की तैयारी

19 मार्च को राम मंदिर में राष्ट्रपति करेंगी श्रीराम यंत्र की स्थापना

- राम मंदिर के द्वितीय तल पर स्थापित होगा श्रीराम यंत्र
- कार्यक्रम में सात हजार लोगों को किया गया है आमंत्रित
- योगी आदित्यनाथ सरकार ने तैयार की कार्यक्रम की रूपरेखा

एजेंसी

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में एक बार फिर ऐतिहासिक और आध्यात्मिक उत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में 19 मार्च को श्रीराम यंत्र की विधिवत स्थापना होगी। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। यह कार्यक्रम चैत्र नवरात्र के पहले दिन यानी वर्ष प्रतिपदा के शुभ अवसर पर आयोजित हो रहा है, जो हिंदू नववर्ष की शुरूआत का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस आयोजन को अत्यंत भव्य बनाने की रूपरेखा तैयार की है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पतराय ने बताया कि श्रीराम यंत्र दो वर्ष पूर्व जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था। वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित यह यंत्र देवताओं का निवास माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने की क्षमता रखता है। वर्तमान में इस यंत्र की राजा राम के समक्ष नियमित पूजा-अर्चना चल रही है। दो दिन बाद अर्थात 19 मार्च तक यह यंत्र राम मंदिर के दूसरे तल पर पहुंच जाएगा। इसकी स्थापना के नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान पहले से ही शुरू हो चुके हैं, जिनमें दक्षिण भारत, काशी और अयोध्या के विद्वान आचार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में लगभग सात हजार लोग इस ऐतिहासिक समारोह में मौजूद रहेंगे। इसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मंदिर निर्माण कार्यों में महती भूमिका निभाने वाले भी शामिल होंगे।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सुबह करीब 11 बजे अयोध्या पहुंचेंगी। वे राम मंदिर परिसर में प्रवेश कर श्रीराम यंत्र की पूजन-अर्चना करेंगी। अभिजीत मुहूर्त में ठीक 11:55 बजे यंत्र की स्थापना का मुख्य अनुष्ठान संपन्न होगा। पूजन के बाद वे प्रसाद ग्रहण करेंगी और भोजन के पश्चात वापस रवाना होंगी। यहां पहुंचने पर राष्ट्रपति मुर्मु के पहुंचने पर राज्य की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनका स्वागत करेंगे। राष्ट्रपति मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच इस पवित्र कार्य में भाग लेंगी।

मां अमृतानंदनमयी एक हजार भक्तों के साथ ट्रेन से पहुंचेंगी अयोध्या

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लगभग 300 संत व महापुरुष शामिल होंगे। केरल की पूज्य माता अमृतानंदनमयी अपने एक हजार भक्तों के साथ ट्रेन से अयोध्या पहुंचेंगी। मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संभ्रांत व्यक्तियों को भी विशेष निमंत्रण भेजा गया है। इनमें एलएंडटी, टाटा कंपनी के प्रतिनिधि, गुजरात के आर्किटेक्ट चंद्रकांत भाई का परिवार और परिसर विकास में भूमिका निभाने वाले अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं।

सुरक्षा के लिए होंगे कड़े इंतजाम

आयोजन को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं। सभी अतिथियों को विशेष पास जारी किए जाएंगे, जिन पर क्यूआर कोड अंकित होगा। मंदिर परिसर में मोबाइल फोन, हथियार या कोई सुरक्षा कर्मी ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। केवल सिख धर्म के अनुयायी ही कृपाण लेकर प्रवेश कर सकेंगे। चूंकि यह चैत्र नवरात्र का पहला दिन है, इसलिए अतिथियों के लिए फलाहारी भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। आम श्रद्धालुओं के लिए रामलला के दर्शन सामान्य रूप से जारी रहेंगे, हालांकि कुछ समय के लिए समय-सारिणी में बदलाव संभव है।

मंदिर की सजावट व व्यवस्था पर दिया जा रहा विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने इस कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए व्यापक रूपरेखा तैयार की है। मंदिर परिसर की साफ-सफाई, सजावट और व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि राम मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले हजारों कार्यकताओं को सम्मानित करने का भी अवसर प्रदान करेगा। अयोध्या में यह पल पूरे देश के लिए आस्था और गौरव का क्षण साबित होगा।

पश्चिम एशिया के सात देशों में सीबीएसई की कक्षा 12 की परीक्षाएं रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पश्चिम एशिया में मौजूदा हालात को देखते हुए कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने का निर्णय लिया है। बोर्ड ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा और वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है।

सीबीएसई ने इस संबंध में शनिवार को एक परिपत्र जारी किया है, जिसके अनुसार बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में संबद्ध स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए 16 मार्च से 10 अप्रैल तक निर्धारित कक्षा 12वीं की सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। बोर्ड के अनुसार इन देशों में परीक्षाओं के आयोजन की संभावना की समीक्षा संबंधित स्कूलों और स्थानीय अधिकारियों से मिले सुझावों के आधार पर की गई।

समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया कि मौजूदा परिस्थितियों में परीक्षाओं का आयोजन संभव नहीं है। सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि 1 मार्च, 3 मार्च, 5 मार्च, 7 मार्च और 9 मार्च 2026 के परिपत्रों के माध्यम से पहले जिन परीक्षाओं को स्थगित किया गया था, वे भी अब रद्द मानी जाएंगी। बोर्ड ने कहा है कि इन देशों के कक्षा 12 के विद्यार्थियों के परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया और तरीका अलग से सूचित किया जाएगा।

तेलंगाना में हाई-प्रोफाइल ड्रग्स पार्टी का खुलासा

टीडीपी सांसद सहित 10 लोगों को पुलिस ने पकड़ा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के रंगारेड्डी ज़िले के मोइनाबाद क्षेत्र में स्थित एक फार्महाउस में कथित तौर पर आयोजित ड्रग्स पार्टी का मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बड़ा विवाद बन गया है। इस पार्टी में उद्योगपतियों, रियल एस्टेट कारोबारियों और राजनीतिक नेताओं की मौजूदगी सामने आने के बाद मामला और भी सनसनीखेज हो गया है। पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं, जबकि विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि कुछ प्रभावशाली लोगों को बचाने के लिए राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि मोइनाबाद के अजीजनगर स्थित एक फार्महाउस में ड्रग्स के साथ पार्टी चल रही है। सूचना मिलते ही 'ड्रग लॉ एनफोर्समेंट के लिए एलीट एक्शन ग्रुप' (ईगल) की पांच सदस्यीय टीम ने शनिवार रात करीब 9:30 बजे फार्महाउस पर छापा मारा।

हालांकि, छापेमारी के दौरान पुलिस को फार्महाउस के अंदर प्रवेश करने में शुरूआती विरोध का सामना करना पड़ा। बताया गया कि गेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और फार्महाउस

के मालिक तथा पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी ने पुलिस टीम को तुरंत अंदर जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद स्थिति को देखते हुए पुलिस ने स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) को मौके पर बुलाया, जिसकी मदद से टीम ने फार्महाउस के अंदर प्रवेश किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने फार्महाउस से करीब दो ग्राम कोकीन बरामद की। जांच में यह भी सामने आया कि पार्टी में कुल 11 लोग मौजूद थे, जिनमें से छह लोगों का ड्रग्स टेस्ट पॉजिटिव पाया गया।

ईगल टीम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गिरिधर ने रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जिन छह लोगों का ड्रग्स टेस्ट पॉजिटिव आया है, उनमें पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी, एलुरु के टीडीपी सांसद पुट्टा महेश कुमार यादव, रितेश रेड्डी, नमित, कौशिक रवि और अर्जुन रेड्डी शामिल हैं।

विजेन्द्र गुप्ता ने 'मदन दास देवी भवन' का किया उद्घाटन, महिलाओं के सशक्तिकरण पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने रविवार को राजपुरा गुरमंडी स्थित उपासना कुंज में आयोजित कार्यक्रम में ÷मदन दास देवी भवन÷ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने 'चौपाल' संस्था द्वारा आयोजित 159वें सूक्ष्म ऋण वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बाज़ारों में छोटे स्तर पर आजीविका चलाने वाली महिलाओं के लिए निष्पक्ष ऋण केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सम्मान के साथ जीवन जीने, बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने और शोषणकारी उधारी से मुक्ति का मार्ग है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि चौपाल जैसी पहलें समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण, परिवारों की आर्थिक स्थिरता और बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ऐसे प्रयास गरीब परिवारों को आर्थिक संबल देने के साथ-साथ उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

उन्होंने चौपाल की यात्रा को याद करते हुए कहा कि संस्था की शुरुआत से लेकर आज तक इसके विकास को देखना संतोष का विषय है। उन्होंने उन प्रेरणास्रोत व्यक्तित्वों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी दूरदृष्टि और समर्पण ने इस संस्था की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि संगठन और उसके सहयोगियों के निरंतर प्रयासों ने चौपाल को एक सशक्त सामुदायिक पहल के रूप में स्थापित किया है।

विजेन्द्र गुप्ता ने विशेष रूप से उन महिलाओं की चुनौतियों का उल्लेख किया जो साप्ताहिक बाजारों और छोटे सड़क आधारित व्यवसायों के माध्यम से अपनी आजीविका चलाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कई महिलाएं औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से बाहर रह जाती हैं और छोटे ऋण के लिए साहूकारों पर निर्भर हो जाती हैं। ये साहूकार अक्सर अत्यधिक ब्याज दरों पर ऋण देते हैं, जिससे उनकी आय का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में ही समाप्त हो जाता है और वे आर्थिक शोषण के चक्र में फंस जाती हैं।

उन्होंने कहा कि चौपाल ने इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करते हुए उन लोगों तक सुलभ सूक्ष्म ऋण और वित्तीय सहायता पहुंचाने का कार्य किया है जो पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था की पहुंच से बाहर हैं। इससे छोटे व्यवसायों को बनाए रखने, परिवारों की आजीविका को मजबूत करने और बच्चों की शिक्षा को समर्थन देने में सहायता मिलती है।

विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी उल्लेख किया कि संस्था द्वारा दिए गए ऋणों की वापसी का रिकॉर्ड अत्यंत सराहनीय है, जो लाभार्थियों की ईमानदारी और संस्था की पारदर्शी कार्यप्रणाली को दर्शाता है।

इस अवसर पर ÷मदन दास देवी भवन÷ का उद्घाटन चौपाल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा गया। कार्यक्रम के दौरान 159वें सूक्ष्म ऋण वितरण समारोह के अंतर्गत कई लाभार्थियों को ऋण प्रदान किए गए।

अपने संबोधन के अंत में विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि ऐसी सामाजिक पहलों को आगे बढ़ाने

के लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता और परोपकारी सहयोग आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से चौपाल का कार्य आने वाले वर्षों में और अधिक विस्तृत होगा तथा इससे महिलाओं के सशक्तिकरण, आजीविका सृजन और सामाजिक उत्थान को नई दिशा मिलेगी।

यमुनापार की कई कॉलोनियों में दूषित पानी की आपूर्ति से लोग परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली की कई कॉलोनियों में लोग दूषित जलापूर्ति की समस्या से जूझ रहे हैं। लक्ष्मी नगर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष एडवोकेट अविशेक कुमार ने कहा कि यमुनापार की कई कॉलोनियों में हालात बेहद खराब हैं और लोग लंबे समय से गंदे व बदबूदार पानी की आपूर्ति से परेशान हैं। अविशेक कुमार ने बताया कि पूर्वी दिल्ली के मंडावली इलाके के सी ब्लॉक में पिछले करीब दो महीनों से घरों में गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है, जिससे स्थानीय लोग गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। पानी इतना दूषित है कि लोग इसे पीना तो दूर, सामान्य कामों में इस्तेमाल करने से भी डर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर विधायक से लेकर दिल्ली जल बोर्ड तक कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसी तरह रोहताश नगर विधानसभा क्षेत्र के रामनगर विस्तार में भी काफी समय से बदबूदार पानी की आपूर्ति हो रही है। मजबूरी में लोगों को पीने के लिए बाजार से महंगा पानी खरीदना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी रवि कुमार का कहना है कि पानी में इतनी दुर्गंध होती है कि नल के पास खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। स्थिति इतनी खराब है कि लोगों को पीने के पानी के लिए दूसरे मोहल्लों पर निर्भर रहना पड़ रहा है और कई बार दूर-दूर जाकर पानी भरकर लाना पड़ता है। अविशेक कुमार ने कहा कि मंडावली के सैकड़ों लोग इस समस्या से प्रभावित हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कई महीनों से पानी की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है और अब स्थिति और भी गंभीर होती जा रही है। नलों से हर दिन गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है, जिसका उपयोग किसी भी काम के लिए करना मुश्किल है। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि दूषित पानी के कारण क्षेत्र में कई घरों में डायरिया के मरीज भी सामने आ रहे हैं, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है।

धार्मिक स्थलों के पास मांस-मदिरा की दुकानों पर रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगवान महावीर देशना फाउंडेशन के डायरेक्टर मनोज कुमार जैन ने दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह, प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा तथा एमसीडी आयुक्त संजीव खिरवार से जनभावनाओं से जुड़े एक महत्वपूर्ण विषय पर संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। मनोज कुमार जैन ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी होने के साथ-साथ विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों का संगम है। यहां मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च और अन्य उपासना स्थलों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना और प्रार्थना के लिए आते हैं। ऐसे पवित्र स्थलों के आसपास का वातावरण शांत, स्वच्छ और श्रद्धापूर्ण बनाए रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के कई क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों के आसपास मांस (नॉन-वेज) और मदिरा की दुकानें संचालित हो रही हैं, जिससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं और इन पवित्र स्थलों की गरिमा भी प्रभावित होती है। इसके अलावा इन दुकानों से निकलने वाली गंदगी, दुर्गंध और अस्वच्छता भी आसपास के वातावरण को प्रभावित करती है। मनोज कुमार जैन ने संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया कि दिल्ली में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च और अन्य उपासना स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस और मदिरा की दुकानों के संचालन पर रोक लगाई जाए। साथ ही जहां ऐसी दुकानें पहले से संचालित हो रही हैं, उन्हें बंद कराने के लिए आवश्यक आदेश जारी किए जाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लिए जाने से राजधानी में सभी धर्मों के प्रति सम्मान की भावना और अधिक मजबूत होगी तथा धार्मिक स्थलों की पवित्रता और गरिमा भी बनी रहेगी।

नेचर बाजार में भीषण आग, 40 से अधिक दुकानें जलकर राख

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में स्थित नेचर बाजार में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने बाजार की कई छोटी दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल विभाग के मुताबिक करीब 40 से 50 छोटी दुकानें जलकर खाक हो गईं। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली दमकल विभाग के जनसंपर्क अधिकारी राजिंदर अटवाल के अनुसार रविवार सुबह करीब 7:37 बजे कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना मिली। घटना स्थल अंबेडकर कॉलोनी स्थित नेचर बाजार, दिल्ली हाट अंधेरिया मोड़ के पास, छतरपुर मेट्रो स्टेशन के नजदीक बताया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शुरुआती तौर पर दो वाटर टेंडर, दो वाटर बाउजर, एक फ्लीट फायर टेंडर और एक क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल मौके पर रवाना किए। मौके पर पहुंचकर दमकल अधिकारियों ने आग की गंभीरता को देखते हुए सुबह करीब 8 बजे मेक-4 कॉल जारी कर दी, जिसके बाद अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को भी घटनास्थल पर भेजा गया। बाद में तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारियों के अनुसार आग बाजार की करीब 40 छोटी दुकानों में लगी थी, जिससे उनमें रखा सामान पूरी तरह जल गया और दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। शुरुआती आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह के समय बाजार में भीड़ कम होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के बाद इलाके में काफी देर तक धुएं का गुबार छाया रहा, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। दमकल विभाग का कहना है कि कूलिंग ऑपरेशन पूरा होने के बाद आग के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केजरीवाल की एक्साइज पॉलिसी केस ट्रांसफर की याचिका ठुकराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल की सीबीआई के एक्साइज पॉलिसी केस को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा से किसी अन्य पीठ को स्थानांतरित करने की याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान रोस्टर के अनुसार सीबीआई की याचिका न्यायमूर्ति शर्मा को सौंपी गई है और किसी भी न्यायाधीश के हटने की याचिका संबंधित न्यायाधीश द्वारा ही ली जानी चाहिए। न्यायालय ने कहा, 'मुझे प्रशासनिक पक्ष से आदेश पारित करके याचिका को स्थानांतरित करने का कोई कारण नहीं दिखता।'

पूर्वी दिल्ली में अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने दो पैडलर दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी जिला एंटी नारकोटिक्स टीम ने एक अंतरराज्यीय ड्रग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 21.730 किलोग्राम गांजा और 46 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार बरामद ड्रग्स की कीमत 12 लाख रुपये है। एक स्कूटी भी बरामद की है। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार रावल ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों की पहचान गाजियाबाद निवासी फिरोज खान और अकबर के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी खिचड़ीपुर में ड्रग की तस्करी होने वाली है। नारकोटिक्स के इंचार्ज अरुण कुमार के नेतृत्व में एक टीम बनाई। एनएच-नौ पर चेकिंग के दौरान उन्हें घेर लिया। तलाशी लेने पर उनके पास मौजूद दो सफेद बैगों से गांजा व स्मैक बरामद हुई। जांच में पता चला कि फिरोज खान पर पहले भी चार बार गांजा तस्करी के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है और नोएडा में उसके खिलाफ यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से ड्रग लाकर दिल्ली में बेचते थे।

संपत्ति विवाद में हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार, तीन साथियों संग दिया था वारदात को अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बवाना थानाक्षेत्र में संपत्ति विवाद को लेकर पुरानी रंजिश में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर देने के मामले में वांछित आरोपी योगी उर्फ देवराज डबास को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। वह पूठ खुर्द गांव का रहने वाला है। आठ मार्च को वारदात के बाद से वह फरार चल रहा था। इस मामले में शामिल एक नाबालिग को बवाना पुलिस पहले पकड़ चुकी है। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक आठ मार्च को बवाना पुलिस को सूचना मिली थी कि राज वाटिका, पूठ खुर्द, सुल्तानपुर डबास रोड के पास एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां स्कूटी के पास एक व्यक्ति घायल पड़ा हुआ था। उसकी पहचान 24 वर्षीय भूपेंद्र के रूप में हुई थी। वह पूठ खुर्द का रहने वाला था। घायल को अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इस मामले में शामिल आरोपियों को पकड़ने की जिम्मेदारी जिला पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच को भी सौंपी गई थी। एसीपी भगवती प्रसाद व इंस्पेक्टर अरविंद अहलावत के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम को बीते दिनों योगी की गतिविधियों के बारे में एक खास जानकारी मिली। जिसके बाद ह्यूमन इंटेलिजेंस और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर टीम ने योगी का पता लगा उसे शनिवार को नजफगढ़ स्थित छावला बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने दोस्तों निखिल, सुमित और एक नाबालिग के साथ पूठ खुर्द स्थित राज वाटिका के पास गया था। वहां उसने और निखिल ने भूपेंद्र पर गोली चला दी। उसकी संपत्ति विवाद के चलते भूपेंद्र के साथ पुरानी दुश्मनी थी। इस मामले में बवाना पुलिस ने नाबालिग को पकड़ लिया था। घटना में शामिल सुमित व निखिल अभी फरार हैं। योगी का भूपेंद्र उर्फ भोलू के साथ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था।

संसदीय गरिमा बनाए रखने पर जोर, प्रधानमंत्री का लोकसभा अध्यक्ष को पत्र, सदन में तख्तियां और अमर्यादित आचरण पर चिंता

नई दिल्ली (शिखर समाचार) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर संसद की गरिमा और मयार्दा बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया है। यह पत्र लोकसभा अध्यक्ष को हटाने के संबंध में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में हुई चर्चा और उसके खारिज होने के बाद लिखा गया।

अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने अविश्वास प्रस्ताव के दौरान लोकसभा अध्यक्ष द्वारा दिखाए गए धैर्य, संयम और निष्पक्षता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया ने भारतीय लोकतंत्र में एक नई राजनीतिक संस्कृति को जन्म दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद संवाद, तर्क और विचार-विमर्श का सर्वोच्च मंच है, जहां देश के हर क्षेत्र और समाज के हर वर्ग की आवाज को सम्मानपूर्वक स्थान मिलना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने पत्र में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ लोग परिवारवादी और सामंती सोच के कारण लोकतांत्रिक संस्थाओं को अपने सीमित दायरे में रखना चाहते हैं और नए नेतृत्व को स्वीकार नहीं कर पाते। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती के लिए संसद की परंपराओं और मयार्दाओं का सभी को सम्मान करना चाहिए।

प्रधानमंत्री के पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संदेश संसदीय लोकतंत्र के नियमों, प्रक्रियाओं और परंपराओं के प्रति उनके अटूट विश्वास को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सदन की गरिमा बनाए रखना सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है।

इसी क्रम में लोकसभा अध्यक्ष ने लोकसभा में सभी दलों के नेताओं को भी एक पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने हाल के समय में संसद परिसर के भीतर और बाहर कुछ सांसदों के आचरण पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि सभागृह के भीतर बैनर, तख्तियां और पोस्टर का प्रदर्शन तथा अमर्यादित भाषा और व्यवहार संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

ओम बिरला ने कहा कि सदन में हमेशा मर्यादित चर्चा और संवाद की गौरवशाली परंपरा रही है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से अपील की कि वे अपने अपने सदस्यों को अनुशासित और मर्यादित आचरण के लिए प्रेरित करें, ताकि संसद की प्रतिष्ठा और जनता का लोकतंत्र पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

मुख्यमंत्री 'अपना घर आश्रम' के 12वें वार्षिकोत्सव हुई शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज बूढ़पुर स्थित 'अपना घर आश्रम' के 12वें वार्षिकोत्सव तथा संस्था के रजत जयंती समारोह में सम्मिलित हुई। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पिछले 26 वर्षों से यह संस्थान बेसहारा, निराश्रित और अस्वस्थ लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहा है। वर्तमान में इसके 70 से अधिक केंद्र भारत में संचालित हैं और विदेशों में भी इसकी सेवाएं निरंतर विस्तारित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'अंत्योदय' के दर्शन को ध्येय मानते हुए हमारी सरकार भी दिल्ली के प्रत्येक जरूरतमंद तक सम्मान, सुरक्षा और सहायता पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जाजू, सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक राजकरण खत्री तथा संस्था से जुड़े कई लोग उपस्थित रहे।

रसोई गैस की कालाबाजारी के खिलाफ लोक समाज पार्टी की पदयात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक समाज पार्टी की दिल्ली इकाई ने ठेकेदारी प्रथा, बेरोजगारी और रसोई गैस की कथित कालाबाजारी के खिलाफ चांद सिनेमा त्रिलोकपुरी से ब्लॉक नंबर 21 कल्याणपुरी तक सत्याग्रह पदयात्रा निकाली। पदयात्रा का नेतृत्व दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सतबीर सिंह करौतिया ने किया, जबकि इसका आयोजन पूर्वी दिल्ली जिला अध्यक्ष सतपाल द्वारा किया गया। इस दौरान कई स्थानों पर नुक्कड़ सभाएं भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बचन सिंह करौतिया, दिल्ली प्रदेश परिवहन प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील सक्सेना, दिल्ली महिला सभा की कांता रानी पींगोलिया, राम गोपाल चौहान, ओम प्रकाश, किशन कश्यप, मीना देवी, अविनाश, रामवीर सिंह और नीरज जनार्दन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। चांद सिनेमा पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए लोक समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा (एडवोकेट) ने कहा कि जब आम लोगों की आय सीमित हो और रोजगार के अवसर कम हों, तो उनकी उम्मीद होती है कि रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतें कम से कम उनकी पहुंच में रहें या स्थिर बनी रहें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में आय की तुलना में खर्च लगातार बढ़ा है, जिससे आम आदमी पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। गौरीशंकर शर्मा ने कहा कि चाहे केंद्र सरकार हो या दिल्ली सरकार, दोनों की जानकारी में ठेकेदारी के तहत काम करने वाले श्रमिकों का शोषण हो रहा है। उन्हें समय पर वेतन नहीं मिलता और कई बार न्यूनतम वेतन से भी कम भुगतान किया जाता है। ऐसे में महंगाई के दौर में इन लोगों के लिए परिवार चलाना और भी कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, खासकर पश्चिम एशिया में तनाव के बीच पेट्रोलियम पदार्थों और रसोई गैस को लेकर भी चिंताएं बढ़ी हैं। सरकार की ओर से बार-बार यह कहा जा रहा है कि रसोई गैस की कोई कमी नहीं है, लेकिन सवाल यह उठता है कि यदि गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है तो लोगों को बुकिंग कराने में दिक्कत क्यों हो रही है और गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें क्यों दिखाई दे रही हैं।

महापौर ने हेल्थ एंड वेलनेस समिट 2026 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मेयर सरदार राजा इकबाल सिंह ने नई दिल्ली में पल्स एंड पॉजिटिविटी द्वारा आयोजित हेल्थ एंड वेलनेस समिट 2026 का उद्घाटन किया। इस एक दिवसीय समिट में नीति-निर्माताओं स्वास्थ्य विशेषज्ञों शिक्षाविदों और वेलनेस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। समिट का उद्देश्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा करना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर हेल्थ चौपाल पहल की भी शुरुआत की गई जो स्वास्थ्य जागरूकता निवारक देखभाल और वेलनेस गतिविधियों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक सामुदायिक मंच के रूप में कार्य करेगी। मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए मेयर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि तेज रफ्तार जीवनशैली में संतुलित और स्वस्थ जीवन बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और खुशहाली एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और लोगों को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक मंच पर लाने के लिए आयोजकों की सराहना की। इस अवसर पर मेयर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा जीवन में संतुलन बनाए रखना और संतुष्ट तथा खुश रहना समग्र मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत आवश्यक है। इस तरह के मंच लोगों को अपने स्वास्थ्य के बारे में सोचने और बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर स्वास्थ्य और खुशहाल समाज के लिए

ऐसे जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए और इसमें समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। समिट के दौरान मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों निवारक स्वास्थ्य देखभाल और महिलाओं के स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने बढ़ते तनाव अस्वस्थ जीवनशैली और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए समय रहते जागरूकता और निवारक उपाय अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

दिल्ली में बनेगा 'सुपर मेडिकल हब', एम्स की तर्ज पर स्वायत्त संस्थान के रूप में होगा विकसित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार राजधानी की स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, सुलभ और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार ने राजधानी के प्रमुख सरकारी चिकित्सा संस्थानों जैसे गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी), दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआई) और राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (आरजीएसएसएच) को एकीकृत कर एम्स की तर्ज पर स्वायत्त संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। वहीं, इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर ऐंड एलाइड साइंसेज (इहबास) को भविष्य में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान-2 (निमहंस-2) के रूप में विकसित करने की दिशा में भी काम किया जाएगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हाल ही में दिल्ली सचिवालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में राजधानी के प्रमुख सरकारी चिकित्सा संस्थानों को एकीकृत करते हुए एक सशक्त और आधुनिक चिकित्सा तंत्र विकसित करने, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने के लिए उपलब्ध संसाधनों का समुचित और वैज्ञानिक उपयोग बेहद जरूरी है। विभिन्न संस्थानों के एकीकरण से डॉक्टरों, विशेषज्ञों, चिकित्सा उपकरणों और आधारभूत संरचना का बेहतर उपयोग हो सकेगा और मरीजों को अधिक सुव्यवस्थित और उन्नत चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

बेड की स्थिति और मरीजों का बढ़ता दबाव

बैठक में अस्पतालों में उपलब्ध बिस्तरों की स्थिति और मरीजों के दबाव पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में कुल 650 बेड की क्षमता है, लेकिन फिलहाल लगभग 250 बेड ही उपयोग में हैं और करीब 400 बेड खाली पड़े हैं। दूसरी ओर दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट और जीटीबी अस्पताल में मरीजों की संख्या क्षमता से अधिक है। जीटीबी अस्पताल में लगभग 1400 बेड की मूल क्षमता के मुकाबले 1500 से अधिक बेड उपयोग में हैं। मरीजों के आंकड़ों के अनुसार जीटीबी अस्पताल में ओपीडी में लगभग 14 लाख से अधिक मरीज आते हैं और करीब 95 हजार मरीज इन पेशंट डिपार्टमेंट (आईपीडी) सेवाएं लेते हैं। वहीं दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट में लगभग 1.27 लाख ओपीडी मरीज और राजीव गांधी अस्पताल में लगभग 2.87 लाख ओपीडी मरीज दर्ज किए गए हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जीटीबी अस्पताल पर मरीजों का अत्यधिक दबाव है जबकि कुछ अस्पतालों की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है।

पश्चिमी विक्षोभ का असर, तेज हवाओं के साथ बारिश से मौसम हुआ सुहावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते काफी दिनों से लोग गर्मी से परेशान थे। दिन का पारा लगातार 35 डिग्री सेल्सियस के ऊपर बना हुआ था, लेकिन रविवार तड़के दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बदल गया। तेज हवाओं के बीच हुई बूंदाबांदी ने मौसम को खुशनुमा कर दिया। यह दौर सुबह 10 बजे तक जारी रहा। दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार शाम 5:30 बजे तक 1.2 एमएम बारिश दर्ज की गई।

मौसम वैज्ञानिकों ने पश्चिमी हिमालय पर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ को इस बारिश का मुख्य कारण बताया है। साथ ही, मध्य पाकिस्तान और पंजाब-हरियाणा के सटे इलाकों में एक चक्रवाती परिसंचरण भी विकसित हुआ है, जिससे बादलों की आवाजाही बनी रहने का अनुमान है। इस दौरान अधिकतम तापमान 30.1 और न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 80 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 43 प्रतिशत रही। मौसम विभाग के अनुसार, रिज में 29.4, आया नगर में 28.5, लोधी रोड में 28.4 और पालम में 27.8 अधिकतम पारा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे में दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में बादल छाए रहेंगे। शाम के समय, गरज-चमक और बिजली कड़कने के साथ बहुत हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 17 मार्च को दिल्ली में दिन के समय 15 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलने की संभावना है। आंशिक रूप से बादल भी छाए रहेंगे। वहीं, सोमवार और मंगलवार को अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, 17 मार्च की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिमी भारत को प्रभावित कर सकता है।

दिल्ली नगर निगम ने रेलवे ट्रैक के पास से पांच हजार मीट्रिक टन कचरा हटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने रेलवे ट्रैक के आसपास से कचरा हटाने के लिए एक बड़ा सफाई अभियान शुरू किया है। भारतीय रेल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में लगभग 123 किलोमीटर लंबी रेलवे ट्रैक का संचालन करती है, जिनके आसपास कई स्थानों पर झुग्गी-झोपड़ी और जेजे कॉलोनियां स्थित हैं। अनुमान के अनुसार दिल्ली भर में रेलवे ट्रैक के आसपास लगभग 15 हजार मीट्रिक टन कचरा जमा है, जिसमें से अब तक लगभग 5 हजार मीट्रिक टन कचरा एमसीडी द्वारा हटाया जा चुका है। एमसीडी के आयुक्त संजीव खिरवार ने कहा कि रेलवे ट्रैक की लंबाई सुरक्षा और कर्मचारियों की सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए एमसीडी ने रेलवे ट्रैक के आसपास पड़े इस पुराने कचरे को हटाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है। भविष्य में अलग-अलग अंतराल पर विशेष हस्तक्षेप की आवश्यकता न पड़े इसके लिए एमसीडी नियमित सफाई की व्यवस्था स्थापित कर रही है। इस व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से लागू करने के लिए एमसीडी जोन वार रेलवे ट्रैक की नियमित सफाई हेतु कंसेशनायर नियुक्त करने के लिए विशेष निविदाएं भी आमंत्रित कर रही है। वर्तमान में दिल्ली के सभी जोनों में रेलवे ट्रैक के आसपास जमा कचरे को हटाने के लिए एमसीडी ने 145 वाहनों को तैनात किया है, जिनमें ट्रक, ऑटो टिप्पर, हायवा और जेसीबी शामिल हैं। इसके अलावा लगभग 800 कर्मचारियों को इस कार्य में लगाया गया है। दिल्ली में रेलवे ट्रैक पर भारी मात्रा में रेल यातायात चलता है, इसलिए ट्रैक के आसपास सफाई कार्य के दौरान रेलवे से ब्लॉक लेना आवश्यक होता है। कई स्थानों पर ऐसे क्षेत्र भी हैं जहां एमसीडी के वाहन नहीं पहुंच पाते। ऐसे दुर्गम स्थानों से कचरा हटाने के लिए एमसीडी रेलवे प्रशासन से सहयोग लेकर आवश्यक पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। रेलवे ट्रैक से कचरे को सुचारु और निरंतर रूप से हटाने के लिए एमसीडी रेलवे अधिकारियों का सहयोग ले रही है और जोन स्तर पर संयुक्त समन्वय टीमें कार्य कर रही हैं। एमसीडी का लक्ष्य अगले 10 दिनों के भीतर रेलवे ट्रैक के आसपास जमा सभी पुराने कचरे को हटाना है जिसके बाद नियमित सफाई के लिए कंसेशनायर व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। एमसीडी निगम पार्षदों को भी इस अभियान में शामिल करने पर विचार कर रही है ताकि रेलवे ट्रैक के आसपास रहने वाले लोगों को जागरूक किया जा सके कि वे रेलवे भूमि पर कचरा न फेंकें। इसके साथ ही स्थानीय निवासियों, पार्षदों और रेलवे अधिकारियों से परामर्श कर रेलवे भूमि पर उचित स्थानों पर कूड़ेदान और कचरा संग्रहण बिंदु भी निर्धारित किए जाएंगे।

माँ शाकम्भरी देवी धाम के विकास कार्यों का मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

सहारनपुर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद सहारनपुर के भ्रमण के दौरान सिद्धपीठ शाकुंभरी देवी मंदिर क्षेत्र में चल रही पर्यटन विकास परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने माँ शाकम्भरी देवी पर्यटन कॉरिडोर के अंतर्गत निमार्णाधीन विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को कार्यों को गुणवत्ता तथा समयबद्धता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान निमार्णाधीन स्मारिका दुकानों, शौचालय ब्लॉक, पर्यटक सुविधा केंद्र तथा बहुस्तरीय पार्किंग के निर्माण कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मंदिर क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्टूबर माह तक पूर्ण होने वाली परियोजनाओं को शारदीय नवरात्रि से पहले ही मानकों के अनुरूप पूरा कराया जाए, ताकि देश प्रदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि माँ शाकम्भरी देवी धाम आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

एलिवेटेड मार्ग निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने भूरादेव मंदिर से माँ शाकम्भरी देवी मंदिर तक निमार्णाधीन एलिवेटेड मार्ग के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस मार्ग का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिल सके और मंदिर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

पर्यटन विकास से क्षेत्र को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन कॉरिडोर की परियोजनाओं के पूर्ण होने से न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मंदिर में की विधिवत पूजा अर्चना

निरीक्षण के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिद्धपीठ शाकुंभरी देवी मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना की तथा प्रदेश की सुख समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

इस अवसर पर राज्यमंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास जसवंत सैनी, लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री बृजेश सिंह, नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी, रामपुर मनिहारान विधायक देवेंद्र निम, गंगोह विधायक किरत सिंह, नगर विधायक राजीव गुंबर, एडीजी भानु भास्कर, मंडलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक अभिषेक सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, पूर्व विधायक नरेश सैनी, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत राणा, महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन प्रहार : अवैध चरस के साथ 2 अभियुक्तों को वेव सिटी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मादक पदार्थ की तस्करी और बिक्री को रोकने के लिए गाजियाबाद में पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार चलाया हुआ है। अभियान के तहत थाना वेव सिटी ने मेरठ एएनटीएफ ऑपरेशनल यूनिट के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए चेकिंग के दौरान लाल कुआँ पुल के नीचे से 5 किलोग्राम अवैध चरस के साथ 2 अभियुक्त रहीस मलिक और राजू यादव को गिरफ्तार किया। खास बात यह है कि नेपाल से अवैध चरस लाकर दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में बेची जाती थी। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी और बिक्री रोकने के लिए ऑपरेशन प्रहार चल रहा है। अभियान के तहत पुलिस लगातार कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ की तस्करी और बिक्री करने वालों को गिरफ्तार कर रही है।थाना वेव सिटी और मेरठ एएनटीएफ ऑपरेशनल यूनिट ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए लाल कुआँ पुल के नीचे से चेकिंग के दौरान इन दोनों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 5 किलोग्राम अवैध चरस बरामद हुई है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही की जा रही है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि राजू यादव नेपाल का रहने वाला है और रहीस मलिक के लिए वह नेपाल से अवैध चरस लाता था। वहां से अवैध चरस लाने के बाद रहीस मलिक को देता। रहीस उस चरस को महंगे दाम में मोटरसाइकिल से घूम कर दिल्ली एनसीआर में सप्लाई किया करता था। वह इस बार भी रहीस मलिक को अवैध चरस देने के लिए आया था।

सहारनपुर में पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, पारदर्शिता और निष्पक्षता के निर्देश

सहारनपुर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा के दृष्टिगत जनपद में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का मंडलायुक्त रूपेश कुमार, जिलाधिकारी मनीष बंसल तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान मंडलायुक्त रूपेश कुमार ने गुरु नानक इंटर कॉलेज अंबाला रोड का निरीक्षण किया, जबकि जिलाधिकारी मनीष बंसल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने जे.वी. जैन इंटर कॉलेज तथा जयनारायण खेमका गर्ल्स इंटर कॉलेज सहारनपुर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा तथा कक्ष निरीक्षकों की उपस्थिति सहित अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त रूपेश कुमार ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जाए तथा बोर्ड द्वारा जारी सभी दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा अवधि में पूरी सतर्कता बरती जाए और अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। इस अवसर पर संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा परीक्षा केंद्रों के प्रभारी भी उपस्थित रहें।

एफएसएसएआई के फैसले से व्यापारियों में खुशी, व्यापार मंडल ने बांटी मिठाई

मुरादनगर (शिखर समाचार)। खाद्य कारोबार से जुड़े व्यापारियों को बड़ी राहत देते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के नए फैसले का क्षेत्र के व्यापारियों ने स्वागत किया है। प्राधिकरण द्वारा रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र और लाइसेंस की वैधता को आजीवन करने की घोषणा के बाद व्यापारियों में खुशी का माहौल है। एफएसएसएआई के अनुसार अब खाद्य व्यवसाय संचालकों को अपने लाइसेंस का बार-बार नवीनीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही नियामकीय बोझ कम करने के उद्देश्य से लाइसेंसिंग और पंजीकरण की वार्षिक कारोबार सीमा में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत 1 अप्रैल 2026 से पंजीकरण के लिए टर्नओवर की सीमा 12 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपये कर दी जाएगी। इस निर्णय से क्षेत्र के छोटे और मध्यम व्यापारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

उप्र उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष शहजाद चौधरी ने कहा कि इस फैसले से व्यापारियों के समय और धन दोनों की बचत होगी तथा छोटे व्यापारियों को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल लंबे समय से इस तरह के बदलाव की मांग करता आ रहा था और अब यह निर्णय व्यापारियों के हित में एक सकारात्मक कदम है। व्यापारियों ने इसके लिए संबंधित विभाग के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

एफएसएसएआई के फैसले की खुशी में उप्र उद्योग व्यापार मंडल के कार्यालय पर व्यापारियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर प्रसन्नता व्यक्त की और निर्णय का स्वागत किया।

इस अवसर पर महामंत्री त्रिवेंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष नितिन शर्मा, सुमित गर्ग, सतीश जिंदल, रमन तायल, सतीश गोयल, संजय सिंघल, जय भगवान सिंघल, अक्षय सिंघल, उमेश अरोड़ा, सौरभ मित्तल, दीपक गुप्ता, नसीम, नितिन गोयल और ललित गोयल सहित कई व्यापारी मौजूद रहें।

बढ़ापुर में मारपीट का वीडियो वायरल, पुलिस सख्त, पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बिजनौर (शिखर समाचार)। सोशल मीडिया पर मारपीट का एक वीडियो वायरल होने के बाद बढ़ापुर पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वायरल वीडियो थाना क्षेत्र के गांव सिक्कावाला का बताया जा रहा है। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगीना अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि यह घटना लगभग एक सप्ताह पुरानी है। आठ मार्च को गांव से एक बारात गई थी, जहां कुछ लोगों के बीच कहासुनी हो गई थी। बारात वापस लौटने के बाद विवाद सुलझने के बजाय और बढ़ गया। आरोप है कि इसी विवाद के चलते पांच लोगों ने एक व्यक्ति के घर में जबरन घुसकर उसके साथ मारपीट की। घटना का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूजीसी के कथित काले कानून के विरोध में सर्व समाज का आक्रोश मार्च, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

मुरादनगर (शिखर समाचार)। भगवान परशुराम जनकल्याण सेवा समिति के तत्वावधान में सर्व समाज के लोगों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के कथित काले कानून के विरोध में रविवार को आक्रोश मार्च निकाला और महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

आक्रोश मार्च रामलीला ग्राउंड चुंगी नंबर-3 से शुरू होकर मुख्य बाजार, मेन रोड, बस स्टैंड और मेट्रो स्टेशन होते हुए डीसीपी कार्यालय पहुंचा। वहां प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर डीसीपी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन प्रेषित किया। डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद ने कहा कि यूजीसी में लागू किए गए इस कानून को भारत सरकार द्वारा स्वर्ण जातियों के खिलाफ एक साजिश के रूप में देखा जा रहा है। उनका कहना था कि यह कानून आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को अंधकार में धकेलने का प्रयास है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इस कानून को वापस नहीं लिया गया तो देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने हाल ही में दरोगा भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न के माध्यम से पंडितों के अपमान का आरोप लगाते हुए प्रश्नपत्र तैयार करने वाले के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग भी की।

आयुष त्यागी ने कहा कि यूजीसी के नए नियमों में समानता समिति बनाने का प्रावधान किया गया है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला और दिव्यांग प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से शामिल करने की बात कही गई है, जबकि सामान्य वर्ग के प्रतिनिधि को अनिवार्य रूप से शामिल करने का प्रावधान नहीं है। उनका कहना था कि इससे गलत शिकायतों की संभावना बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि पहले से लागू आरक्षण व्यवस्था के कारण सामान्य वर्ग के कई योग्य अभ्यर्थी अवसरों से वंचित रह जाते हैं और ऐसे नियम पक्षपातपूर्ण व्यवस्था को बढ़ावा दे सकते हैं।

विरोध प्रदर्शन में हजारों की संख्या में ब्राह्मण, त्यागी, ठाकुर और वैश्य समाज के लोग शामिल हुए। सभी ने अपनी-अपनी संस्थाओं के लेटर पैड पर डीसीपी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजते हुए यूजीसी द्वारा लाए गए इस कानून को तुरंत वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह कानून स्वर्ण समाज के बच्चों के लिए घातक और एकतरफा है।

इस अवसर पर अखिल भारतीय परशुराम सेवा दल के अध्यक्ष पंडित विनोद मिश्रा, भगवान परशुराम सेवा समिति के अध्यक्ष बॉबी पंडित, अरुण शर्मा, राकेश शर्मा, प्रमोद कौशिक, उदिता त्यागी, एडवोकेट विजय गौड़, ओमपाल शर्मा, सतीश शर्मा, ज्ञानेंद्र सिंघल, पूनम त्यागी, मनोज शास्त्री, यति देव शर्मा, संजीव वर्मा, सोमदत्त शर्मा, नानक चंद शर्मा, मोहित गर्ग, गुरुदत्त, दीपक शर्मा, प्रशांत गुप्ता, नितिन शर्मा, सुमित गर्ग सहित विभिन्न संस्थाओं के हजारों लोग उपस्थित रहे।

3 दोस्तों ने मिलकर बनाया दोपहिया वाहन चोर गैंग, ट्रॉनिका सिटी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना ट्रॉनिका सिटी पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 3 अभियुक्त आदिल, नूर हसन और कासिम को गिरफ्तार किया है। यह तीनों मिलकर थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस इलाके में दोपहिया वाहन चोरी और छिनैती की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से 2 मोबाइल फोन, एक चोरी की मोटरसाइकिल और 3 हजार रुपये नकद बरामद किए। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि चेकिंग के दौरान इन तीनों को चौकी क्षेत्र ट्रॉनिका सिटी से गिरफ्तार किया गया है। यह तीनों मिलकर क्षेत्र में दोपहिया वाहन चोरी और छिनैती की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने उनके पास से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की है। उन्होंने बताया कि आदिल पर 2, नूर हसन पर 2और कासिम पर 9 आपराधिक मुकदमें दर्ज है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह तीनों आपस में दोस्त है। तीनों मिलकर दोपहिया वाहन चोरी और छिनैती की वारदात को अंजाम देते है। वह खास तौर पर फैक्ट्री एरिया और घनी आबादी वाले इलाकों को टारगेट करते हुए दोपहिया वाहन चोरी किया करते थे। दोपहिया वाहन को चोरी करने के बाद झाड़ियां में झाड़ियों में छिपा दिया करते थे। मौका मिलते ही दोपहिया वाहन को दिल्ली में जाकर बेच दिया करते थे। दोपहिया वाहन को बेचने के बाद मिले हुए पैसों को आपस में बांट लिया करते थे।

सिल्वरजोन ओलंपियाड में हापुड़ की आरोही ने राज्य स्तर पर पाया प्रथम स्थान

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के शिवपुरी स्थित शिवा पब्लिक स्कूल की कक्षा दो की छात्रा आरोही ने सिल्वरजोन ओलंपियाड में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है और छात्रा को बधाइयाँ दी जा रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयोजित सिल्वरजोन ओलंपियाड में कक्षा दो की छात्रा आरोही ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर पहला स्थान हासिल किया। छात्रा की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा उसे मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के शिक्षकों ने छात्रा की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं इस उपलब्धि से अभिभावकों और क्षेत्रवासियों में भी खुशी का माहौल है। विद्यालय परिवार ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही इस प्रकार की उपलब्धियाँ संभव हो पाती हैं, जो अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनती हैं।

भूमि पूजन के साथ 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की तैयारियां शुरू

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ग्राम कनोजा में 20 से 22 मार्च तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की तैयारियों के तहत रविवार को रज वंदन समारोह एवं भूमि पूजन संस्कार श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। शांतिकुंज दिल्ली एनसीआर जोन के समन्वयक तथा गायत्री चेतना केंद्र नोएडा के व्यवस्थापक योगेश ने वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के साथ यज्ञशाला निर्माण के लिए 51 स्थानों की पवित्र रज एकत्र कर भूमि पूजन संस्कार संपन्न कराया। इस दौरान भूमि पूजन का मुख्य अनुष्ठान अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अनुज त्यागी और उनकी पत्नी ने विधिवत रूप से किया। भूमि पूजन के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, पर्यावरण शुद्धि और समाज के कल्याण की कामना करते हुए सामूहिक प्रार्थना की। गायत्री परिवार के सदस्यों ने बताया कि आगामी दिनों में आयोजित होने वाला 51 कुंडीय महायज्ञ क्षेत्र में आध्यात्मिक जागरण, नैतिक मूल्यों के प्रसार और समाज में सकारात्मक ऊर्जा के संचार का माध्यम बनेगा। आयोजक मंडल की ओर से क्षेत्र के श्रद्धालुओं से आह्वान किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में महायज्ञ में भाग लेकर धर्म, संस्कार और समाज सेवा के इस पुण्य कार्य में सहभागी बनें। इस अवसर पर रामकिशन बंधु, अमरीश गोयल, अनीता गुप्ता, निशी शर्मा, पवन शर्मा, राजकुमार, देवेंद्र, सुशांत त्यागी, भरत, करण सिंह, कुसुम शर्मा, राधा, दिया सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1 लाख 97 हजार 670 मामलों का निस्तारण, 6 करोड़ 49 लाख से अधिक की धनराशि का हुआ समझौता

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, उच्च न्यायालय इलाहाबाद तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में शनिवार को जनपद न्यायालय परिसर कैराना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 1 लाख 97 हजार 670 मामलों का निस्तारण करते हुए 6 करोड़ 49 लाख रुपये से अधिक की धनराशि का आपसी समझौते के माध्यम से निपटारा कराया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शामली इंदर प्रीत सिंह जोश के मार्गदर्शन में जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर कैराना में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान, पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह, उपजिलाधिकारी कैराना निधि भारद्वाज सहित समस्त न्यायिक अधिकारी, बैंक अधिकारी, अधिवक्ता और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायालयों में हजारों मामलों का निस्तारण

राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बृजेश शर्मा ने 24 मामलों का निस्तारण किया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम) सुरेन्द्र राय ने 175 मामलों का निस्तारण किया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (बाल संरक्षण से संबंधित प्रकरण) सीमा वर्मा ने 5 मामलों तथा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश त्वरित न्यायालय रीतू नागर ने 1 मामले का निस्तारण किया।

इसके अतिरिक्त अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कैराना प्रशांत सिंह ने 1008 मामलों, सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ प्रभाग एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शामली आंचल कसाना ने 1537 मामलों, सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ प्रभाग कैराना आशीष काम्बोज ने 848 मामलों तथा सिविल न्यायाधीश कनिष्ठ प्रभाग शामली दिव्या चन्द्रा ने 980 मामलों का निस्तारण किया।

न्यायिक दंडाधिकारी शामली अमर प्रसाद ने 1050 मामलों, सिविल न्यायाधीश कनिष्ठ प्रभाग कैराना अंकित त्यागी ने 715 मामलों तथा अपर सिविल न्यायाधीश कनिष्ठ प्रभाग न्यायालय संख्या 1 कैराना शिवानी चौधरी ने 622 मामलों का निस्तारण किया। इस प्रकार विभिन्न न्यायालयों द्वारा कुल 7361 मामलों का निस्तारण करते हुए लगभग 74 लाख 54 हजार रुपये की धनराशि का समझौता कराया गया।

राजस्व और बैंक मामलों का भी हुआ समाधान

राष्ट्रीय लोक अदालत में राजस्व न्यायालयों द्वारा 1 लाख 89 हजार 852 मामलों का निस्तारण किया गया। इसके अतिरिक्त बैंकों से संबंधित 457 मामलों का भी निपटारा किया गया, जिनमें लगभग 5 करोड़ 74 लाख रुपये से अधिक की धनराशि का समझौता कराया गया।

इस प्रकार जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शामली इंदर प्रीत सिंह जोश के मार्गदर्शन में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1 लाख 97 हजार 670 मामलों का निस्तारण करते हुए 6 करोड़ 49 लाख 23 हजार 151 रुपये से अधिक की धनराशि का आपसी समझौते के माध्यम से निपटारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रभारी सचिव आंचल कसाना ने राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दरोगा भर्ती परीक्षा-अवसरवादी का ऑप्शन 'पंडित' देने पर विवाद

सीएम योगी ने कहा- जातीय कमेंट बर्दाश्त नहीं; डिप्टी सीएम बोले- कार्रवाई होगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में दरोगा भर्ती परीक्षा में अवसरवादी के विकल्प में पंडित ऑप्शन दिए जाने पर विवाद हो गया है। सीएम योगी ने सभी भर्ती बोर्ड को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा- जाति, धर्म को लेकर अमर्यादित टिप्पणी न की जाए। यह कतई बर्दाश्त नहीं है। बार-बार ऐसी गलती करने वालों को प्रतिबंधित किया जाए। वहीं, डिप्टी सीएम ने कहा कि इस पर कार्रवाई होगी। वहीं, विवाद के बाद पुलिस भर्ती बोर्ड ने रविवार सुबह पर पोस्ट किया। इसमें कहा कि एग्जाम सेंटर में एंट्री से पहले अभ्यर्थियों की धार्मिक पहचान जैसे- कलावा, मंगलसूत्र न उतारवाए जाएं। इसके बाद, रविवार को दरोगा भर्ती एग्जाम के दूसरे दिन एग्जाम सेंटर्स पर कुछ नरमी बरती गई। अभ्यर्थियों का कलावा नहीं काटा गया। महिला अभ्यर्थियों से मंगलसूत्र नहीं उतरवाए गए। हालांकि, गले की चेन, हाथ के कड़े, जूते और बेल्ट उतरवाए गए। दरअसल, यूपी में दो दिन चलने वाली दरोगा भर्ती परीक्षा का आज आखिरी दिन है। परीक्षा दो पालियों में कराई जा रही है। पहली पाली में सुबह 10 से 12 बजे तक परीक्षा हुई। दूसरी पाली में दोपहर 3 से 5 बजे तक एग्जाम होगा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (UPPBB) ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में 1090 सेंटर बनाए हैं। भर्ती के जरिए 4,543 पदों पर नियुक्ति होगी। भर्ती के लिए 15,75,760 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 11,66,386 पुरुष और 4,09,374 महिला अभ्यर्थी हैं। दरअसल, शनिवार को सामान्य हिंदी के प्रश्नपत्र में पूछा गया था-

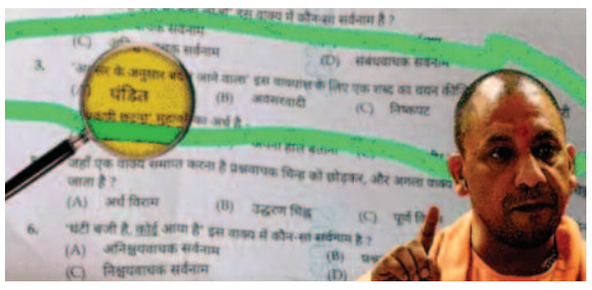

अवसर के हिसाब से बदल जाने वाले को क्या कहेंगे? इसके विकल्पों में पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी थे। सवाल के सामने आते ही विरोध शुरू हो गया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- यह मामला स्वीकार्य नहीं है। जांच के बाद जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। भाजपा के तीन ब्राह्मण विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, प्रकाश द्विवेदी और रमेश मिश्र ने भी विरोध जताते हुए सीएम को लेटर लिखकर कार्रवाई की मांग की। सहारनपुर के पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा ने भी योगी को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा- दरोगा भर्ती परीक्षा के पेपर के विकल्पों में "पंडित" शब्द का जिस प्रकार प्रयोग किया गया है, उससे ब्राह्मण समाज की भावनाएं आहत हुईं। किसी भी समाज की गरिमा और सम्मान के साथ इस प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं हो सकता। आपसे मांग है कि पूरे मामले की जांच कराई जाए। पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह कहते हैं कि पुलिस से जुड़ी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले सवालों को बहुत ही गोपनीय तरीके से किया जाता है। इसके लिए बड़ी संख्या में प्रश्नों को तैयार कराया जाता है, फिर उसमें से कुछ प्रश्नों को सेलेक्ट किया जाता है। उदाहरण के तौर पर अगर 50 प्रश्नों का प्रश्नपत्र तैयार करना है तो 500 500 प्रश्नों के अलग अलग सेट लिए जाएंगे। पेपर कौन तैयार करेगा? कहां छपेगा? ये सब बहुत ही गोपनीय और कड़ी निगरानी में किया जाता है। वह कहते हैं- जहां तक प्रश्नपत्र में पूछे गए सवाल पर हो रहे विवाद की बात है तो ये बिल्कुल गलत है। सवाल में कोई कमी नहीं है। कोई भी जाति खुद को पंडित होने का दावा नहीं कर सकती। पंडित होने का मतलब विद्वान होता है।
उन्होंने कहा- इस मामले में भर्ती बोर्ड को जांच कराने से बेहतर होता कि वह स्टैंड लेता। अगर प्रश्न में पंडित होने पर किसी को एतराज है तो जो लोग निष्कपट और सदाचारी हैं, उन्हें भी इस पर एतराज हो सकता है। ये पूरा विवाद केवल लोगों का मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए पैदा किया जा रहा है। ये परंपराएं गलत डाली जा रही हैं। सवाल में कोई गड़बड़ी नहीं है।प्रदेश में 9 से 11 फीसदी ब्राह्मण समाज की आबादी है। मौजूदा 75 जिलों में 31 में ब्राह्मण प्रभावी भूमिका में हैं। पूर्वांचल, मध्य और बुंदेलखंड में ब्राह्मण समाज जिसके साथ जाता है, उसी की ताजपोशी भी तय मानी जाती है। ब्राह्मण हमेशा से महत्वपूर्ण स्विंग वोटबैंक रहे हैं। ये मतदाता अक्सर चुनावों का रुख तय करते हैं। इसकी वजह भी है, ये सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त हैं।

लखनऊ के रिसॉर्ट में गैस रिफिलिंग का रैकेट पकड़ा:88 सिलेंडर बरामद

लखनऊ (एजेंसी)। एलपीजी सिलेंडर की किल्लत के बीच कालाबाजारी का बड़ा मामला सामने आया है। मोहान रोड स्थित अभिनंदन रिसॉर्ट में जिला प्रशासन और सप्लाई विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर अवैध गैस रिफिलिंग और भंडारण के रैकेट का खुलासा किया। मौके से बड़ी संख्या में घरेलू और छोटे सिलेंडर बरामद किए गए हैं। मामले में गैस एजेंसी के प्रोपराइटर, मैनेजर और रिसॉर्ट मालिक समेत कई लोगों के खिलाफ काकोरी थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत FIR दर्ज कराई गई है। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान 88 सिलेंडर जब्त किए गए। इनमें 14.2 किलोग्राम के 65 खाली घरेलू सिलेंडर बरामद किए गए। इसके अलावा नौ घरेलू सिलेंडर भरे हुए पाए गए। टीम को पांच किलोग्राम वाले 14 छोटे सिलेंडर भी मिले। इसके साथ ही मौके से एक बोलेरो मैक्सी ट्रक (यूपी 32 क्यूएन 5729) भी बरामद किया गया, जिसका इस्तेमाल सिलेंडरों की ढुलाई में किया जा रहा था। जिला पूर्ति अधिकारी विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने शनिवार को अभिनंदन रिसॉर्ट में छापेमारी की। जांच के दौरान टीम को रिसॉर्ट परिसर में अवैध रूप से गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग और भंडारण किए जाने के प्रमाण मिले। कार्रवाई के दौरान परिसर से भारी मात्रा में सिलेंडर बरामद किए गए। यहां रिफिलिंग किए जाने की सूचना इलाके के लोगों ने दी थी। एक तरफ लोग गैस के लिए लाइन में दिन-दिनभर खड़े रहते हैं तो वहीं दूसरी तरफ इसकी कालाबाजारी भी चल रही है।

संक्षिप्त डायरी

गुरुग्राम के सतपाल तंवर पर लॉरेंस फैन ने की फायरिंग

गुरुग्राम (एजेंसी)। रहने वाले भीमसेना एवं संविधान सुरक्षा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवाब सतपाल तंवर पर फायरिंग के मामले में कथित रूप से लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया है। हमले के चार दिन बाद सोशल मीडिया पर एक युवक ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस का फैन बताते हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। इस धमकी भरे फेसबुक पोस्ट में सतपाल तंवर को मुल्ला का गुलाम बताते हुए अगली बार उनकी पत्नी निशा तंवर को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। लॉरेंस बिश्नोई के कथित फैन ने नवाब सतपाल तंवर समेत उत्तर प्रदेश पुलिस को भी फेसबुक पर टैग करके ये पोस्ट डाली है। सतपाल तंवर की पत्नी निशा तंवर की शिकायत पर यूपी के देवबंद में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस की जांच टीम ने कार के गेट में फंसी गोली भी बरामद कर ली है। सतपाल तंवर को पहले भी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके भाई अनमोल बिश्नोई का नाम लेकर धमकियां मिल चुकी है। इस संबंध में गुरुग्राम में केस भी दर्ज है। हालांकि सतपाल तंवर ने खुद लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती देते हुए कहा था कि अगर सरकार इजाजत दे तो वे 2 घंटे 4 मिनट में पूरा गैंग खत्म कर देंगे।

खाना नहीं दिया तो सौतेली मां को मार डाला:सिर पर हथौड़े से किए ताबड़तोड़ वार

संभल (एजेंसी)। युवक ने अपनी सौतेली मां के सिर पर हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर मार डाला। वह खाना देर से मिलने से नाराज था। चीखने की आवाज सुनकर जब पिता किचन में पहुंचे तो महिला जमीन पर पड़ी तड़प रही थी। चारों ओर खून बिखरा पड़ा था। पास ही हथौड़ा पड़ा हुआ था। अस्पताल ले जाने के पहले ही महिला ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया। शनिवार देर रात की यह वारदात जिला मुख्यालय से महज 700 मीटर दूर बहजोई कस्बा क्षेत्र के इस्लामनगर रोड स्थित दुर्गा कॉलोनी की है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ FIR दर्ज कर ली है। पुलिस हिरासत में बेटे ने पूछताछ में बताया- उसने सौतेली मां से खाना मांगा था। देर होने पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में उसने हत्या कर दी। बहजोई थाना क्षेत्र के इस्लामनगर रोड स्थित नई बस्ती (दुर्गा कॉलोनी) में मुरादी अपनी दूसरी पत्नी शमीम बानो के साथ रहते हैं। मुरादी की पहली पत्नी के बच्चे भी उनके साथ रहते हैं। घर में दूसरी पत्नी शमीम बानो को लेकर आए दिन झगड़ा होता रहता है। मुरादी के अनुसार, शनिवार शाम 8 बजे छोटा बेटा आतिफ उर्फ आदिफ (20) ड्यूटी से घर आया। उसने दो बार खाना मांगा, पर काम में व्यस्त होने के कारण शमीम बानो ने नहीं सुना। रात करीब 9 बजे आतिफ चिल्लाते हुए किचन में गया। खाना मांगने लगा। इसी दौरान दोनों के बीच बहस हुई। आतिफ ने आवेश में आकर घर में पड़े हथौड़े से शमीम बानो के सिर पर वार कर दिया। ताबड़तोड़ वार से शमीम जमीन पर गिर पड़ी। सिर फटने से खून बहने लगा। चीख-पुकार सुनकर मुरीद किचेन में पहुंचे तो शमीम बानो का शव जमीन पर पड़ा देखा। मुरीद की सूचना पर रात करीब 12 बजे बहजोई थाना प्रभारी संत कुमार पुलिस फोर्स और फॉरेंसिक टीम लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शमीम बानो के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। खून से सना हथौड़ा बरामद किया। मुरीद की तहरीर पर आतिफ के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार किया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मृतका के पति की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार करके पूछताछ की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मामले के हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'यूपी में गैस संकट से 80% होटल-रेस्टोरेंट बंद

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप होने से उत्तर प्रदेश में होटल और रेस्टोरेंट इंडस्ट्री बुरी तरह प्रभावित है। यूपी होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के चेयरमैन आरके सेठी का दावा है कि प्रदेश में करीब 80% होटल और रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं। कानपुर में करीब 60% कारोबार ठप पड़ गया है। शनिवार देर शाम कॉमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई दोबारा शुरू करने का आदेश आया। हालांकि अभी ये कहना मुश्किल है कि हालात कब तक सामान्य होंगे। यूपी होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के चेयरमैन आरके सेठी का कहना है कि कॉमर्शियल गैस न मिलने के कारण होटल इंडस्ट्री लगभग ठहर गई है। कई जगह लकड़ी और कोयले से खाना बनाने की कोशिश की जा रही है। यूपी में लगभग 14 हजार होटल और 20 हजार रेस्टोरेंट हैं। गैस सिलेंडर न मिलने से इनमें से ज्यादातर का कामकाज प्रभावित हो गया है। कानपुर में सेठी ग्रुप के 8 होटल हैं, जिनमें से 7 पिछले चार दिनों से बंद पड़े हैं। हालात ऐसे हैं कि जो गेस्ट होटल में ठहरे हैं, उन्हें चाय तक नहीं पिला पा रहे हैं। सेठी ने बताया कि उनके 8 होटलों में ही हर दिन करीब 5 लाख रुपए का नुकसान हो रहा है। उनका कहना है कि कानपुर में करीब 200 होटल और 250 बैंक्वेट हॉल हैं। गैस संकट के कारण पहले से बुक कार्यक्रमों में भी बदलाव करना पड़ रहा है। मेन्यू तक बदलने की नौबत आ गई है। मन मुताबिक खाना भी नहीं दे पा रहे हैं, जिससे होटल मालिकों को नुकसान हो रहा है। शादी में इमरती-जलेबी की जगह लड्डू से चला काम यूपी होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के चेयरमैन ने बताया कि गैस न मिलने का असर समारोहों पर भी पड़ा है। शुक्रवार को एक होटल में 700 लोगों की शादी की दावत थी। मेन्यू में इमरती और जलेबी शामिल थी, लेकिन गैस न होने के कारण मिठाई नहीं बन सकी। आखिर में बूंदी के लड्डू मंगवाकर कार्यक्रम पूरा कराया गया। इसी तरह एक इफ्तार पार्टी में बालूशाही देने की तैयारी थी, लेकिन वह भी नहीं बन सकी। बाद में लड्डू परोसकर इफ्तार कराया गया, जिस पर आयोजक ने कहा कि पहली बार इफ्तार में लड्डू खिलाए गए। होटल कारोबारियों का कहना है कि बाजार में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर ब्लैक में 5 हजार रुपए तक में बिकने की जानकारी मिल रही है। आरके सेठी ने कहा कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो कर्मचारियों को मिलने वाला दो वक्त का खाना भी देना बंद करना पड़ सकता है। हालांकि होटल बंद रहने के बावजूद कर्मचारियों को पूरी सैलरी दी जाएगी। उन्होंने सरकार से अपील की है कि कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति जल्द शुरू कराई जाए, ताकि होटल और रेस्टोरेंट इंडस्ट्री दोबारा पटरी पर लौट सके। कानपुर का फेमस पंडित रेस्टोरेंट बंद कानपुर में लगभग 350 से 400 होटल और करीब 700 रेस्टोरेंट हैं। इनके भी हालात ऐसे ही हैं। शहर के प्रतिष्ठित पंडित रेस्टोरेंट में लंच और डिनर बंद कर दिया गया है। पिछले चार दिनों से रेस्टोरेंट बंद है।

वाराणसी में गंगा स्नान कर रहे दो भाई डूबे

वाराणसी (एजेंसी)। रविवार को गंगा में स्नान कर रहे दो भाई डूब गए। NDRF और जल पुलिस ने एक को बचा लिया है जबकि दूसरी की तलाश जारी है। परिवार के साथ दोनों गोरखपुर से घूमने आए थे। यह हादसा तुलसीघाट पर हुआ। मृतक की पहचान गोरखपुर के कौड़ीराम के रहने वाले 18 वर्षीय निखिल के रूप में हुई है। जबकि 12 साल के किशोर आयुष की अभी तलाश हो रही है। झंगहा थानाक्षेत्र के रहने वाले आयुष के पिता अनिल ने बताया- हम लोग बाबा विश्वनाथ के दर्शन के पहले गंगा स्नान करने आए थे। बच्चे हमारी आंखों के सामने डूब गए। मेरा बेटा आयुष गहरे पानी में डूबने लगा तो बहन का बेटा निखिल उसे बचाने गया लेकिन उसका भी पैर फिसल गया। झंगहा थानाक्षेत्र के डुमरैला के रहने वाले अनिल अपनी पत्नी, बेटे के अलावा बहन, भांजे-भांजी सहित 15 लोग रविवार को वाराणसी पहुंचे थे। बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के पहले रविवार सुबह करीब 7 बजे परिवार गंगा स्नान करने तुलसी घाट पहुंचा था। अनिल ने बताया- परिवार के लोगों के साथ बेटा आयुष और निखिल भी गंगा में डुबकी लगाने लगे। वे लोग नहाने में व्यस्त हुए तो आयुष नदी की ओर आगे जाने लगा। उसके पीछे निखिल भी था। घाट पर मौजूद लोगों ने दोनों किशोरों को गहरे पानी की ओर जाते देख चिल्लाकर बताया कि आगे नदी गहरी है। लेकिन लोगों के मना करने के बाद भी दोनों आगे बढ़े। एक किशोर यह कहते हुए आगे बढ़ता रहा कि उसे तैरना आता है। इसी बीच आयुष का संतुलन बिगड़ा और वह डूबने लगा। भाई को डूबता देख मौसेरा भाई निखिल उसे बचाने के लिए आगे बढ़ा। देखते ही देखते दोनों डूबने लगे।

उन्नाव में लाखों की नकदी, जेवरात चोरी:सूने घर को चोरों ने बनाया निशाना,

उन्नाव(एजेंसी)। जिले के बीघापुर थाना क्षेत्र स्थित बहुराजमऊ गांव में लाखों रुपये की नकदी और जेवरात चोरी होने से हड़कंप मच गया। चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। इस घटना ने इलाके में लगातार हो रही चोरियों के बीच पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गांव निवासी राहुल चौरसिया पुत्र गोपाल चौरसिया मुंबई में इलाज कराने गए हुए हैं। उनके घर की देखरेख उनकी भाभी निशा कर रही थीं। निशा जब सुबह घर पहुंचीं तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखकर दंग रह गईं। घर के अंदर कमरे में रखा बक्सा और अलमारी का लॉकर टूटा पड़ा था, और सारा सामान बिखरा हुआ था। पीड़िता निशा के अनुसार, चोर घर से लगभग छह लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात, नकदी, पीतल के बर्तन और कपड़े चुरा ले गए। चोरी की जानकारी मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया और आसपास के ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और साक्ष्य जुटाए। चोरी के खुलासे के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित महिला निशा ने थाने में चोरी की लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बीघापुर थाना क्षेत्र में इससे पहले भी लाखों रुपये की चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी मामले का खुलासा नहीं हो सका है। लगातार हो रही इन वारदातों से लोगों में दहशत का माहौल है और पुलिस गश्त पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीघापुर थानाध्यक्ष राज्यपाल ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है और जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

मायावती बोलीं- ब्राह्मण हमारे साथ आए इसलिए सपा बौखलाई

समाजवादियों का पीडीए प्रेम छलावा, बसपा ही बहुजन की असली पार्टी

लखनऊ (एजेंसी)। पूर्व सीएम मायावती ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार को कांशीराम जयंती पर उन्होंने कार्यकर्ताओं से वोटों की ताकत से सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए एकजुट होने को कहा। उन्होंने कहा कि बसपा ही बहुजन समाज की असली पार्टी है। बाकी सभी पार्टियां स्वार्थ की साथी हैं। कांशीराम जयंती को पीडीए दिवस के रूप में मनाने पर बसपा ने सपा पर हमला बोला। उन्होंने एक प्रेस नोट जारी कर कहा- इनका पीडीए प्रेम सिर्फ छलावा है। इन लोगों को इन वर्गों और इनके महापुरुषों की याद सिर्फ चुनाव के वक्त ही आती है। सरकार बन जाने पर वे उन्हें दरकिनार करने में जरा-सा भी वक्त नहीं लगाते। दरअसल, कांशीराम की 92वीं जयंती पर प्रदेश में सियासी गतिविधियां तेज हैं। बसपा ने चलो लखनऊ का नारा देते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें प्रदेशभर से हजारों कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे हैं। जबकि उनकी जयंती को सपा की बाबा साहेब आंबेडकर वाहिनी, पीडीए दिवस के रूप में मना रही। 13 मार्च को कांग्रेस ने भी राजधानी में कांशीराम की जयंती पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था। राहुल गांधी इसमें शामिल हुए थे। कांग्रेस ने कांशीराम को भारत रत्न देने का प्रस्ताव भी पास किया। तय हुआ कि राहुल गांधी संसद में इस प्रस्ताव को रखेंगे। मायावती ने 9 माल एवेन्यू स्थित बसपा के केंद्रीय कैंप कार्यालय में कांशीराम की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा- बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नक्शेकदम पर चलने वाली BSP ही 'बहुजन समाज' की 'असली पार्टी' है। सपा और दूसरी विरोधी पार्टियां कथनी और करनी में भारी अंतर वाले दल हैं। इनसे सावधान रहकर ही बाबा साहेब के अधूरे कारवां को आगे बढ़ाकर कांशीराम जी के सपनों को साकार किया जा सकता है। 2. पार्टी से दगा करने वालों से सतर्क रहने की जरूरत मायावती ने कहा- हमें सांसदी और विधायकी का लालच देकर 'बहुजन समाज' के वोट की शक्ति को कमजोर करने वाली पार्टियों से सावधान रहना होगा। इसके साथ ही निजी लाभ के लिए पार्टी और मूवमेंट से दगा करने वालों से भी उचित दूरी बनाकर रखने की जरूरत है। ऐसे ही लोगों के कारण बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण के बाद उनका आत्म-सम्मान का मूवमेंट बिखरा रहा। 3. सपा, काम की कम और नाम की पार्टी ज्यादा मायावती ने कहा- दलितों, पिछड़ों और मुस्लिम समाज का शोषण करने वाली पार्टियों में खासकर सपा और अब इनका पीडीए प्रेम छलावा है। चुनावी स्वार्थ के अलावा इनका कोई और मकसद नहीं होता। सपा, कांग्रेस और भाजपा की तरह ही 'बहुजन समाज' के लिए काम की कम और नाम की पार्टी ज्यादा है। यह कोई आरोप नहीं, बल्कि इन पार्टियों का इतिहास है। 4. कांशीराम को भारतरत्न से सम्मानित करने में देरी न करे भाजपा बसपा सुप्रीमो ने कहा- मुस्लिम समाज ने पहले ही सपा समेत तमाम विरोधी पार्टियों से काफी हद तक दूरी बना ली है। अब ब्राह्मण समाज के भी बसपा से जुड़ने से सपा की राजनीतिक और जातिवादी दुश्मनी और तेज हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहेब को भारतरत्न से सम्मानित नहीं किया। अब केंद्र की भाजपा सरकार भी कांशीराम को भारतरत्न से सम्मानित करने में देरी कर रही है। दरअसल, शुक्रवार को लखनऊ में एक कार्यक्रम में राहुल गांधी की मौजूदगी में कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग का प्रस्ताव पास किया गया था। 5. बातें कम और काम अधिक' की नीति में विश्वास करती है बसपा मायावती ने कहा- लोगों को अच्छी तरह से पता है कि बसपा 'बातें कम और काम अधिक' की नीति में विश्वास करती है। दूसरी पार्टियां केवल हवाहवाई बातों, लुभावनी घोषणाओं और दावों के साथ-साथ 'अच्छे दिन' के हसीन सपनों के जरिए बरगलाने में ही जनता को उलझाए रखना चाहती हैं। जिसके चक्रव्यू में फंसकर जनता का जीवन काफी कुछ त्रस्त बना हुआ है। लखनऊ में डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर प्रदेश के 12 मंडलों से पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी ने प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में लखनऊ पहुंचने की अपील की थी। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि इस आयोजन के माध्यम से संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने की कोशिश की जा रही है। गौतमबुद्ध नगर में भी बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

2027 की तैयारी में जुटीं मायावती

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांशीराम जयंती के बहाने बसपा अपनी चुनावी सक्रियता को फिर से तेज करने की कोशिश कर रही है। लंबे समय से शांत दिख रही पार्टी अब संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के मंच से आगामी चुनावों को देखते हुए कुछ संभावित प्रत्याशियों के नामों की घोषणा भी की जा सकती है, जिससे कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश मिले और क्षेत्रीय स्तर पर चुनावी तैयारियां शुरू हो सकें।

बाइक से उछल कर 5 फीट दूर गिरे दंपती:पत्नी की मौत

सिकंदराराऊ/ हाथरस(एजेंसी)। हाथरस के सिकंदराराऊ में रविवार सुबह करीब 11:30 बजे एक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। इस घटना में उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह भिड़ंत एक बाइक और टेंपो के बीच हुई। मृतक महिला की पहचान नगला विजन निवासी अनीता देवी (40) पत्नी प्रवेश कुमार के रूप में हुई है। वह अपने पति प्रवेश कुमार के साथ मोटरसाइकिल से एटा जिले के सकीट गांव स्थित अपने रिश्तेदार के यहां जा रही थीं। ग्राम रतिभानपुर के पास हाईवे पर ओमवती बुआ के पेट्रोल पंप के सामने सामने से आ रहे एक टेंपो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पति-पत्नी बाइक से उछलकर सड़क पर गिर गए। हादसे में अनीता देवी के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गईं। उनके पति प्रवेश कुमार भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में रिकॉर्ड 9,26,280 मामलों का निस्तारण, अरबों रुपये का समझौता

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में बड़ी संख्या में लंबित और प्री-लिटिगेशन मामलों का निस्तारण किया गया। 14 मार्च को जनपद न्यायालय के सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिला जज अतुल श्रीवास्तव सहित सभी न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी त्यागी ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में जनपद न्यायालय गौतमबुद्धनगर के साथ साथ तहसील स्तर पर भी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला जज अतुल श्रीवास्तव के निर्देशन में संपन्न हुआ। लोक अदालत के दौरान जनपद न्यायालय के विभिन्न न्यायिक अधिकारियों द्वारा कुल 2,27,807 मामलों का निस्तारण किया गया। वहीं प्री-लिटिगेशन स्तर पर विभिन्न विभागों द्वारा भी बड़ी संख्या में मामलों का समाधान कराया गया। राजस्व न्यायालयों में 1,02,745, बैंकों में 280, एनपीसीएल में 107, यूपीपीसीएल में 5,678, श्रम न्यायालय में 1,013, पुलिस विभाग में 18,478, बीएसएनएल में 21

तथा चिकित्सा विभाग में 72,733 मामलों का निस्तारण हुआ।

इसी प्रकार यातायात विभाग द्वारा 4,61,213 मामलों का निस्तारण किया गया। इस तरह प्री-लिटिगेशन स्तर पर कुल 6,98,473 मामलों का समाधान कराया गया। न्यायालयवार निस्तारण की बात करें तो वाणिज्य न्यायालय, परिवार न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, विभिन्न अपर जिला जज न्यायालयों, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय, सिविल जज न्यायालयों तथा एनआई एक्ट से संबंधित न्यायालयों में बड़ी संख्या में मामलों का निपटारा किया गया। कई मामलों में आपसी समझौते के माध्यम से लाखों-करोड़ों रुपये की धनराशि का भी निस्तारण हुआ।

इसके अतिरिक्त नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा 5,500 तथा यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा 305 मामलों का समाधान कराया गया। वहीं जिला प्रशासन, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी और तहसील स्तर से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1,02,745 राजस्व मामलों का निस्तारण किया गया।

इस प्रकार जनपद गौतमबुद्धनगर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 9,26,280 मामलों का निस्तारण किया गया। विभिन्न मामलों में समझौते और जुमार्ने के रूप में लगभग 8,52,99,99,900 रुपये की धनराशि का निपटारा हुआ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य लोगों को सुलभ, त्वरित और सस्ती न्याय व्यवस्था उपलब्ध कराना है, जिससे लंबित मामलों का शीघ्र समाधान हो सके और न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ भी कम हो।

घनी आबादी के बीच मोबाइल टावर लगाने पर भड़के लोग, हटाने की उठी मांग

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के रेलवे रोड स्थित पंजाबी कॉलोनी में अवैध रूप से लगाए गए मोबाइल कंपनी के टावर को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। मोहल्लावासियों ने इस संबंध में जिला प्रशासन से शिकायत कर टावर को तुरंत हटाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार रेलवे रोड स्थित पंजाबी कॉलोनी के बीचों बीच मोबाइल टावर लगाए जाने से क्षेत्र के लोग नाराज हैं। उनका कहना है कि टावर को बिना मोहल्लावासियों की अनुमति के अवैध तरीके से लगाया गया है, जिससे लोगों में असंतोष फैल गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह क्षेत्र बेहद घनी आबादी वाला है और ऐसी स्थिति में आबादी के बीच मोबाइल टावर लगाया जाना उचित नहीं है। लोगों का आरोप है कि टावर से निकलने वाली रेडिएशन का सीधा असर आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, जो किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। मोहल्लावासियों ने बताया कि वे शुरू से ही टावर लगाए जाने का विरोध करते आ रहे हैं, लेकिन उनकी आपत्ति के बावजूद इसे स्थापित कर दिया गया। इससे क्षेत्र के लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर टावर को जल्द से जल्द हटाया जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते टावर नहीं हटाया गया तो मोहल्लावासी इसके खिलाफ कठोर रणनीति अपनाने को मजबूर होंगे।

ईश्वर चंद इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव धूमधाम से आयोजित, छात्रों की प्रस्तुतियों ने जीता सभी का दिल

दादरी (शिखर समाचार)। जीटी रोड स्थित छपरौला गांव के ईश्वर चंद इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उम्मीद संस्था के संरक्षक मास्टर ब्रह्म सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। मुख्य अतिथि डॉक्टर देवेन्द्र कुमार नागर और जागेश कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा वह शक्ति है जो व्यक्ति को मजबूत बनाती है और जीवन में आगे बढ़ने का सही मार्ग दिखाती है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में शिक्षा को सबसे बड़ा नशा बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थापक पवन त्यागी, आभा त्यागी, मास्टर बालचंद नागर, परमानंद शर्मा सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ ऑडियो से बढ़ा तनाव, शिकायत के बाद पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में सोशल मीडिया पर भड़काऊ और आपत्तिजनक भाषा में ऑडियो क्लिप अपलोड किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस से शिकायत की गई है, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई। जानकारी के अनुसार चार दिन पहले गांव के एक युवक ने इंस्टाग्राम पर एक ऑडियो क्लिप अपलोड की थी, जिसमें एक धर्म विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणी की गई थी। ऑडियो में समुदाय विशेष के लोगों के लिए अभद्र और आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया था, जिससे क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव और कानून व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई गई। मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने पुलिस से शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक को कोतवाली बुलाकर पूछताछ की। जारचा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद युवक को कोतवाली लाकर पूछताछ की गई। आरोपी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली, जिसके बाद मामला शांत हो गया।

बिजनौर में गुलदार का कहर: मां के साथ जंगल गई 10 वर्षीय मासूम को उतारा मौत के घाट

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद के थाना नहटौर क्षेत्र के गांव मुकर्रमपुर में रविवार को गुलदार के हमले में 10 वर्षीय मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार गांव मुकर्रमपुर निवासी 10 वर्षीय बालिका अदिति रविवार सुबह करीब 11 बजे अपनी मां के साथ जंगल की ओर गई थी। बताया जाता है कि जब दोनों वापस लौट रही थीं, तभी झाड़ियों में घात लगाए बैठे गुलदार ने अचानक बच्ची पर हमला कर दिया। गुलदार ने मासूम को दबोच लिया और गंभीर रूप से घायल कर दिया। मां के शोर मचाने पर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों को आता देख गुलदार बच्ची को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद परिजन और ग्रामीण अदिति को घायल अवस्था में तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नहटौर ले गए, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई।

क्षेत्राधिकारी धामपुर अभय कुमार पांडे ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वन विभाग और राजस्व विभाग को भी सूचना दे दी गई है तथा पीड़ित परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता दिलाने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में पहले भी गुलदार के देखे जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन वन विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लगातार बढ़ रही गुलदार की गतिविधियों से ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों बढ़ रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ा जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटना की पुनरावृत्ति न हो।

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग तेज, 30 मार्च को वीवो कंपनी पर महापंचायत का ऐलान

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव चक जलालाबाद में रविवार को किसान एकता संघ संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुंदन सिंह ने की, जबकि संचालन वीके चौधरी ने किया। बैठक में यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के प्रभावित किसानों और ग्रामीणों से आगामी 30 मार्च को वीवो कंपनी के बाहर आयोजित होने वाली महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने कहा कि देशभर में किसानों और उनके बच्चों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में स्थापित बड़ी बड़ी कंपनियों में स्थानीय युवाओं को पर्याप्त रोजगार नहीं दिया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के युवाओं में भारी नाराजगी है।

उन्होंने कहा कि किसान एकता संघ लंबे समय से स्थानीय युवाओं को

रोजगार दिलाने की मांग को लेकर संघर्ष कर रहा है। इसी क्रम में संगठन ने निर्णय लिया है कि 30 मार्च को वीवो कंपनी के बाहर एक बड़ी महापंचायत आयोजित की जाएगी, जिसमें क्षेत्र के किसान, युवा और ग्रामीण बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

बैठक के दौरान संगठन का विस्तार भी किया गया। इसमें टिंकू सिंह को जिला सचिव, हरिश्चंद को ग्राम संरक्षक और अनिल सिंह को ग्राम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा रोबिन सिंह, रिंकू सिंह और पिंटू सिंह सहित दर्जनों लोगों को जिला कार्यकारिणी में शामिल किया गया।

बैठक में मौजूद लोगों ने एक स्वर में कहा कि यदि स्थानीय युवाओं को कंपनियों में रोजगार नहीं मिला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के लोगों से महापंचायत को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की।

पैसों के लेन-देन के विवाद में ताऊ-भतीजे पर हमला, तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। पैसों के लेन-देन के विवाद में रविवार को नगीना मंडी मोलगंज स्थित एक दुकान पर जमकर मारपीट हो गई। स्कॉर्पियो में सवार होकर आए तीन लोगों ने दुकानदार के बेटे और उसके ताऊ पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना से मंडी क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के दुकानदारों ने मौके पर पहुंचकर हमलावरों को पकड़ लिया और पुलिस को बुलाकर उनके हवाले कर दिया। घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण कराने के बाद पुलिस को तहरीर दी गई है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला नोमी, बढ़ापुर निवासी कयामुद्दीन अपने दो पुत्रों अवैस अहमद और परवेज अहमद के साथ काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार होकर रविवार को नगीना मंडी मोलगंज स्थित तिरुपति ट्रेडर्स डिस्ट्रीब्यूटर की दुकान पर पहुंचे। उस समय दुकान स्वामी संजय जैन की जगह उनका बड़ा पुत्र अमन जैन गल्ले पर बैठा हुआ था। आरोप

घायल दुकानदार

है कि कयामुद्दीन और उसके पुत्रों ने अमन से कहा कि उन्होंने एक दिन पहले शादी के लिए रिफाइंड और सरसों के तेल के टीन सहित अन्य सामान खरीदा था और उसके अधिक पैसे लिए गए हैं, जिन्हें वापस किया जाए। अमन जैन ने शांतिपूर्वक जवाब देते हुए कहा कि यदि तेल के कनस्तर वापस ले आएं तो पैसे लौटा दिए जाएंगे। इस बात पर तीनों आरोपी भड़क गए और गल्ले पर बैठे अमन जैन के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि अमन को जान से मारने की नीयत से उसका गला भी दबाने का प्रयास किया गया। शोर-शराबा सुनकर अमन को बचाने के लिए उसके ताऊ निर्मल जैन (75 वर्ष) मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। निर्मल जैन के मुंह पर बाट और घूंसे से वार किया गया, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना के दौरान एक आरोपी ने गल्ले में हाथ डालकर पैसे निकालने का भी प्रयास किया। हंगामा और मारपीट देखकर आसपास के दुकानदार मौके पर पहुंच गए और अमन जैन व निर्मल जैन को बचाते हुए तीनों हमलावरों को पकड़ लिया। बाद में सूचना देकर पुलिस को बुलाया गया और आरोपियों को उनके हवाले कर दिया गया।

घायल अमन जैन और निर्मल जैन को पहले थाने ले जाया गया, जहां से उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। घटना के संबंध में अमन के पिता संजय जैन ने अन्य दुकानदारों के साथ थाने पहुंचकर तहरीर दी।

महाराजा अग्रसेन समाजवाद के पहले प्रणेता थे : अरविन्द संगल

शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द संगल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन समाजवाद के पहले प्रणेता थे और उनका मूल विचार सबका विकास और सबका ख्याल था। वे सहयोग, समानता और परोपकार के सिद्धांतों पर आधारित शासन व्यवस्था के समर्थक थे। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा अग्रोहा भ्रमण के लिए जा रही बस को रवाना करने से पूर्व महाराजा अग्रसेन पार्क में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अरविन्द संगल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने वसुधैव कुटुंबकम को जीवन का लक्ष्य मानकर शासन किया। उनका प्रसिद्ध सिद्धांत एक ईंट और एक रुपया समाज में सहयोग और भाईचारे की अनूठी मिसाल है। उन्होंने बताया कि जब भी कोई नया व्यक्ति उनके राज्य में आकर बसता था, तो राज्य का प्रत्येक नागरिक उसे एक ईंट और एक रुपया देता था, जिससे वह अपना घर बना सके और नया जीवन प्रारंभ कर सके। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन अहिंसा, समानता और व्यापारिक नैतिकता के समर्थक थे। उन्होंने समाज को यह संदेश दिया कि व्यापार केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के विकास का साधन भी होना चाहिए। इसी कारण अग्रवाल समाज उन्हें अपना आदर्श और प्रेरणा स्रोत मानता है। सम्मेलन के नगर अध्यक्ष सुधीर सिंगल ने बताया कि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में लगभग 50 अग्रवाल बंधु बस द्वारा हरियाणा स्थित अग्रोहा के लिए रवाना हुए, जहां वे माता लक्ष्मी शक्तिपीठ तथा महाराजा अग्रसेन की जन्मस्थली के दर्शन करेंगे। इस अवसर पर लाला शिवचरण दास संगल, अनिल बंसल, मनोज मित्तल, संजय बंसल, संजय गोयल, रविंद्र गोयल, वेद प्रकाश संगल, सुनील संगल, अनिल कुमार, देवेश तायल, सुरेश चंद्र गर्ग, नरेंद्र अग्रवाल, वैभव संगल, राहुल, सागर, अमरीश बंसल, मनोज गर्ग, प्रमोद गर्ग, रमन बंसल, अरुण संगल, अनिल तायल, अनीता बंसल, मधु बंसल, अनीता गर्ग, दुलारी, जिला महामंत्री संदीप जिंदल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन अनुराग जिंदल ने किया।

2700 साइकिल सवारों की रफ्तार से गूंजा नोएडा : एचसीएल साइक्लोथॉन के चौथे संस्करण में 29.2 लाख के पुरस्कार पर लगी दौड़

नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा में आयोजित एचसीएल साइक्लोथॉन के चौथे संस्करण में देशभर से आए 2700 से अधिक साइकिल सवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को यादगार बना दिया। एचसीएल ग्रुप द्वारा आयोजित इस साइक्लोथॉन की शुरूआत गौर सिटी चौक से हुई और यह नोएडा ग्रेटर नोएडा लिंक रोड पर 10.6 किलोमीटर के लूप पर संपन्न हुई। प्रतियोगिता में कुल 29.2 लाख रुपये का आकर्षक पुरस्कार रखा गया, जो देश में किसी भी साइक्लिंग आयोजन के लिए सबसे अधिक माना जा रहा है।

इस आयोजन में 200 से अधिक पुलिस कर्मियों, कुमारी मायावती गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज बादलपुर की 100 से अधिक छात्राओं तथा सुपर वुमन एथलेटिक्स ग्रुप , पहाड़ी पेडलर्स और ऑल अबाउट एक्सप्लोरिंग जैसे विभिन्न साइक्लिंग समूहों के सदस्यों ने भाग लेकर साइक्लिंग को फिटनेस गतिविधि के रूप में बढ़ावा दिया। वहीं 1,081 प्रतिभागियों ने ग्रीन राइडर के रूप में इसमें हिस्सा लिया। यह साइक्लोथॉन साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग तथा उत्तर प्रदेश पुलिस के समर्थन से आयोजित की गई। कार्यक्रम में डीसीपी नोएडा सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी, एचसीएल ग्रुप के प्रेसिडेंट (स्ट्रैटेजी) सुंदर महालिंगम और साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी जनरल मनींदर सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। साल 2023 में शुरू हुई एचसीएल साइक्लोथॉन आज देश के प्रमुख रोड साइक्लिंग आयोजनों में शामिल हो चुकी है। वर्तमान में यह नोएडा, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में आयोजित की जाती है और अब तक लगभग 18,000 से अधिक साइकिल सवारों को एक मंच पर ला चुकी है। राज्य सरकारों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में वाहन मुक्त मार्ग पर शौकिया सवारों के साथ साथ सीएसआई प्रमाणित पेशेवर साइकिलिस्टों को भी प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलता है।

प्रतिभागियों के विभिन्न अनुभव स्तरों को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगिता में कई श्रेणियां रखी गईं, जिनमें 55 किमी प्रोफेशनल रोड रेस, 55 किमी और 23 किमी एमेच्योर रोड रेस, 23 किमी एमेच्योर एमटीबी रोड रेस और 12 किमी ग्रीन राइड शामिल थीं। एचसीएल ग्रुप के प्रेसिडेंट (स्ट्रैटेजी) सुंदर महालिंगम ने भी 23 किमी एमेच्योर रोड रेस में अन्य प्रतिभागियों के साथ साइकिलिंग कर उत्साह बढ़ाया।

इस अवसर पर सुंदर महालिंगम ने कहा कि हर साल इस आयोजन के प्रति नोएडा में बढ़ता उत्साह बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि शुरूआत से लेकर अब तक यह पहल एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का रूप ले चुकी है, जिसमें देश के अलग-अलग शहरों से हजारों लोग जुड़ रहे हैं। उनके अनुसार साइक्लिंग अब केवल खेल नहीं बल्कि फिटनेस, सस्टेनेबिलिटी और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने वाली जीवनशैली बनती जा रही है। आयोजन का समापन विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों की उत्साहजनक भागीदारी के साथ हुआ, जिसने यह दर्शाया कि साइक्लिंग एक खेल और फिटनेस गतिविधि के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

संजय कॉलोनी की मदीना मस्जिद में तरावीह के दौरान कुरान ए करीम मुकम्मल

गाजियाबाद (शिखर समाचार) अर्थला की संजय कॉलोनी स्थित मदीना मस्जिद में रमजान के पाक महीने के दौरान नमाज ए तरावीह में कुरान ए करीम मुकम्मल किया गया। इस अवसर पर मौलाना इरशाद गाजी ने रोजाना तरावीह की नमाज पढ़ाते हुए कुरान ए करीम की तिलावत पूरी कराई। कार्यक्रम में मस्जिद कमेटी के सदस्य एडवोकेट साजिद अली, आमिर सिद्दीकी, साबिर इदरीसी, बबलू चौधरी, यूसुफ मलिक, आसिफ कस्सार, शाहनवाज, एडवोकेट आसिफ जाफरी, सलमान सिद्दीकी, इमरान, जुबेर, इमरान सिद्दीकी, शादाब सिद्दीकी, गुड्डू पठान, नावेद पठान सहित कॉलोनी के कई लोग मौजूद रहे। सभी नमाजियों ने पूरी अकीदत और तवज्जो के साथ कुरान ए करीम की तिलावत सुनी।

इस मौके पर मुल्क और कौम की खुशहाली के लिए खास दुआ की गई। साथ ही बीमारों को शिफा और बेरोजगारों को रोजगार मिलने की दुआ भी मांगी गई। दुआ के बाद नमाजियों में तबर्रुक

वितरित किया गया।

मौलाना इरशाद गाजी ने रमजान के महीने की फजीलत बयान करते हुए कहा कि यह महीना रहमत और बरकत का महीना है, जिसमें अल्लाह तआला अपने बंदों को नेकियां करने की तौफीक अता करता है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को अल्लाह और उनके नबी द्वारा बताई गई दीन की बातों पर अमल करते हुए अपनी जिंदगी गुजारनी चाहिए।

उन्होंने रमजान के आखिरी अशरे की अहमियत पर भी प्रकाश डालते हुए बताया कि इस दौरान शब ए कद्र की पांच संभावित रातें 21, 23, 25, 27 और 29 विशेष महत्व रखती हैं। इन मुबारक रातों में इबादत और दुआ का खास सवाब मिलता है, इसलिए मुसलमानों को इन रातों में इबादत कर शब ए कद्र की तलाश करनी चाहिए।

मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट साजिद अली ने कॉलोनी के लोगों से अपील की कि वे पूरे रमजान माह में नियमित रूप से तरावीह की नमाज अदा करें और आपसी भाईचारे के साथ ईद का त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं।

रसोई गैस की किल्लत से जूझ रहे उपभोक्ता, भारत गैस एजेंसी के प्रति बढ़ा विश्वास

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र में इन दिनों रसोई गैस की किल्लत के कारण उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें लग रही हैं और उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इस स्थिति के बीच नगर की भारत गैस एजेंसी के प्रति उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता दिखाई दे रहा है।

बताया जाता है कि कस्बे में भारत पेट्रोलियम की केवल एक गैस एजेंसी है, जबकि इंडेन गैस की तीन एजेंसियां संचालित हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि इंडेन एजेंसियों पर लापरवाही अधिक देखने को मिल रही है, जिसके कारण वहां भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है। हालांकि एक इंडेन गैस एजेंसी के प्रबंधक का कहना है कि सर्वर और तकनीकी समस्याओं के कारण असुविधा हो सकती है, लेकिन गैस की उतनी कमी नहीं है जितनी उपभोक्ता महसूस कर रहे हैं। नगर की इंडेन गैस एजेंसियों पर इन दिनों अत्यधिक भीड़ देखी जा रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि रसोई गैस की बुकिंग और वितरण व्यवस्था

को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। पहले 15 दिन, 21 दिन और 25 दिन में गैस बुकिंग की व्यवस्था थी, जबकि अब 30 दिन बाद बुकिंग की बात सामने आ रही है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन के अंतराल पर बुकिंग की व्यवस्था लागू होने से लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

उपभोक्ताओं के अनुसार वितरण व्यवस्था के साथ साथ केवाईसी प्रक्रिया, ऑनलाइन बुकिंग और सर्वर की धीमी गति भी परेशानी का बड़ा कारण बनी हुई है। सर्वर बार बार डाउन होने के कारण एजेंसियों पर लंबी लाइनें लग रही हैं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। कई उपभोक्ता केवल केवाईसी और बुकिंग संबंधी औपचारिकताएं पूरी कराने के लिए एजेंसियों के चक्कर लगा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान परिस्थितियों में गैस वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और सुचारू व्यवस्था की आवश्यकता है। उनका आरोप है कि कुछ लोगों की मनमानी के कारण ही गैस की किल्लत की स्थिति पैदा हो रही है। वहीं कुछ लोग अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और संभावित युद्ध जैसी खबरों के कारण लोगों में पैदा हुई दहशत को भी इस समस्या का एक कारण मान रहे हैं, जिसके चलते लोग समय से पहले गैस बुक कराने की कोशिश कर रहे हैं।

उपभोक्ताओं ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाया जाए, सर्वर और तकनीकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए तथा बुकिंग प्रणाली को स्पष्ट किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और अनावश्यक भीड़ तथा अव्यवस्था की स्थिति समाप्त हो।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल का चुनावी संग्राम और लोकतंत्र की कसौटी

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे जनता की आकांक्षाओं, असंतोष और उम्मीदों की अभिव्यक्ति भी होते हैं। जब किसी बड़े और राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य में चुनाव की घोषणा होती है तो उसका प्रभाव केवल उस राज्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी उससे प्रभावित होती है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हो गया है। अब सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि इस बार मतदाता किस करवट बैठेंगे और राज्य की सत्ता किसके हाथों में जाएगी।

पश्चिम बंगाल लंबे समय से देश की राजनीति का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। कभी वामपंथी दलों का मजबूत गढ़ रहा यह राज्य पिछले डेढ़ दशक से क्षेत्रीय राजनीति के प्रभाव में है। यहाँ की राजनीति केवल विकास या प्रशासन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसमें सांस्कृतिक पहचान, क्षेत्रीय स्वाभिमान और वैचारिक संघर्ष भी गहराई से जुड़े होते हैं। इसलिए हर चुनाव यहाँ एक व्यापक राजनीतिक और सामाजिक संदेश लेकर आता है।

इस बार का चुनाव कई मायनों में विशेष माना जा रहा है। एक ओर सत्तारूढ़ दल अपने विकास कार्यों और जनकल्याण योजनाओं के आधार पर जनता का समर्थन दोबारा हासिल करने की कोशिश करेगा, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इस चुनाव को सत्ता परिवर्तन का अवसर मानकर पूरी ताकत से मैदान में उतर चुका है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य की राजनीति में जो तीखा ध्रुवीकरण देखने को मिला है, वह इस चुनाव को और भी रोचक और निर्णायक बना रहा है।

चुनाव की घोषणा के साथ ही अब राजनीतिक दलों के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर तेज हो जाएगा। सभाएँ, रैलियाँ और चुनावी घोषणाएँ जनता को प्रभावित करने का प्रयास करेंगी। लेकिन अंततः लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मतदाता के हाथ में ही होता है। पश्चिम बंगाल का मतदाता हमेशा से राजनीतिक रूप से जागरूक और सक्रिय रहा है। यहाँ के लोग केवल नारों से प्रभावित नहीं होते, बल्कि वे अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर निर्णय लेते हैं। इस चुनाव में कई मुद्दे प्रमुख रूप से सामने आ सकते हैं। बेरोजगारी, महंगाई, उद्योग और निवेश, कानून व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द तथा केंद्र और राज्य के संबंध जैसे विषय चुनावी बहस के केंद्र में रहेंगे। राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति देने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने जैसे प्रश्न मतदाताओं के सामने महत्वपूर्ण होंगे। इसके साथ ही यह भी देखा जाएगा कि राजनीतिक दल इन समस्याओं के समाधान के लिए कितनी ठोस और व्यावहारिक योजनाएँ प्रस्तुत करते हैं। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पश्चिम बंगाल का चुनाव अक्सर राष्ट्रीय राजनीति का संकेतक भी बन जाता है। यहाँ का परिणाम कई बार यह संकेत देता है कि देश में राजनीतिक माहौल किस दिशा में जा रहा है। इसलिए राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख दल भी इस चुनाव को पूरी गंभीरता से लेते हैं और इसे अपनी राजनीतिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाते हैं। हालांकि चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं होना चाहिए। यह लोकतंत्र का उत्सव है जिसमें जनता की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण होती है। दुर्भाग्य से कई बार चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा और तनाव की खबरें सामने आती हैं, जो लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। इसलिए यह आवश्यक है कि चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी के साथ-साथ राजनीतिक दलों और नागरिकों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। आज जब चुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी हैं तो राजनीतिक माहौल तेजी से गरमाने लगा है। आने वाले दिनों में बयानबाजी, वादे और रणनीतियों का दौर तेज होगा। लेकिन असली परीक्षा मतदान के दिन होगी, जब जनता अपने मताधिकार का प्रयोग करेगी और तय करेगी कि राज्य की बागडोर किसे सौंपनी है।

~ मौलिक चिंतन ~

अंधे ही अंधेरों से मित्रता निभा सकते हैं, क्योंकि उजालों से दोस्ती का उनके लिए कोई महत्व नहीं है।

~~~~~~~~~

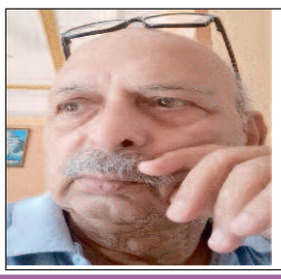

© विनय संकोची

ईरान पर हमला: साम्राज्यवाद ने एक बार फिर अपने पंजे निकाले

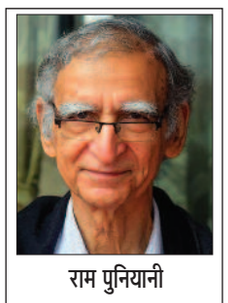

राम पुनियानी

ईरान पर इजराइल और संयुक्त राज्य अमरीका का हमला अत्यंत विनाशकारी साबित हुआ है। अधिकांश युद्धों की तरह, यह युद्ध भी अत्यंत बर्बर है। जंग शुरू करने का बहाना यह बनाया गया कि ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का शासन अत्यंत क्रूर है, वहां महिलाओं के अधिकारों को कुचला जा रहा है और वह देश परमाणु हथियार बनाने में जुटा हुआ है। दूसरी ओर, ईरान बातचीत करने और उसके दौरान उभरे मुद्दों पर पीछे हटने को तैयार था। बातचीत के दौरान ही इजराइल-अमेरिका गठबन्धन ने लड़ाई शुरू करने का फैसला कर लिया। युद्ध के शुरूआती दौर में उन्होंने ईरान को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। खामेनेई की उनके परिवार के कुछ सदस्यों के साथ हत्या कर दी गई और एक स्कूल पर बमबारी में 165 नन्हीं बच्चियां मारी गईं। गठबंधन ने कई बेकसूर नागरिकों को भी निशाना बनाया। इसके अलावा ईरानी नौसेना का एक जहाज, जो भारत के निमंत्रण पर नौसैनिक अभ्यास के लिए भारत आया था, पर अमरीकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने टारपीडो से हमला किया जिसमें जहाज पर मौजूद कई नौसैनिक मारे गए और जहाज डूब गया। ईरान ने साहस के साथ जवाबी कार्यवाही करते हुए अमरीका-इजराइल गठबंधन को काफी नुकसान पहुंचाया।

इस सारे घटनाक्रम के दौरान भारत की भूमिका देश की नई विदेश नीति के बारे में आंखें खोलने वाली है। भारत गुटनिरपेक्ष हुआ करता था और उसके ईरान से अत्यंत सौहार्दपूर्ण संबंध थे। दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान होता था। अब हम देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युद्ध शुरू होने के ठीक पहले इजराइल पहुंचे। हमें नहीं पता कि उनकी यात्रा का उद्धेश्य क्या था। उन्हें इजराइल के सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया गया और मोदी ने कहा कि भारत इजराइल के अच्छे-बुरे समय में उसका साथ देगा। इसके अगले दिन गठबंधन ने ईरान पर हमला कर दिया। मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत पर ट्वीट नहीं किया और एक खोखला-सा वक्तव्य जारी किया जिसमें हमलावर और हमले के शिकार दोनों में कोई अंतर नहीं बताया गया था। प्रधानमंत्री के रवैये से यह एकदम साफ हो गया कि भारत तटस्थ नहीं है बल्कि वह अमरीका-इजराइल गठबंधन के साथ है।

अब अमेरिका पर वापिस लौटें। हम 1950 के दशक से अमेरिका की कारगुजारियां देख रहे हैं। उसकी भूमिका अपने राजनैतिक और आर्थिक लक्ष्यों की खातिर दूसरे देशों के आतंरिक मामलों में दखलअंदाजी करने की रही है। पहले उसका प्रमुख नारा हुआ करता था कम्युनिज्म से दुनिया को बचाओ जिसके बहाने वह युद्ध छेड़ता रहता था। इस सिलसिले की शुरूआत वियतनाम के साथ हुई थी। वियतनाम फ्रांस का उपनिवेश हुआ करता था। हो ची मिन्ह के नेतृत्व में कम्युनिस्ट सेना ने फ्रांस की सत्ता को उखाड़ फेंका और एक लंबी और जटिल राजनैतिक प्रक्रिया के नतीजे में वियतनाम 17वीं अक्षांश रेखा को सीमा मानकर दो देशों - कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम और पूंजीवादी दक्षिण वियतनाम - में बंट गया। अमेरिका ने वियतनाम के खिलाफ भीषण युद्ध छेड़ दिया जिसमें करोड़ों डालर खर्च हुए। अमेरिका ने रासायनिक हथियारों, नेपाम (गाढ़ा पेट्रोल) और एजेंट ऑरेंज (शक्तिशाली खरपतवार नाशक) का भी इस्तेमाल किया। एजेंट ऑरेंज के उपयोग का उद्धेश्य था जंगलों में पेड़-पौधों की पत्तियों और घास को नष्ट करना ताकि वियतकांग (वियतनामी जनता द्वारा स्थापित की गई सेना) के लिए छिपने की जगह न बचे। नेपाम से बड़ी संख्या में लोगों को जलने के गंभीर घाव हो गए। एजेंट आरेंज से भी कई लोगों के खेत और फसलें बर्बाद हो गईं और पशुओं को भी जान गंवानी पड़ी।

वियतनाम की जनता हो ची मिन्ह के साथ थी। वियतकांग ने गोरिल्ला युद्ध करते हुए जीत हासिल की और अमेरिका ही हार हुई। उसके पांच लाख से भी अधिक सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। एक नए और युवा राष्ट्र से हारने के कारण अमरीका का मनोबल मिट्टी में मिल गया। वियतनाम युद्ध ने यह एकदम स्पष्ट कर दिया कि जो भी अमेरिका की ह्यस्वतंत्र विश्वह्य के नाम से पेश की जा रही उसके हितों तो स्सधने वाली विचारधारा के खिलाफ होगा, वह उसे परास्त करने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

इस बात की पुष्टि आने वाले समय में कई बार हुई जब अमरीका ने एक के बाद एक कई देशों पर इस या उस बहाने से हमला किया। ईरान इसका उदाहरण है। ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही उसके पास तेल का अकूत भंडार है। यही कारण है कि पश्चिमी देशों की नजरें उस पर टिकी रही हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमरीका और ब्रिटेन दोनों की ईरान में बड़ी मौजूदगी थी। युद्ध के बाद भी इंग्लैंड ने एंग्लो-ईरानियन आयल कंपनी के जरिये ईरान के तेल पर अपना कब्जा बनाये रखा। वह अपने हितों के लिए ईरान के तेल का इस्तेमाल करता रहा। फिर 1951 में मोसादेग की राष्ट्रवादी और चुनी हुई सरकार मे संसद में प्रस्ताव पारित कर देश के तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार, मोसादेग की सरकार के खिलाफ हो गई और उसके विरोधियों को भड़काने लगी। ब्रिटेन और अमरीका ने मिल कर चुनी हुई मोसादेग सरकार के खिलाफ विद्रोह करवाकर अपने पिट्ठू रजा शाह पहलवी की सरकार स्थापित करवा दी। इससे तेल के भंडारों और तेल के व्यापार पर पश्चिमी ताकतों का नियंत्रण बना रहा।

इसी तरह चिली में सल्वाडोर अलेंदे की हत्या कर दी गई और उनकी प्रजातान्त्रिक सरकार का तख्तापलट कर दिया गया। अलेंदे मार्क्सवादी थे और सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य थे। वे 3 नवम्बर 1970 को चिली के राष्ट्रपति बने। उन्होंने अमरीकी कंपनियों के कब्जे वाले देश के तांबा उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। अमरीका ने 1970 से लेकर 1973 में अलेंदे के तख्तापलट तक उनके खिलाफ गुप्त अभियानों पर 80 लाख डॉलर खर्च किए। सन 1975 में जारी सीनेट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमरीका ने चिली को आर्थिक संकट में फंसाने के लिए कई कदम उठाए। सीआईए के समर्थन और सहयोग से हुए सैन्य विद्रोह के जरिये वहां पिनोचे की सरकार सत्ता में आई। पिनोचे अत्यंत क्रूर तानाशाह था और उसने चिली में प्रजातंत्र खत्म कर दिया। उसकी नीतियों के कारण चिली के समृद्ध देश बनने की संभावनाएं भी खत्म हो गईं।

अमरीकी साम्राज्यवाद ने पश्चिम एशिया में भी कहर बरपाया। सोवियत संघ के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद, अमरीका ने पाकिस्तान के मदरसों में मुजाहिद तैयार करने की व्यवस्था की। उनसे तालिबान और अलकायदा बने। अमरीका ने इन संगठनों को 800 करोड़ डॉलर और 7000 टन हथियार उपलब्ध करवाए (महमूद ममदानी की पुस्तक गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिम)। 9/11 ने अमरीका को अफगानिस्तान पर हमला करना का मौका दे दिया। इस हमले में 60,000 लोग मारे गए। पूरे इलाके पर अपना दबदबा कायम करने के लिए अमरीका ने इराक पर हमले के लिए भी एक बहाना खोज लिया। कहा गया कि इराक के पास बड़े पैमाने पर नुकसान करने वाले हथियार हैं। अमरीकी सैनिकों को बताया गया कि इराक के लोग सद्दाम हुसैन के दमन का शिकार हैं और इसलिए इराक में उनका स्वागत मुक्तिदाताओं के रूप में किया जाएगा। अमरीकी सैनिकों को लोग गुलदस्ते और चॉकलेट देंगे। मगर हुआ और कुछ। इस्लामिक स्टेट उठ खड़ा हुआ, कोई महासंहारक अस्त्र नहीं मिला और ना ही सैनिकों का जनता ने स्वागत किया।

उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद ने उसके शिकार देशों और पूरी दुनिया को गहरे घाव दिए हैं। भारत में अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति ने सांप्रदायिक ताकतों को मजबूत किया जिसके नतीजे हम आज भी भुगत रहे हैं। अमरीका के मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद शब्द को गढ़ा और उसे लोकप्रियता दी। नतीजे में पूरी दुनिया में मुसलमानों का दानवीकरण हुआ। उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के कारण पूरी दुनिया आज अनेक समस्यओं से जूझ रही है। हम केवल यह उम्मीद कर सकते हैं कि दुनिया साम्राज्यवाद से असली चरित्र को समझेगी और शांति को बढ़ावा देगी।

मशीनी सांसें और मानवीय गरिमा: जीवन-मृत्यु के बीच का नैतिक धर्मसंकट

दिलीप कुमार पाठक

जीवन की परिभाषा केवल धड़कनों के चलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें चेतना और मानवीय गरिमा का होना अनिवार्य है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हरीश राणा के मामले में पैसिव यूथेनेशिया यानि निष्क्रिय इच्छा मृत्यु की अनुमति देना, कानून के शुष्क पन्नों से निकलकर मानवीय संवेदनाओं के धरातल पर लिया गया एक अत्यंत साहसी और ऐतिहासिक फैसला है। पिछले 13 वर्षों से कोमा में पड़े हरीश का मामला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम विज्ञान के सहारे किसी व्यक्ति को जीवित रख रहे हैं या उसे मरने की अनुमति न देकर उसकी गरिमा का अपमान कर रहे हैं? इस पूरी बहस के केंद्र में माइंड डेड की वह भयावह स्थिति है, जिसे समझना आज के दौर में हर किसी के लिए अनिवार्य हो गया है। चिकित्सा विज्ञान स्पष्ट करता है कि जब मस्तिष्क का वह हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो जाता है जो चेतना और श्वसन को नियंत्रित करता है, तो व्यक्ति केवल एक भौतिक शरीर रह जाता है। ऐसी स्थिति में मरीज न तो स्पर्श महसूस कर सकता है, न कोई आवाज सुन सकता है और न ही किसी प्रकार के दर्द का अनुभव कर सकता है। वह केवल वेंटिलेटर और लाइफ सपोर्ट की मशीनी आवाजों के बीच एक कृत्रिम श्वसन प्रक्रिया का हिस्सा बनकर रह जाता है, जिसे जीवन कहना शायद जीवन शब्द का अपमान होगा।

संवेदनाओं और वैज्ञानिक सीमाओं का ऐसा ही एक दौर हाल ही में तब देखने को मिला, जब मेरे एक परिचित परिवार में अत्यंत दुखद घटना घटी। एक महिला अपने कमरे में अचानक संतुलन खोकर गिर गईं और बेड के कोने से सिर के पिछले हिस्से में लगी गहरी चोट ने उनके मस्तिष्क को सदा के लिए शांत कर दिया। दो दिनों तक वह अस्पताल में सघन चिकित्सा और भारी-भरकम मशीनों के सहारे सांसें लेती रहीं, लेकिन डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने परीक्षणों के बाद स्पष्ट कर दिया कि वह माइंड डेड हैं। ऐसी घड़ी में परिवार के सामने खड़ा धर्मसंकट किसी पहाड़ जैसा था। एक तरफ अपनों को खोने का असहनीय गम था, तो दूसरी तरफ मशीनों में जकड़ा हुआ वह बेजान शरीर। अंततः, डॉक्टरों की स्पष्ट राय और परिजनों की आपसी सहमति से लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाने का वह अत्यंत कठिन और हृदयविदारक निर्णय लिया गया। यह फैसला किसी की जान लेने का प्रयास नहीं था, बल्कि उस महिला को एक यंत्रवत और कष्टकारी जीवन से आजाद करने की सर्वोच्च करुणा थी। यह उस आत्मा के प्रति सम्मान था, जिसे प्रकृति ने पहले ही बुला लिया था, पर विज्ञान ने मशीनों की बेड़ियों में बाँध रखा था।

सर्वोच्च न्यायालय का यह मानना तर्कसंगत है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु भी जीने के अधिकार का ही एक अनिवार्य विस्तार है। जब चिकित्सा विज्ञान के तमाम प्रयास विफल हो जाएं और सुधार की कोई न्यूनतम गुंजाइश न बचे, तो मशीनों के प्लग के जरिए किसी की धड़कनों को जबरन खींचना उस व्यक्ति की गरिमा के विरुद्ध है। एक बेड पर सालों तक निर्जीव शरीर की सेवा करना न केवल आर्थिक रूप से परिवार को खोखला कर देता है, बल्कि मानसिक रूप से भी घर के बाकी सदस्यों के जीवन को खंडित कर देता है।

भारत में निष्क्रिय इच्छा मृत्यु के लिए बनाए गए कड़े नियम यह सुनिश्चित करते हैं कि इस कानूनी प्रावधान का कभी कोई दुरुपयोग न हो। एक मेडिकल बोर्ड की निगरानी और कानूनी प्रक्रियाओं के बाद ही ऐसा कदम उठाया जाता है, जो यह प्रमाणित करता है कि मरीज अब वापस नहीं लौट सकता। पैसिव यूथेनेशिया का वास्तविक उद्देश्य किसी के जीवन को समय से पूर्व समाप्त करना नहीं है, बल्कि मृत्यु के स्वाभाविक और प्राकृतिक मार्ग में बाधा बनी कृत्रिम दीवारों को हटा देना है। अक्सर समाज में यह तर्क दिया जाता है कि चमत्कार कभी भी हो सकते हैं, लेकिन माइंड डेड की स्थिति में विज्ञान के पास भी कोई उत्तर नहीं होता। ऐसे में करुणा का तकाजा यही है कि हम उस व्यक्ति को शांति से विदा होने दें। हरीश राणा जैसे मामलों में मिली कानूनी अनुमति केवल एक अदालती आदेश नहीं है, बल्कि वर्षों के निशब्द संघर्ष और उस असहनीय पीड़ा का अंत है जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। हमें यह स्वीकार करना होगा कि जीवन की सार्थकता उसकी गुणवत्ता और चेतना में निहित है, केवल लंबी उम्र में नहीं। हरीश के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि उनके वर्षों के उस लंबे और मौन सफर को अब जाकर अंतिम शांति और सुकून मिला है। उनकी इस गरिमापूर्ण विदाई ने असहनीय पीड़ा की उन तमाम बेड़ियों को हमेशा के लिए काट दिया है, जो उन्हें एक दशक से अधिक समय से जकड़े हुए थीं। अब वह मौन शांत है, वह पीड़ा लुप्त है और वह आत्मा समस्त बंधनों से स्वतंत्र है।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ट्रम्प की टैरिफ राजनीति और भारत के खिलाफ आर्थिक दबाव की नई रणनीति

कांतिलाल मांडोत

पिछले महीने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया था। यह फैसला प्रशासन की व्यापारिक रणनीति के लिए बड़ा झटका माना गया। इसके बाद ट्रम्प प्रशासन ने नया कानूनी रास्ता खोजते हुए ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत जांच की प्रक्रिया शुरू की। इस प्रावधान के तहत अमेरिका को यह अधिकार मिलता है कि यदि किसी देश पर अनुचित व्यापार व्यवहार का आरोप साबित होता है तो वह उस देश के खिलाफ एकतरफा टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है।

वैश्विक व्यापार की राजनीति अक्सर केवल आर्थिक हितों तक सीमित नहीं रहती बल्कि इसके पीछे भू-राजनीतिक रणनीतियां और शक्ति संतुलन की जटिल चालें भी छिपी होती हैं। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत और चीन सहित 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ तथाकथित अनुचित व्यापार व्यवहार की जांच शुरू करना इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके प्रशासन द्वारा अपनाई जा रही यह नीति केवल व्यापारिक नियमों का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा में बढ़ते देशों को नियंत्रित करने का प्रयास भी मानी जा रही है।

पिछले महीने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया था। यह फैसला प्रशासन की व्यापारिक रणनीति के लिए बड़ा झटका माना गया। इसके बाद ट्रम्प प्रशासन ने नया कानूनी रास्ता खोजते हुए ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत जांच की प्रक्रिया शुरू की। इस प्रावधान के तहत अमेरिका को यह अधिकार मिलता है कि यदि किसी देश पर अनुचित व्यापार व्यवहार का आरोप साबित होता है तो वह उस देश के खिलाफ एकतरफा टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है।

अमेरिका का आरोप है कि कुछ देश अपनी घरेलू जरूरत से अधिक उत्पादन करते हैं और उस अतिरिक्त माल को सस्ते दामों पर वैश्विक बाजार में बेचते हैं। इसे डंपिंग कहा जाता है। साथ ही अमेरिका यह भी दावा करता है कि कई देश सरकारी सब्सिडी देकर अपने उत्पादों को कृत्रिम रूप से सस्ता बनाते हैं ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा में आगे रह सकें। अमेरिका का यह भी कहना है कि कुछ देश अपनी मुद्रा को कमजोर बनाए रखते हैं जिससे उनके निर्यात को बढ़ावा मिलता है और अमेरिकी कंपनियों को नुकसान होता है।

हालांकि इस पूरे मामले को केवल आर्थिक तर्कों के आधार पर समझना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम उस समय उठाया गया है जब भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं तेजी से वैश्विक व्यापार और उत्पादन के केंद्र बन रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने विनिर्माण क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है और कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में भारत की ओर रुख कर रही हैं। ऐसे समय में अमेरिका द्वारा इस प्रकार की जांच शुरू करना कई विशेषज्ञों को रणनीतिक दबाव की नीति जैसा प्रतीत होता है। ट्रम्प प्रशासन की यह नीति दरअसल अमेरिका फर्स्ट के उस सिद्धांत से जुड़ी है जिसे ट्रम्प ने अपने राजनीतिक अभियान का आधार बनाया था। उनका मानना रहा है कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था ने अमेरिकी उद्योगों और कामगारों को नुकसान पहुंचाया है। इसी सोच के तहत उन्होंने पहले भी कई देशों पर टैरिफ लगाए थे और व्यापारिक समझौतों को दोबारा बातचीत के लिए मजबूर किया था।

लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह नीति वैश्विक व्यापार के लिए अस्थिरता पैदा करती है। यदि अमेरिका अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ लगातार टैरिफ का इस्तेमाल करता है तो इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होंगी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में तनाव बढ़ेगा। इसका असर केवल संबंधित देशों पर ही नहीं बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

भारत के संदर्भ में यह मामला और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। भारत सरकार ने वर्ष 2029 तक देश को वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। ऐसे समय में यदि बड़े बाजार भारत के निर्यात पर टैरिफ लगाने लगते हैं तो इससे भारतीय उद्योगों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।

हालांकि यह भी सच है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापारिक कूटनीति को मजबूत किया है। भारत अब केवल एक उपभोक्ता बाजार नहीं बल्कि एक बड़ा उत्पादन केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं जैसी नीतियों ने वैश्विक कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए आकर्षित किया है। इसके अलावा भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते भी किए हैं जिससे उसके निर्यात के नए रास्ते खुल रहे हैं।

अमेरिका द्वारा शुरू की गई इस जांच में भारत के अलावा चीन यूरोपीय संघ जापान दक्षिण कोरिया मैक्सिको वियतनाम ताइवान थाईलैंड मलेशिया कंबोडिया सिंगापुर इंडोनेशिया बांग्लादेश स्विट्जरलैंड और नॉर्वे जैसे देश भी शामिल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कदम केवल किसी एक देश के खिलाफ नहीं बल्कि व्यापक वैश्विक व्यापार रणनीति का हिस्सा है।

आने वाले समय में इस जांच की प्रक्रिया के तहत विभिन्न देश और कंपनियां अपनी दलीलें प्रस्तुत करेंगे। मार्च से इस प्रक्रिया की शुरूआत होगी और मई में सुनवाई के बाद अमेरिका कोई फैसला ले सकता है। यदि अमेरिका को अपने आरोपों के समर्थन में पर्याप्त आधार मिल जाता है तो वह इन देशों पर नए टैरिफ लागू कर सकता है।

फिर भी कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह पूरी प्रक्रिया वास्तव में दबाव की रणनीति हो सकती है जिसका उद्देश्य व्यापारिक वार्ता में बेहतर शर्तें हासिल करना है। अमेरिका अक्सर इस तरह की जांच और टैरिफ की धमकी का उपयोग अपने व्यापारिक साझेदारों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए करता रहा है।

भारत के लिए इस स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि वह अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए मजबूत कूटनीतिक और आर्थिक रणनीति अपनाए। भारत को अपने निर्यात बाजारों का विविधीकरण करना होगा और घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और मजबूत बनाना होगा। साथ ही वैश्विक व्यापार नियमों के तहत अपने अधिकारों की रक्षा करना भी जरूरी होगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि वैश्विक व्यापार का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। बड़े देश अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए नए नए औजारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे इन दबावों के बीच भी अपनी विकास यात्रा को जारी रखें और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूत जगह बनाएं।
~~~~~~~~~

चेहरे की रौनक रखें बरकरार

आम तौर पर देखने में आता है कि कुछ स्त्रियां जब वजन घटाती हैं तो उनके चेहरे पर इसका बुरा प्रभाव दिखाई देने लगता है। ऐसे बहुत कम लोग होते हैं जिनके चेहरे पर वजन घटने पर किसी प्रकार का प्रभाव न दिखे। ऐसा होने पर जिन स्त्रियों का रंग गोरा होता उनका रंग पीला पडने लगता है, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे पडने लगते हैं और जिन स्त्रियों का रंग सांवला होता है उनका चेहरा और भी सांवला लगने लगता है। जो स्त्रियां चेहरे की सुंदरता खो जाने या रौनक कम हो जाने से परेशान हैं, उनके लिए यहां कुछ उपयोगी सुझाव दिए जा रहे हैं।

पहले यह करें

क्लींजिंग मिल्क से चेहरे को सुबह-शाम साफ करें। इसके अलावा आप ब्लीचिंग क्रीम का प्रयोग करें। इसे लगाने के 15 मिनट बाद चेहरा पानी से साफ करें। इससे आपके चेहरे के रोएं हलके भूरे हो जाएंगे और आपके चेहरे पर रौनक आ जाएगी। ब्लीच के बाद किसी भी कोल्ड क्रीम से मालिश करके त्वचा के अनुरूप फेस पैक लगाएं। सूखने के बाद पैक को पहले स्पंज से गीला करके अंगुलियों की मदद से गोल-गोल घुमाते हुए मसाज करते हुए छुडाएं, इससे चेहरे की मृत त्वचा पैक के साथ निकल जाएगी।

मेकअप से पाएं बेहतर रूप

ऊपर बताए गए उपायों के अलावा सही ढंग से किया गया मेकअप ही ऐसा उपाय है, जिससे चेहरे पर तुरंत रौनक आ जाती है। आप मेकअप इस तरह से करें -

- सबसे पहले चेहरे को क्लींजिंग मिल्क से साफकरें।
- कंसीलर को चेहरे के दाग-धब्बों तथा आंखों के नीचे काले घेरों पर लगाएं। इसे अपनी अंगुलियों के टिप्स से अच्छी तरह से मिलाएं। फिर टिश्यू पेपर से थपथपा कर सेट करें।
- फिर त्वचा के रंग से मेल खाती मेकअप स्टिक का उपयोग करें और इसे भी अंगुलियों की सहायता से पूरे चेहरे पर फैलाएं। चेहरे के साथ गर्दन तथा कानों का भी ध्यान रखें, ताकि कहीं आप गर्दन या कानों को अनदेखा ना करें।
- इसके बाद कॉम्पेक्ट पाउडर लगाएं, जिससे चेहरे की त्वचा एक समान प्रतीत हो।
- आंखों को उभारने के लिए पलकों के ऊपर बरौनियों पर आईशैडो लगाएं। आईब्रो को आईब्रो पेंसिल से गहरा करें।
- अब ब्लशर को गालों के ऊपर से शुरू कर के कानों तक ले जाते हुए लगाएं। नाक, माथे व ठोडी पर भी थोडा सा ब्लशर लगाएं, फिर ब्रश से अतिरिक्त झाड दें। नाक, माथे व ठोढी पर भी थोडा सा रूज भी लगाएं। फिर लिपस्टिक लगाने से पूर्व लिप लाइनर से होंठों को सही आकार दें। लिप लाइनर लिपस्टिक से एक शेड गहरा चुनें।
- किसी अच्छी कंपनी के ही ब्यूटी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करें। घर लौटने पर मेकअप साफकरना न भूलें।

आजमाएं कुछ घरेलू उपाय भी

- उचित आहार व फलों के रस का नियमित सेवन करें। ऐसा करने से कुछ समय बाद आपके चेहरे पर स्वाभाविक रौनक दिखाई देने लगेगी।
- खीरे के रस को एक कटोरी में डालकर फ्रीजर में रखें। दिन में दो बार उस बर्फ को चेहरे पर कुछ देर मलें।
- 1 अंडे की सफेदी में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर खूब अच्छी तरह फेंटें फिर चेहरे परेफेस पैक की तरह लगाएं।
- टमाटर को बीच से आधा काटकर चेहरे पर कुछ देर मलने से दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं और चेहरे पर रौनक आ जाती है।

अगर आप बनना चाहती हैं आकर्षण का केंद्र

लोगों का आकर्षण का केंद्र बनने के लिए कुछ छोटी-छोटी, किंतु महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान रखना व उनके प्रति सजग रहना जरूरी होता है। इसके लिए आप यहां बताए जा रहे टिप्स को अपनाएं -

सजगता एवं बुद्धिमत्ता जरूरी

ऐसे लोगों की कही बातों पर ध्यान देना, उन्हें समझना, को लेकर अगर आप सजग रहती हैं तो कोई वजह नहीं कि सामने वाला आपसे मुंह मोडे।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह ध्यान रखें कि आपके बोलने, खडे होने, चलने व हंसने का अंदाज आपके व्यक्तित्व की पहचान बनता है। उनके प्रति भी आप सजग रहें।

आत्मविश्वास भी बढाता है आकर्षण

आत्मविश्वास से भरी स्त्रियां हमेशा ज्यादा आकर्षित करती हैं। स्त्री भले ही कितनी भी खूबसूरत हो, यदि उसमें आत्मविश्वास नहीं तो वह जीवन में कभी खुश व संतुष्ट नहीं रह सकती, न ही रख सकती है।

एंजॉय करना सीखें

जो स्त्री जिंदगी को एंजॉय करना जानती है, खुशियां उसे ही मिलती हैं। वही संतुष्ट हो पाती है व दूसरों को खुशी दे पाती है।

सक्रिय रहें

जो स्त्रियां एक्टिव रहती हैं व लगातार व्यस्त रहती हैं वही दूसरों के लिए उदाहरण बनती हैं।

सिर्फ कवर को ही न सजाएं

जरूरी नहीं कि जो किताब बाहर कवर से अच्छी लग रही हो वह भीतर से भी अच्छी हो। अपनी असलियत पहचानने की कोशिश करें। अगर कहीं जरूरी लगे तो अपने आपको बदलें भी। और बन सकती है आकर्षण का केंद्र इन महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रख कर।

स्वस्थ बालों के लिए 6 उपाय

खूबसूरत बाल ईश्वर की देन होते हैं, लेकिन उन्हें संवारना और स्वस्थ बनाए रखना आपके हाथ में होता है। यहां दिए गए उपाय अपनाकर आप पा सकती हैं काले, घने लहराते बाल।

- सबसे पहले अपने आहार पर ध्यान दें। हरी पत्तेदार सब्जियां खाना आज ही से शुरू कर दें। फलों के जूस, डेयरी प्रोडक्ट्स, नारियल, सैलेड आदि को अपने दैनिक आहार का हिस्सा बनाएं।
- सोने से पहले बालों में ऑलिव ऑयल या सरसों का तेल लगाएं। दूसरी सुबह शैंपू करके हेयर सीरम लगाएं।
- सप्ताह में 2-3 बार उरद की दाल और मेथी का पेस्ट बालों में लगाएं। फिर खूब अच्छी तरह 10 मिनट बाद उन्हें शैंपू करें। ऐसा करने से बाल रेशमी, मुलायम हो जाते हैं।
- कभी भी पुराना रबर बैंड बालों के लिए इस्तेमाल न करें। ऐसा करने से बाल टूटते हैं और दोमुंहे हो जाते हैं। बजाय इसके आप फैब्रिक कोटेड इलास्टिक बैंड इस्तेमाल कर सकती हैं।
- टेबल स्पून मेयोनीज के साथ आठ स्ट्रॉबेरी को मसल लें। इस मिश्रण से धुले और गीले बालों का मसाज करें। फिर कुछ देर के लिए शॉवर कैप लगाएं। उसके बाद गर्म तौलिए को सिर पर लपेटें और थोडी देर बाद शैंपू कंडीशनर से बालों को धो लें।
- डैंड्रफ दूर करने और बालों का रूखापन हटाने के लिए केले को शहद में मिलाकर बालों में 30-40 मिनट तक लगाएं। फिर बालों को ताजे पानी से अच्छी तरह धो लें।

लहसुन का अचार

सामग्री: 1 किलो लहसुन, 10 ग्राम मेथीदाना, 10 ग्राम जीरा, 10 ग्राम हींग, 30 नींबू, 30 ग्राम साबुत धनिया, 100-100 ग्राम नमक, गुड़ और मिर्च पाउडर, 10 ग्राम राई, आधा किलो तिल का तेल।

विधि: हींग, मेथीदाना, धनिया और जीरा को एक फ्राइंगपैन में बगैर तेल के सुनहरा होने तक भूनें। इस मिश्रण को मिक्सर में पीसकर एक तरफ रख दें। नींबू का रस निकालकर छान लें। इसमें नमक डालें। जिंजेली ऑयल को गरम करें और राई डालें। राई तड़कने लगे, तब लहसुन डालें। जब मिश्रण एक चौथाई पक जाए, तब नींबू का रस डाल दें। जब लहसुन आधा पक जाए तब हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर, मसाला पाउडर और नमक डालें। थोड़ी देर और पकाएं। अब इसमें गुड़ डालें। 10 मिनट तक पकाएं। ठंडा करके बॉटल में रख दें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3829

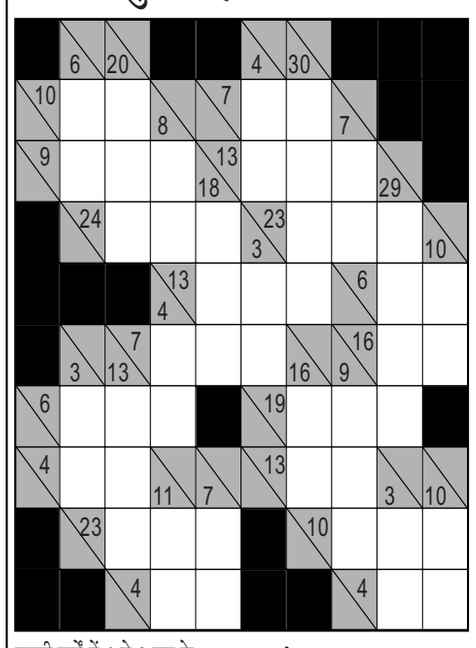

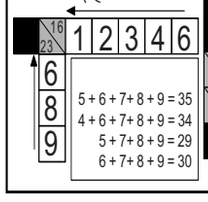

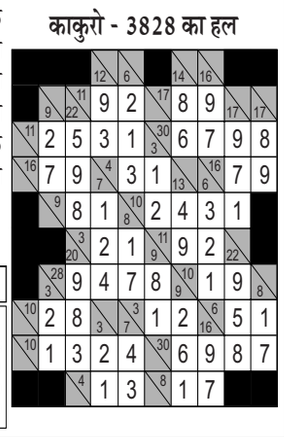

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 / 23 → 1 2 3 4 6 ; ↑ 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3828 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

□ □ □

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था, 'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे........'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी, 'वह शक्ति आप में तो है.'

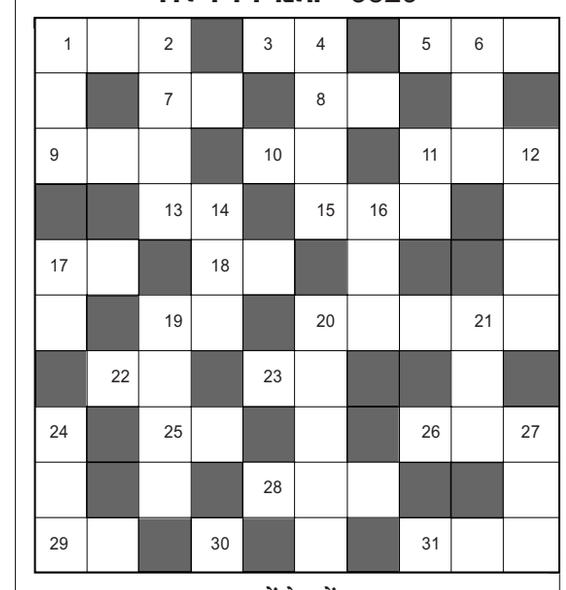

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

□ □ □

बीवी ने मियाँ से पूछा, 'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं ?'

मियाँ डरते-डरते, 'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली - 3829

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी ?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3828

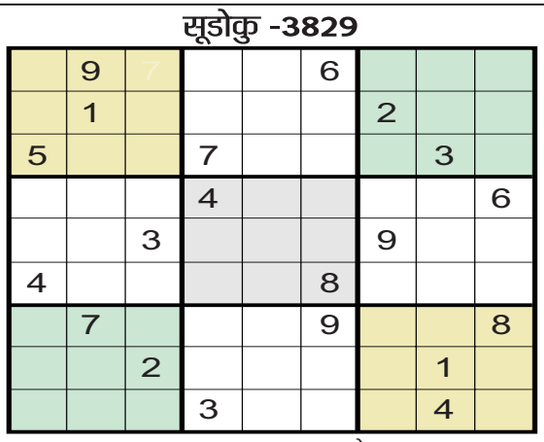

सूडोकु -3829

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3828 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 3829

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -3828 का हल

एआई में बढ़ते दबाव को संतुलित करने मेटा 20 फीसदी कर्मचारियों की करेगी छंटनी!

-कंपनी का मानना- एआई आधारित टूल्स कर्मचारियों की उत्पादकता को बढ़ा सकते हैं

नई दिल्ली।

दुनिया की प्रमुख सोशल मीडिया कंपनी मेटा अपने खर्च को नियंत्रित करने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में बढ़ते निवेश के दबाव को संतुलित करने के लिए बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छटनी करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी संभावित रूप से अपने वैश्विक कार्यबल का करीब 20 फीसदी तक कम कर सकती है। यदि ऐसा होता है तो करीब 16 हजार कर्मचारियों की नौकरियां जा सकती हैं। कंपनी के नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर तक मेटा में करीब 79 हजार कर्मचारी कार्यरत थे। मेटा दुनिया के लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का संचालन करती है।

रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने भविष्य को एआई आधारित तकनीकों के साथ जोड़कर देख रही है।

मेटा का मानना है कि एआई आधारित टूल्स आने वाले समय में कर्मचारियों की उत्पादकता को काफी बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही कई कार्यों में कम कर्मचारियों की जरुरत रह जाएगी। इसी वजह से कंपनी अपनी संचालन व्यवस्था को ज्यादा कुशल बनाने के लिए कर्मचारियों की छटनी करने वाले विकल्पों पर विचार कर रही है। हालांकि अभी तक इस संबंध में अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और न ही इसके लिए कोई समयसीमा तय की है।

सूत्रों के मुताबिक मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में कंपनी के अन्य शीर्ष नेताओं के साथ संभावित छंटनी के विषय पर चर्चा की। अधिकारियों से कहा गया कि वे अपने-अपने विभागों में कामकाज को ज्यादा सुव्यवस्थित बनाने के उपाय तलाशें। इस बीच मेटा के प्रवक्ता ने इन खबरों को लेकर कहा कि यह केवल संभावित रणनीतियों से जुड़ी अटकलें हैं। उन्होंने इसे सैद्धांतिक स्तर की रिपोर्टिंग बताया और कहा कि अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। यदि मेटा इस स्तर पर कर्मचारियों की संख्या कम करने का फैसला लेती है तो यह कंपनी के इतिहास की सबसे बड़ी छंटनियों में से एक होगी।

बता दें इससे पहले कंपनी ने 2022 और 2023 में बड़े पैमाने पर पुनर्गठन किया था। उस समय मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने उस अवधि को कंपनी का 'ईयर ऑफ एफिशिएंसी' बताया था।

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की कोई कमी नहीं, रिफाइनरियां पूरी क्षमता से कर रही काम

-देश में एलपीजी किल्लत को लेकर फैली अफवाहों और पैनिक बुकिंग को सरकार का दावा

नई दिल्ली।

देश में एलपीजी की किल्लत को लेकर फैली अफवाहों और भारी पैनिक बुकिंग के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है और सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। हालांकि, खाड़ी देशों में जारी युद्ध और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में पैदा हुए गतिरोध की वजह से सप्लाई चेन पर दबाव जरूर पड़ा है, लेकिन सरकार ने घरेलू सप्लाई को प्राथमिकता पर रखा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुजाता ने कहा कि युद्ध की खबरों के बीच आम जनता में इस बात का डर है कि आने वाले दिनों में सिलेंडर नहीं मिलेंगे। इसी घबराहट में लोग जरूरत न होने पर भी सिलेंडर बुक करा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक युद्ध से पहले रोज करीब 55 लाख सिलेंडर बुक होते थे और करीब 50 लाख की डिलीवरी होती थी, लेकिन यह आंकड़ा बढ़कर 75 लाख हो गया और अब 88 लाख तक पहुंच गया है। अधिकारियों ने इसे पूरी तरह 'पैनिक बुकिंग' करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने साफ किया है कि बुकिंग पर कुछ नियम लागू हैं ताकि स्टॉक का प्रबंधन सही से हो सके। शहरी क्षेत्रों में एक सिलेंडर मिलने के बाद अगली बुकिंग के लिए कम से कम 25 दिन का अंतर होना अनिवार्य है। वहीं ग्रामीण इलाकों में यह समय सीमा 45 दिन तय की गई है। इस तय समय से पहले सिस्टम बुकिंग नहीं लेगा, इसलिए उपभोक्ताओं को बार-बार प्रयास करने या परेशान होने की जरूरत नहीं है।

सप्लाई के दबाव का फायदा उठाकर कुछ लोग सिलेंडर की जमाखोरी और ब्लैक-मार्केटिंग में जुट गए हैं। इसे रोकने के लिए सरकार ने देशभर में सख्त अभियान छेड़ा है। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश पर राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों ने तेल कंपनियों के साथ मिलकर छापेमारी शुरू कर दी है। अकेले यूपी में प्रशासन ने 1400 से ज्यादा ठिकानों का निरीक्षण किया है, जिसमें 20 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 19 लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की गई है।

ईरान युद्ध से फूड डिलीवरी, कॉस्मेटिक्स और कपड़ा उद्योग सेक्टर भी हो सकता है प्रभावित

-कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने निवेशकों को सोचने पर किया मजबूर

नई दिल्ली।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब शेयर बाजारों पर भी देखने लगा है। ईरान से जुड़े युद्ध की आशंका और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने निवेशकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। पहले जहां चिंता केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित मानी जा रही थी, वहीं अब इसके प्रभाव का दायरा बढ़ रहा है। फूड डिलीवरी कंपनियों से लेकर कॉस्मेटिक्स और कपड़ा उद्योग तक कई सेक्टर संभावित सप्लाई बाधाओं और बढ़ती लागत के दबाव में आ सकते हैं।

दरअसल, युद्ध शुरू होने के बाद से वैश्विक शेयर बाजारों में करीब 5.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट 2022 के बाद किसी एक महीने में सबसे बड़ी मानी जा रही है। एशियाई बाजारों पर इसका असर सबसे ज्यादा देखा गया है। निवेशकों को डर है कि तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई फिर से बढ़ सकती है और युद्ध पर होने वाला खर्च कई देशों के बजट घाटे को भी बढ़ा सकता है। बाजार में बढ़ती अनिश्चितता से ट्रेडर्स ने अब अमेरिका के केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद को भी आगे खिसका दिया है। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि अगली बड़ी दर कटौती संभवतः 2027 के बीच तक ही हो पाएगी। इस बदलाव ने भी वैश्विक निवेशकों की रणनीति को प्रभावित किया है। युद्ध के कारण सबसे पहले असर एयरलाइंस और शिपिंग कंपनियों पर पड़ा है। तेल की कीमतें बढ़ने से विमानन कंपनियों की ईंधन लागत बढ़ जाती है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव आता है। इसी तरह समुद्री परिवहन कंपनियों के लिए भी ऑपरेशन महंगे हो जाते हैं और व्यापारिक मार्गों में जोखिम बढ़ जाता है। इसके विपरीत रक्षा और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। युद्ध और तनाव के दौर में रक्षा उपकरणों की मांग बढ़ने की संभावना रहती है, जिससे रक्षा कंपनियों के शेयरों को फायदा मिलता है। वहीं तेल और गैस कंपनियां भी ऊंची कीमतों का लाभ उठा सकती हैं। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब अमेरिका ने उस खर्ग द्वीप पर बड़ा हमला किया, जहां से ईरान के कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा निर्यात होता है।

बाजार में उथल-पुथल से निवेशक घबराएं नहीं, लंबी अवधि के नजरिए से सोचें

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने छोटे निवेशकों को धैर्य रखने की दी सलाह

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में इन दिनों तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वैश्विक स्तर पर जियो-पॉलिटिकल टेंशन के कारण बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। ऐसे में सेबी के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने छोटे निवेशकों को धैर्य रखने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बाजार में यह उथल-पुथल लंबे समय तक नहीं रहती और वैश्विक स्तर पर स्थिरता लाने के प्रयास चल रहे हैं। छोटे निवेशकों को घबराकर फैसले नहीं लेने चाहिए, बल्कि शांत रहकर लंबी अवधि के नजरिए से सोचना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेबी चेयरमैन ने हाल ही में एक कार्यक्रम में इस बारे में जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पिछले दस साल में भारत के कैपिटल मार्केट बहुत बड़े और मजबूत हुए हैं। अब ये बाजार वैश्विक घटनाओं से ज्यादा जुड़े हुए हैं। कोई भी बड़ी खबर या घटना तुरंत बाजार पर असर डाल देती है। जियो-पॉलिटिकल टेंशन, जैसे युद्ध या तनाव, बाजार को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं, लेकिन तुहिन कांता पांडे ने जोर दिया कि बाजार की असली परीक्षा तब होती है जब अस्थिरता आती है और सिस्टम सही रूप से चलता रहता है।

उन्होंने कहा कि बाजार में अत्यधिक अस्थिरता के दौर आमतौर पर ज्यादा दिन नहीं टिकते। वैश्विक प्रयासों से बाजार जल्दी स्थिर हो जाते हैं। भारत के बाजार पिछले दशक में काफी विस्तारित हुए हैं, जिससे वे वैश्विक घटनाओं के प्रति संवेदनशील हो गए हैं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारतीय रूपए में गिरावट का असर

विदेशी-निवेशकों ने 15दिन में शेयर बाजार से निकाले 52,704 करोड़

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट की बिकवाली लगातार जारी है। मार्च के शुरुआती दो हफ्तों में विदेशी निवेशकों ने घरेलू इक्विटी बाजार से 52,704 करोड़ रुपए निकाले हैं। यह बिकवाली ऐसे समय में हुई है, जब मिडल ईस्ट में तनाव बढ़ रहा है और कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। इससे पहले फरवरी महीने में विदेशी निवेशकों ने बाजार में 22,615 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर था। लेकिन मार्च की शुरुआत से ही विदेशी निवेशक हर ट्रेडिंग दिन पर नेट सेलर्स बने हुए हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस भारी बिकवाली के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज रूट में सप्लाई प्रभावित होने के डर से ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर चला गया है। इससे निवेशकों ने जोखिम वाले एसेट्स से पैसा निकालकर सुरक्षित विकल्पों में लगाना शुरू कर दिया है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए के 92 के स्तर के पार पहुंचना और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी ने भी दबाव बनाया है। हालांकि, निवेशकों ने टेलीकॉम, ऑयल एंड गैस, मेटल्स और केमिकल्स जैसे सेक्टर्स में अपना निवेश बढ़ाया है, जो यह दर्शाता है कि पैसा अब डोमेस्टिक वैल्यू और कमोडिटी शेयरों की ओर शिफ्ट हो रहा है।

चीन के बाजार में पैसा लगा रहे निवेशक

पिछले 18 महीनों में भारतीय बाजार ने विकसित और अन्य उभरते बाजारों के मुकाबले कम रिटर्न दिया है। इस वजह से विदेशी निवेशकों का रुझान भारत के प्रति कम हुआ है। उनके अनुसार, दक्षिण कोरिया, ताइवान और चीन इस समय भारत की तुलना में ज्यादा आकर्षक लग रहे हैं, क्योंकि हालिया गिरावट के बाद वहां वैल्युएशन सस्ता है और कॉर्पोरेट अर्निंग की संभावनाएं बेहतर दिख रही हैं।

इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेगमेंट में टाटा मोटर्स का फिलहाल मजबूत दबदबा बना हुआ है। टाटा मोटर्स के पास करीब 40 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। कंपनी की सफलता के पीछे उसका बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो भी प्रमुख कारण है, जिसमें नेक्सन ईवी, पंच ईवी, टियागो ईवी, टिगोर ईवी, कर्व ईवी और हैरियर ईवी जैसे मॉडल शामिल हैं। हालांकि देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार अभी भी टाटा के पास नहीं है। टाटा की टियागो ईवी की शुरुआती कीमत 7.99 लाख रुपये है, जबकि एमजी कॉमेट ईवी की कीमत 7.35 लाख रुपये से शुरू होती है।टाटा मोटर्स में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल्स के प्रोडक्ट लाइन हेड आनंद कुलकर्णी का कहना है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन अब कीमत के लिहाज से एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच रहे हैं। कुछ मॉडल ऐसे हैं जो इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) कारों के करीब कीमत पर उपलब्ध होने लगे हैं। उन्होंने बताया कि बैटरी तकनीक में तेजी से सुधार हो रहा है, जिससे ज्यादा एनर्जी-डेंस बैटरी, तेज चार्जिंग और बेहतर सुरक्षा संभव हो पाई है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कोयम्बटूर में खरीदी 44 एकड़ जमीन, आवासीय प्रोजेक्ट की तैयारी

परियोजना से करीब 450 करोड़ रुपए के राजस्व की उम्मीद

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की बड़ी कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने तमिलनाडु के कोयम्बटूर में 44 एकड़ जमीन खरीदकर एक नए प्रीमियम आवासीय प्रोजेक्ट की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी के मुताबिक इस परियोजना से करीब 450 करोड़ रुपए तक की आय हो सकती है। यह प्रोजेक्ट प्लॉटेड डेवलपमेंट के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें आधुनिक सुविधाओं के साथ एक योजनाबद्ध आवासीय समुदाय तैयार किया जाएगा। इस परियोजना के साथ कंपनी पहली बार कोयंबटूर के बाजार में प्रवेश कर रही है। कंपनी ने यह जमीन सीधे खरीदी है। करीब 44 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस प्रोजेक्ट में करीब 1.1 मिलियन वर्गफुट का डेवलपमेंट होना है। कंपनी का कहना है कि यह प्रोजेक्ट प्रीमियम प्लॉटेड रेजिडेंशियल कम्युनिटी के रूप में तैयार किया जाएगा। हालांकि कंपनी ने जमीन खरीद की कीमत नहीं बताई है, लेकिन परियोजना से करीब 450 करोड़ रुपए के राजस्व की उम्मीद जताई गई है। इस प्रोजेक्ट के जरिए कंपनी दक्षिण भारत में अपने विस्तार को और मजबूत करना चाहती है। यह परियोजना साउथ कोयंबटूर के उस इलाके में विकसित की जाएगी जो कोयम्बटूर गोल्फ क्लब के पास स्थित है। यह इलाका तेजी से विकसित हो रहा है और यहां बेहतर कनेक्टिविटी के साथ शांत और हरित वातावरण उपलब्ध है। कंपनी के मुताबिक प्रोजेक्ट में अच्छी सड़कों वाला लेआउट, लैंडस्केप्ड ओपन स्पेस, और सामुदायिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे यह प्रोजेक्ट प्रीमियम आवासीय विकल्प के रूप में उभर सकता है। कंपनी के आला अधिकारियों का कहना है कि कोयंबटूर में प्रवेश कंपनी की उस रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत वह तेजी से बढ़ते और संभावनाओं से भरे शहरों में अपने प्रोजेक्ट शुरू कर रही है। कोयंबटूर की मजबूत आर्थिक स्थिति, बढ़ती आबादी और स्थिर आवासीय मांग इसे एक आकर्षक बाजार बनाती है। कंपनी यहां एक उच्च गुणवत्ता वाली प्लॉटेड कम्युनिटी विकसित करने की योजना बना रही है, जिससे दक्षिण भारत में उसकी मौजूदगी और मजबूत होगी। कोयंबटूर तेजी से एक विविध आर्थिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां मैन्युफैक्चरिंग, आईटी-आईटीईएस, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और छोटे-मझोले उद्योगों का मजबूत आधार है। शहर में नए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, बढ़ती आय और आर्थिक गतिविधियों के कारण आवास की मांग लगातार बढ़ रही है।

घर में पीएनजी कनेक्शन है तो सरेंडर करना होगा एलपीजी सिलेंडर

सरकार ने यह फैसला एलपीजी की सीमित उपलब्धता को देखते हुए लिया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण भारत में एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसी स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक अहम फैसला लिया है। सरकार ने 14 मार्च को जारी अधिसूचना में कहा कि जिन घरेलू उपभोक्ताओं के पास पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी कनेक्शन है, वे अब एलपीजी सिलेंडर नहीं रख सकेंगे और न ही उसका रिफिल ले सकेंगे। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों के पास पहले से पीएनजी कनेक्शन के साथ एलपीजी कनेक्शन भी है, उन्हें अपना एलपीजी कनेक्शन तुरंत सरेंडर करना होगा। इसके साथ ही ऐसे उपभोक्ता सरकारी तेल कंपनियों या उनके वितरकों से एलपीजी सिलेंडर की नई बुकिंग या रिफिल नहीं कर पाएंगे। सरकार का कहना है कि यह फैसला एलपीजी की सीमित उपलब्धता को देखते हुए लिया गया है ताकि जिन घरों में केवल एलपीजी पर ही खाना पकाने की व्यवस्था है, उन्हें प्राथमिकता दी जा सके। दरअसल, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। अमेरिका और इजराइल के साथ जंग के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परिवहन मार्गों में से एक माना जाता है। इसी रास्ते से बड़ी मात्रा में तेल और गैस की खेप विभिन्न देशों तक पहुंचती है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि देश के कुल एलपीजी आयात का करीब 90 फीसदी हिस्सा पश्चिम एशियाई देशों से आता है। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण वहां से आने वाली एलपीजी की खेप भारत तक नहीं पहुंच पा रही है, जिससे आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है।

मार्च माह में शेयर बाजार की सबसे बड़ी गिरावट

- बाजार में घबराहट, निवेशकों के लाखों करोड़ डूबे
- बाजार में गिरावट बनी रहेगी

मुंबई ।

ईरान युद्ध के बाद शेयर बाजार में भारी घबराहट देखने को मिल रही है। कोविड के बाद पहली बार इतनी बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। शेयर बाजार में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 74564 अंक को छू गया है। जिसके कारण शेयर बाजार को लेकर अर्थशास्त्रियों का यह मानना है। इस गिरावट को रोक पाना, तथा इस घाटे की भरपाई कर पाना फिलहाल संभव नहीं है।

युद्ध को लेकर जिस तरह की स्थिति वैश्विक स्तर पर बन रही है। उसके बाद दुनिया भर में आर्थिक मंदी का खतरा भी देखा जा रहा है। दुनिया भर के सभी शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। मार्च माह के तीनों सप्ताह में शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली है। मार्च माह के चौथे सप्ताह में भी यह गिरावट बनी रहेगी। शेयर बाजार के लिए कोई बेहतर संकेत हाल फिलहाल देखने को नहीं मिल रहे हैं। निवेशक बाजार में नया निवेश करने के लिए तैयार नहीं हैं,जो निवेश है, उसी को निकाल कर शेयर बाजार से निकलना चाहते हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में भगदड़ की स्थिति मची हुई है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, अमेरिका और इजराइल ने ईरान की समरिक शक्ति और ऊर्जा कारोबार में इस युद्ध का जो प्रभाव पड़ेगा। उसका सही आकलन नहीं किया।जिसके कारण सारी दुनिया में शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है।

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है। डोनाल्ड ट्रंप आखिरी वक्त पर इस युद्ध से हट भी जाएं, उसके बाद भी बाजार में गिरावट का सिलसिला बना रहेगा। मार्च माह में 10 फ़ीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिलेगी। ऐसा वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है।

अभी तक शेयर बाजार में छह बार सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 1970 से लेकर 1979 तक 11।3 फ़ीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। 1980 से 1989 के बीच में 16।09 फीसदी की गिरावट हुई थी। 1990 से 1999 के बीच 23.3 फ़ीसदी की गिरावट हुई थी। 2000 से 2009 के बीच में सबसे ज्यादा 33.3 फीसदी की गिरावट देखने को मिली थी। अमेरिका में आई आर्थिक मंदी का सबसे बड़ा असर इसी दौरान दुनिया भर के शेयर बाजारों में पड़ा था।

2010 से 2019 के बीच में 14.5 फ़ीसदी की गिरावट शेयर बाजार में दर्ज हुई थी। जिस तरह की स्थिति वर्तमान में देखने को मिल रही है। उसके अनुसार भारत के शेयर बाजार में सबसे बड़ी गिरावट इस मार्च और अप्रैल माह में देखने को मिल सकती है।

2008 में जिस तरह की अमेरिकी मंदी आई थी। उससे ज्यादा मंदी 2026- 27 में भारत सहित सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल सकती है। इसको लेकर दुनिया भर के निवेशकों में घबराहट फैली हुई है। इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच में जो युद्ध चल रहा है। उसमें खाडी के देश बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। इस युद्ध में रूस चीन और उत्तर कोरिया के कूद जाने के बाद सारी दुनिया में घबराहट फैल गई है। दो दर्जन से अधिक देश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में शामिल हो गए हैं। सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। इसका असर महंगाई पर भी पड़ने लगा है। युद्ध के कारण वैश्विक अर्थ व्यवस्था लड़खड़ा रही है। ऐसे समय पर निवेशको को सावधान रहने की जरूरत है।

इस हफ्ते कई आईपीओ होंगे लॉन्च, कुछ कंपनियों के शेयर होंगे लिस्ट

निवेशक इन आईपीओ में हिस्सा लेकर अच्छा रिटर्न कमा सकते

नई दिल्ली। मार्च के अगले हफ्ते प्राइमरी मार्केट में कई कंपनियां आईपीओ लॉन्च कर रही हैं, जबकि कुछ कंपनियां शेयर बाजार में लिस्ट होंगी। इस हफ्ते 16 मार्च से शुरू होकर कई नए पब्लिक इश्यू खुले हैं, जिनमें एग्रोकेमिकल, लॉयल्टी सर्विसेज और माइनिंग से जुड़ी कंपनियां शामिल हैं, साथ ही कुछ कंपनियां लिस्टिंग के लिए तैयार हैं। निवेशक इन आईपीओ में हिस्सा लेकर अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, लेकिन बाजार की स्थिति और कंपनी की फंडामेंटल्स को ध्यान से देखना जरूरी है। सबसे बड़ा आईपीओ है जीएसपी क्रॉप साइंस का। यह अहमदाबाद आधारित एग्रोकेमिकल कंपनी 400 करोड़ रुपए जुटाने जा रही है। इसमें फ्रेश इश्यू 240 करोड़ रुपए का और प्रमोटर्स की ओर से ऑफर फॉर सेल 160 करोड़ रुपए का है। प्राइस बैंड 304 से 320 रुपए प्रति शेयर तय किया है। आईपीओ 16 मार्च यानी सोमवार को खुलेगा और 18 मार्च को बंद होगा। लॉट साइज 46 शेयर है, यानी न्यूनतम निवेश करीब 14,720 रुपए। कंपनी एंकर निवेशकों से पहले ही 120 करोड़ रुपए जुटा चुकी है। लिस्टिंग 24 मार्च को बीएसई और एनएसई पर होगी। कंपनी का मार्केट कैप ऊपरी बैंड पर करीब 1,489 करोड़ रुपए होगा। दूसरा आईपीओ नोवस लॉयल्टी का है, जो लॉयल्टी और रिवार्ड्स सॉल्यूशंस प्रोवाइडर है। यह एसएमई सेगमेंट में 60.15 करोड़ जुटाएगा। प्राइस बैंड 139 से 146 प्रति शेयर है। आईपीओ 17 मार्च को खुलेगा और 20 मार्च को बंद होगा। लॉट साइज 1,000 शेयर है, यानी न्यूनतम निवेश करीब 1,46,000 रुपए। लिस्टिंग 25 मार्च को बीएमई एसएमई पर होगी। कंपनी फंड का इस्तेमाल प्रोडक्ट अपग्रेड, बिजनेस डेवलपमेंट और जनरल कॉर्पोरेट पर्पज में करेगी। इनोवेशन का आईपीओ पहले से चल रहा है, जो अब एक्सटेंड हो गया है। यह मैनपावर, टोल प्लाजा मैनेजमेंट और सिक्योरिटी सर्विसेज कंपनी है। मूल प्राइस बैंड 521-548 रुपए था, लेकिन कम सब्सक्रिप्शन के कारण इसे घटाकर 494-519 रुपए कर दिया गया है। इश्यू साइज भी 322.84 करोड़ से घटाकर 305.76 करोड़ कर दिया गया। आईपीओ 10 मार्च से खुला था और अब 17 मार्च को बंद होगा1 लॉट साइज 27 शेयर है। अभी तक सिर्फ 31फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। लिस्टिंग 20 मार्च को बीएसई और एनएसई पर होगी।

बासमती चावल कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार एक्सपोर्ट्स लाएगी 440 करोड़ का आईपीओ

-24 मार्च को खुलेगा इश्यू, पूरी तरह फ्रेश शेयर जारी होंगे
-पुराने निवेशक नहीं बेचेंगे हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

'एरोप्लेन' ब्रांड के नाम से बासमती चावल बेचने वाली कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार एक्सपोर्ट्स जल्द ही शेयर बाजार में कदम रखने जा रही है। कंपनी ने 440 करोड़ रुपये का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की घोषणा की है। यह आईपीओ 24 मार्च को खुलेगा और निवेशक 27 मार्च तक इसमें बोली लगा सकेंगे। कंपनी के मुताबिक, एंकर निवेशकों के लिए 23 मार्च को एक दिन पहले निवेश का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। इस आईपीओ की सबसे खास बात यह है कि इसमें कोई भी मौजूदा निवेशक या प्रमोटर अपनी हिस्सेदारी नहीं बेच रहा है। पूरा इश्यू केवल फ्रेश शेयरों के जरिए जारी किया जाएगा, जिससे यह संकेत मिलता है कि प्रमोटर्स को कंपनी की भविष्य की संभावनाओं पर भरोसा है।

आईपीओ प्रक्रिया के तहत निवेशकों को शेयरों का आवंटन 30 मार्च तक किया जा सकता है, जबकि कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग 2 अप्रैल को होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, कंपनी ने पहले 550 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में इसे घटाकर 440 करोड़ रुपये कर दिया गया। वर्तमान में कंपनी की 99 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी प्रमोटर्स के पास है। इसके प्रमुख प्रमोटर्स जगदीश कुमार सूरी, राहुल सूरी और रमणिका सूरी हैं।

कंपनी ने बताया कि आईपीओ से जुटाई गई राशि में से लगभग 400 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की जरूरतों को पूरा करने में इस्तेमाल किए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इससे पहले कंपनी प्री-आईपीओ राउंड में करीब 13 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। यह निवेश 172 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर किया गया था, जिसके आधार पर कंपनी का मूल्यांकन लगभग 1,877 करोड़ रुपये आंका गया है। हरियाणा स्थित यह कंपनी मुख्य रूप से बासमती चावल की प्रोसेसिंग और निर्यात का कारोबार करती है। इसकी स्थापना वर्ष 2003 में हुई थी और यह अपने उत्पाद 'एरोप्लेन' ब्रांड के तहत बेचती है। कंपनी की कुल आय का करीब 99 प्रतिशत हिस्सा इसी कारोबार से आता है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,11,680 यूनिट तक पहुंची

नई दिल्ली। बीते महीने फरवरी 2026 के दौरान देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 1,11,680 यूनिट तक पहुंच गई। पिछले साल फरवरी 2025 में दर्ज 76,720 यूनिट्स की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत अधिक है। यह मौजूदा वित्तीय वर्ष में अक्टूबर 2025 के बाद दूसरी सबसे ज्यादा मासिक बिक्री मानी जा रही है। इन आंकड़ों के साथ वित्तीय वर्ष 2026 के पहले 11 महीनों में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की कुल बिक्री 12,09,542 यूनिट्स तक पहुंच गई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 19 प्रतिशत अधिक है। इस तरह यह आंकड़ा वित्तीय वर्ष 2025 के पूरे साल के रिकॉर्ड 11,50,767 यूनिट्स को भी पार कर चुका है। यदि मार्च 2026 में इस सेगमेंट की बिक्री 1.40 लाख यूनिट से ज्यादा रहती है, तो वित्तीय वर्ष 2026 के अंत तक कुल बिक्री 13.5 लाख यूनिट तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। बिक्री के मामले में फरवरी 2026 में टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बार फिर बाजार में अपना दबदबा बनाए रखा। कंपनी ने पिछले महीने 31,600 इलेक्ट्रिक स्कूटर की रिटेल बिक्री की, जो फरवरी 2025 की 18,955 यूनिट्स की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही कंपनी को करीब 28 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी मिली। टीवीएस के पोर्टफोलियो में फिलहाल आईक्यूब और ऑर्बिटर जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल हैं।

वंशिका चड्ढा के साथ शादी के बंधन में बंधे कुलदीप यादव, मसूरी में लिए सात फेरे

मसूरी (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी जिंदगी की एक नई पारी शुरू की है। कुलदीप ने शनिवार को उत्तराखंड के मसूरी में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा से शादी रचाई।

भारत के कुछ बड़े क्रिकेट स्टार इस शादी में शामिल हुए, जिनमें भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा और युजवेंद्र चहल का नाम है। भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में शादी की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'अपने जीवन के प्यार से कुलदीप यादव को शादी करते देखकर बहुत खुशी हुई। आप दोनों को जिंदगी भर प्यार, हंसी और ढेर सारा आशीर्वाद मिले। बधाई हो।'

कानपुर के रहने वाले इस जोड़े ने 4 जून 2025 को लखनऊ में एक निजी समारोह में सगाई की थी। वंशिका ने अपनी स्कूलिंग कानपुर से की, जिसके बाद वह उच्च शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न चली गईं। वंशिका भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में कार्यरत हैं। दोनों की शादी पहले नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन वर्ल्ड कप की वजह से इसे टाल दिया गया।

कुलदीप उस भारतीय टीम के अहम सदस्य हैं, जिसने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीता था। कुलदीप यादव ने इस विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच खेला था, जिसमें 3 ओवरों में 14 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने भारत की ओर से अब तक कुल 17 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें 22.42 की औसत के साथ 76 विकेट हासिल किए। इसके अलावा, 120 वनडे मुकाबलों में कुलदीप यादव के नाम 194 विकेट हैं। इस गेंदबाज ने भारत की तरफ से 54 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 95 विकेट निकाले। कुलदीप अपने करियर में 98 आईपीएल मैच खेल चुके हैं, जिसमें 102 विकेट प्राप्त किए।

पूर्व खिलाड़ियों को कोच बनाकर खेलों में वापस लाना चाहिए: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री और सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को कहा कि भारत को खेल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूर्व खिलाड़ियों को फिर से खेलों से जोड़कर उन्हें कोच और मेंटर की भूमिका में लाना चाहिए।

आज यहां स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के गोल्डन जुबिली संस्करण के दूसरे दिन कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित कार्यक्रम में अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि खेल कोटे से नौकरी पाने वाले कई खिलाड़ी आज दफ्तरों में काम कर रहे हैं, जबकि उनमें से कई खेलों में लौटकर कोच या मार्गदर्शक के रूप में अधिक बड़ा योगदान दे सकते हैं। यह सम्मेलन दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीएसजेए) की मेजबानी में आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमें खिलाड़ियों की पूरी यात्रा को ट्रैक करने के लिए डेटा का विश्लेषण करना चाहिए, ताकि प्रतिभा की शुरुआती पहचान हो सके और उन्हें सही समर्थन के साथ तैयार किया जा सके।'

उन्होंने ने राज्य सरकारों से भी खेलों को मजबूत करने में अधिक भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा, 'खेल काफी हद तक राज्य का विषय है और यदि हमें भविष्य में बेहतर परिणाम चाहिए तो राज्यों को अपने बजट बढ़ाने, बुनियादी ढांचा विकसित करने और अधिक कोच नियुक्त करने होंगे।संस्थाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। हमें यह मूल्यांकन करना चाहिए कि सिफारिशों के बाद क्या हासिल हुआ और क्या हमारी व्यवस्थाएं वास्तव में परिणाम दे रही हैं या नहीं।'

इससे पहले डीएसजजेए अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने कहा, 'एसजेएफआई के गोल्डन जुबिली वर्ष में यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। देशभर से आए खेल पत्रकारों का दिल्ली में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है और अनुराग ठाकुर का विशेष आभार, जिन्होंने पत्रकार बिरादरी के साथ संवाद किया।'

जेके बोस इंटर-जोनल टी20 क्रिकेट ट्रॉफी में रोशनारा क्रिकेट क्लब और दिल्ली पुलिस ग्राउंड पर खेले गए मैचों में नॉर्थ जोन और साउथ जोन ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। वहीं एसी बाली टेबल टेनिस टूर्नामेंट में दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (डीएसजेए-1) ने स्पोर्ट्स राइटर्स एसोसिएशन ऑफ बेंगलुरु (एसडब्ल्यूएबी-1) को हराया, जबकि स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई

(एसजेएएम-1) ने तमिलनाडु स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (टीएनएसजेए-1) को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबला सोमवार को इसी स्थल पर खेला जाएगा, जिसमें डीएसजेए-1 के कुशन सरकार, भारत शर्मा और नॉरिस प्रीतम का सामना एसजेएएम-1 के अमोल करहाड़कर, अश्विन फेरो और अकुश धावरे से होगा।

टी20 मुंबई महिला लीग के पहले सीजन का आगाज जल्द, रोहित शर्मा ने किया ट्रॉफी का अनावरण

मुंबई (एजेंसी)। Mumbai Cricket Association ने टी20 मुंबई लीग का महिला संस्करण लॉन्च किया। रोहित शर्मा ने ट्रॉफी का अनावरण किया और यह टूर्नामेंट महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने टी20 मुंबई लीग के महिला संस्करण का अनावरण किया। पुरुषों की लीग के तीन सफल सीजन होने के बाद एमसीए ने यह फैसला लिया। रोहित शर्मा जो इस लीग का चेहरा हैं, उन्होंने शनिवार को मुंबई में पुरुषों और महिलाओं के आगामी संस्करणों के लिए ट्रॉफी का अनावरण किया।

रोहित ने कहा कि उन्हें मुंबई क्रिकेट के बढ़ते स्तर को देखकर बहुत खुशी होती है। यह सिर्फ आईपीएल टीम तक सीमित नहीं है, बल्कि टी20 मुंबई लीग ने भी कई युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका दिया है। उन्होंने बताया कि इस लीग से कई ऐसे खिलाड़ी निकले हैं, जिन्होंने पहले टी20 मुंबई में खेला और बाद में आईपीएल टीमों और भारतीय टीम तक पहुंचे। उनके मुताबिक यह लीग खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का एक बड़ा मंच बन चुकी है।

महिलाओं को आगे बढ़ने का यह अच्छा मौका

रोहित शर्मा ने यह भी कहा कि पिछले सीजन की शानदार सफलता के बाद इस टूर्नामेंट का फिर से आयोजन होना बहुत अच्छी बात है। वह खुद भी पिछले सीजन में इससे जुड़े थे और उन्होंने देखा कि इसे आयोजित करना आसान काम नहीं था। इस लीग को सफल बनाने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के सभी सदस्यों को श्रेय मिलना चाहिए। इस साल यह टूर्नामेंट और भी बड़ा हो गया है, क्योंकि इसमें तीन महिला टीमें भी शामिल की गई हैं।

इंग्लैंड ने जीता खिताब, भारतीय महिला टीम रही उपविजेता

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को शनिवार को खेले गये एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर के फाइनल में इंग्लैंड से हार के बाद दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। हार के बावजूद भारतीय टीम ने बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

आज यहां जीएमसी बालयोगी हॉकी ग्राउंड पर हुए फाइनल में भारतीय टीम इंग्लैंड से 0-2 से हार गई। इंग्लैंड के लिए ग्रेस बाल्सडन ने (13वें) और एलिजाबेथ नील ने (43वें) मिनट में गोल किए।

भारत ने खेल की शुरुआत जोरदार तरीके से की। नवनीत कौर ने शुरुआती दो मिनट के अंदर ही अपनी टीम को एक पेनल्टी कॉर्नर दिलाने में मदद की। हालांकि भारतीय टीम के प्रयास को इंग्लैंड की गोलकीपर ने विफल कर दिया। मेजबान टीम ने जबरदस्त अनुशासन दिखाया। उन्होंने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा और साथ ही विरोधी टीम के पाले में भी सेंध लगाने की कोशिशें कीं। पहले क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड ने खेल पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और दो मिनट बाकी रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। ग्रेस बाल्सडन (13%) ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर से पांचवां गोल दागते हुए इंग्लैंड को बढ़त दिला दी।

दूसरा क्वार्टर भी पहले क्वार्टर जैसा

ही रहा। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों ने एक-दूसरे को अधिक मौके नहीं दिए। पहले हाफ में आठ बार सर्कल में घुसने के बावजूद, भारत इंग्लैंड की रक्षापंक्ति पर दबाव तो बना रहा था, लेकिन वे इंग्लैंड की गोलकीपर की असली परीक्षा नहीं ले पाए। इस वजह से मेहमान टीम हाफ टाइम तक अपनी एक गोल की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रही। बढ़त हासिल करने के बाद, इंग्लैंड ने गेंद को कुशलता से घुमाते हुए और उस पर अपना कब्जा बनाए रखते हुए खेल की रफ्तार को नियंत्रित किया। भारत को दबाव बनाने के कुछ मौके मिले, लेकिन मेहमान टीम की रक्षापंक्ति मजबूती से डटी रही। आखिरकार, एलिजाबेथ नील (43वें) मिनट में किये गये बदौलत इंग्लैंड की बढ़त को दोगुना कर दिया। मिडफ़ील्डर एलिज़ाबेथ भाग्यशाली रहीं, क्योंकि उनकी लगाई शॉट एक भारतीय डिफ़ेंडर से टकराकर बिचू देवी को छकाते हुए गोल में चली गई। इसके साथ ही तीसरे क्वार्टर के आखिर में इंग्लैंड 2-0 से आगे हो गया।

भारत ने एक ऐसे गोल की तलाश में आगे बढ़ना जारी रखा, जो उन्हें मैच में वापस ला सके। स्कोर अपने पक्ष में होने के बावजूद, इंग्लैंड ने अपना सकारात्मक रवैया बनाए रखा और यह सुनिश्चित किया कि वे रक्षात्मक होकर मेजबान टीम को कोई मौका न दें। यह एक बेहद खुला और तेज़-तर्रार अंतिम क्वार्टर था, जिसमें मैच के आखिरी पलों में भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, वे गोल करने में नाकाम रहे और अंततः उन्हें 2-0 से हार का सामना करना पड़ा।

दिन में इससे पहले इटली को 1-0 से हराकर स्कॉटलैंड ने तीसरा स्थान हासिल किया। स्कॉटलैंड के लिए एमी कोस्टेलो ने मैच का एकमात्र गोल किया, जिससे स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल करने में मदद मिली।

पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान पक्का कर लिया। वहीं ऑस्ट्रिया ने दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर सातवां स्थान हासिल किया।

उरुग्वे ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। उरुग्वे के लिए टेरेसा वियाना ने (23वें), मैग्डालेना वेर्गा ने (36वें) और लूपे कुरुत्चागुए ने (57वें) मिनट में गोल किए।

दिन के एक अन्य मैच में ऑस्ट्रिया ने सातवें और आठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में दक्षिण कोरिया पर 1-1 से ड्रा के बाद शूटआउट में (2-1) से जीत के साथ सातवां स्थान हासिल किया।

ऑस्ट्रिया के लिए क्रिस्टीन वुकोविच ने (तीसरे) मिनट में गोल किया, जबकि कप्तान ली यूरी ने (31वें) मिनट में दक्षिण कोरिया को बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में दोनों गोलकीपरों का प्रदर्शन असाधारण रहा, लेकिन यह माइकला स्ट्रेब थीं जिन्होंने ऑस्ट्रिया की जीत सुनिश्चित की, और कार्ला केम्पर ने अपनी टीम के लिए विजई गोल किया।

बीसीसीआई ने फिक्सिंग में फंसे वीडियो एनालिस्ट राजा पर लगाया आजीवन प्रतिबंध

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रणजी ट्रॉफी मैच में फिक्सिंग को देखते हुए वीडियो एनालिस्ट राजा रेड्डी पर प्रतिबंध लगा दिया है। बोर्ड ने इस एनालिस्ट को भ्रष्ट तरीके अपनाने के लिए आजीवन प्रतिबंधित कर दिया है। प्राप्त जानकार के अनुसार बीसीसीआई की एक समिति ने बोर्ड की एंटी-करप्शन विंग की जांच के बाद वीडियो एनालिस्ट राजा पर ये प्रतिबंध लगाया है। ये मामला फरवरी, 2024 की है उस समय इंदौर में आंध्र और मध्य प्रदेश के बीच हुए रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मैच में राजा रेड्डी ने आंध्र के खिलाड़ी गिरिनाथ रेड्डी से फिक्सिंग के लिए संपर्क किया था। राजा उस क्वार्टर फाइनल मैच में बीसीसीआई के एनालिस्ट थे। वह पीएमओव से मान्यता प्राप्त थे और उन्हें थर्ड अंपायर और मैच रेफरी के लिए तय कमरे में बैठने की अनुमति थी। आंध्र टीम मैनेजर की शिकायत के बाद एसीयू अधिकारी ने इस मामले में कदम उठाये। आंध्र टीम के खिलाड़ी गिरिनाथ ने एसीयू को दिए बयान में बताया कि मैच से एक दिन पहले राजा ने उनसे अंतिम ग्यारह की जानकारी मांगी और दो ओवर में पांच रन देने के बदले 5 लाख रुपये का प्रस्ताव रखा। इस दौरान व्हाट्सएप कॉल और चैट हिस्ट्री से पता चला कि राजा ने बार-बार गिरिनाथ से संपर्क करने का प्रयास किया पर गिरिनाथ ने साफ मना कर दिया और कहा कि वह यह घटना अपने टीम मैनेजर को बताएंगे।

भारत अंडर 17 महिला टीम की म्यांमार पर रोमांचक जीत

यंगून। पामेला कोंटी के सब्स्टीट्यूट ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें इंडियन अंडर 17 महिला टीम ने शनिवार को यांगून के थुवुन्ना स्टेडियम में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से दूसरे मैच में म्यांमार को 3-2 से हराकर शानदार वापसी की। पहले हाफ के आखिर में मेज़बान टीम ने ह्निन विंट वार क्याव (12') और मिन हटोन मे जटिार (45') की मदद से बढ़त बनाई, जिन्होंने अल्वा देवी सेनजाम (33') के बराबरी के गोल के बाद गोल किए। दूसरे हाफ में, इंडिया की सब्स्टीट्यूट अनुष्का कुमारी (88') और जोया (90 1') ने कमबैक जीत पूरी की। यह मैच आने वाले एफसी अंडर 17 महिला एशियन कप के लिए इंडिया की तैयारियों का हिस्सा था, जो 1 मई से 17 मई तक चीन के सूज़ौ में होना है। म्यांमार, जिसने कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफ़ाई किया है, इन मैचों का इस्तेमाल अपनी तैयारियों के हिस्से के तौर पर कर रहा है। इंडिया ने इससे पहले गुरुवार को पहला फ्रेंडली मैच 2-0 से जीता था।

वेल्स को 3-0 से हराकर उरुग्वे हॉकी विश्वकप क्वालिफायर में पांचवें स्थान पर

हैदराबाद। उरुग्वे ने शनिवार को पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर एफआईएच हॉकी विश्व कप क्वालिफायर 2026 में पांचवां स्थान पक्का कर लिया। वहीं ऑस्ट्रिया ने दक्षिण कोरिया को शूटआउट में हराकर सातवां स्थान हासिल किया। आज यहां जी. एम. सी. बालयोगी हॉकी ग्राउंड (गाचीबॉवली हॉकी कॉम्प्लेक्स) में उरुग्वे ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पांचवें / छठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में वेल्स को 3-0 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। उरुग्वे के लिए टेरेसा वियाना ने (23वें), मैग्डालेना वेर्गा ने (36वें) और लूपे कुरुत्चागुए ने (57वें) मिनट में गोल किए। दिन के एक अन्य मैच में ऑस्ट्रिया ने सातवें और आठवें स्थान के लिये खेले गये मुकाबले में दक्षिण कोरिया पर 1-1 से ड्रा के बाद शूटआउट में (2-1) से जीत के साथ सातवां स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रिया के लिए क्रिस्टीन वुकोविच ने (तीसरे) मिनट में गोल किया, जबकि कप्तान ली यूरी ने (31वें) मिनट में दक्षिण कोरिया को बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में दोनों गोलकीपरों का प्रदर्शन असाधारण रहा, लेकिन यह माइकला स्ट्रेब थीं जिन्होंने ऑस्ट्रिया की जीत सुनिश्चित की, और कार्ला केम्पर ने अपनी टीम के लिए विजई गोल किया।

विश्व कप हीरो संजू सैमसन को केरल सरकार करेगी सम्मानित, 16 मार्च को आयोजित होगा विशेष कार्यक्रम

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को उनके गृह राज्य केरल की सरकार द्वारा 16 मार्च को सम्मानित किया जाएगा। इसकी पुष्टि केरल सरकार के खेल मंत्रालय ने की है। मंत्रालय के मुताबिक, राज्य सरकार टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य और टूर्नामेंट के श्रेष्ठ खिलाड़ी रहे संजू सैमसन को सम्मानित करेगी। सम्मान समारोह 16 मार्च को शाम 4 बजे तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान करेंगे। इसके अलावा, राज्य सरकार के अन्य मंत्री और विभागों के मुख्य सचिव और गणमान्य अतिथि कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। राज्य खेल मंत्रालय ने संजू सैमसन के स्वागत के लिए शानदार इंतजाम किया है। इससे पहले विश्व कप के बाद पहली बार तिरुवनंतपुरम पहुंचने पर एयरपोर्ट पर संजू सैमसन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। संजू सैमसन टी20 विश्व कप 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर सबसे अहम और चर्चित खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण के अधिकांश मैचों से बाहर रहे सैमसन को टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में मौका मिला था। उस मैच में सैमसन ने 15 गेंदों पर 24 रन बनाए थे। इस छोटी पारी में उनका आत्मविश्वास साफ दिखा था। इसके बाद अगले तीन मैचों में संजू सैमसन की खेली तीन यादगार पारियों ने न सिर्फ भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनाने में सबसे अहम भूमिका अदा की, बल्कि उनका नाम भी इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित करा दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टरफाइनल जैसे मुकाबले में 50 गेंदों पर नाबाद 97 रन की पारी खेल सैमसन ने भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया था। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 42 गेंदों पर 89 रन की पारी खेल इस दाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज ने टीम इंडिया को फाइनल का टिकट दिलाया। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 46 गेंदों पर 89 रन की पारी खेल भारत की खिताबी जीत की पटकथा लिखी।

इंडियन वेल्स ओपन: सेमीफाइनल में मेदवेदेव ने अल्काराज को हराया, फाइनल में होगा सिनर का मुकाबला

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। डेनियल मेदवेदेव ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में मेदवेदेव ने दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को 6-3, 7-6(3) से हराकर फाइनल में जगह बनाई। 2026 में लगातार 16 मैच जीतने के बाद अल्काराज की यह पहली हार थी।

मेदवेदेव ने 2024 इंडियन वेल्स चैंपियनशिप मैच के बाद अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में जगह बनाई है। मेदवेदेव ने आक्रामकता के साथ मैच में कदम रखा था। सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और लगातार सर्विंग से रैलियों को नियंत्रित किया। शुरुआती सेट में अल्काराज की सर्विस तोड़ी और डीप रिटर्न और सॉलिड बेसलाइन प्ले से दबाव बनाए रखा।

अल्काराज, जिन्होंने 2023 और 2024 दोनों में इंडियन वेल्स फाइनल में मेदवेदेव को हराया था, ने दूसरे सेट में

वापसी करने की कोशिश की, लेकिन दबाव में मेदवेदेव का शांत रहना अहम साबित हुआ। 4-5 पर दो सेट पॉइंट का सामना करते हुए, रूसी खिलाड़ी ने मजबूत सर्व की और स्पेन के खिलाड़ी से गलतियाँ करवाईं, आखिरकार सेट को टाई-ब्रेक तक ले गए। वहां पहुंचने के बाद, मेदवेदेव ने अपनी रफ्तार बनाए रखी। उन्होंने अपने बनाए दोनों ब्रेक मौकों को भुनाया और अपने सामने आए पांच में से चार ब्रेक पॉइंट जीते। उन्होंने अपनी दूसरी सर्व के पीछे भी दबदबा बनाया, और उन पॉइंट्स में से 74 प्रतिशत जीते।

जीत के बाद मेदवेदेव ने कहा कि अल्काराज का सामना करना एक चुनौती है। इस नतीजे से मेदवेदेव को इस सीजन में अपनी टूर-लीडिंग 18वीं जीत मिली है। वह साल के अपने तीसरे फाइनल में पहुंच गए हैं। 30 साल के मेदवेदेव पहले ही 2026 में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल और दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में टाइटल जीत चुके हैं। वह इस सीजन में फाइनल में अपने परफेक्ट रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाना चाहेंगे।

रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव का फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जानिक सिनर से होगा। सिनर ने अलेक्जेंडर जेवरेव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। सिनर ने चौथे सीड जेवरेव को 6-2, 6-4 से हराकर सेमी-फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। इटैलियन खिलाड़ी ने बेसलाइन से कॉन्फिडेंस के साथ स्ट्राइक किया और अपनी पहली सर्व के पीछे 83 प्रतिशत अंक जीते। इस जीत ने जेवरेव पर सिनर की लगातार छठी टूर-लेवल जीत को मार्क किया और इंडियन वेल्स फाइनल में उनकी पहली एंट्री पक्की कर दी। वह टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले इटैलियन खिलाड़ी बन गए हैं।

धोनी के बिना सीएसके की कल्पना मुश्किल, यह उनका आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है : इरफान पठान

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि एमएस धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग (सीएसके) और इंडिन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कल्पना करना बेहद मुश्किल है। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि आईपीएल 2026 संभवत: धोनी का आखिरी सीजन हो सकता है। पठान ने एक बातचीत में कहा कि धोनी अब टीम के भविष्य को तैयार करने की भूमिका निभा सकते हैं और युवा खिलाड़ियों को नेतृत्व के लिए तैयार करेंगे। पठान के अनुसार, धोनी की मौजूदगी मैदान के अंदर ही नहीं बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी टीम के लिए बेहद अहम होती है। उन्होंने कहा कि भले ही यह साफ नहीं है कि धोनी इस सीजन में कितने मुकाबले खेलेंगे, लेकिन उनकी उपस्थिति टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। पठान का मानना है कि धोनी फ्रेंचाइजी के भविष्य के नेताओं को तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीम में सजू सैमसन और रुतुराज ग्वायकाड़ जैसे खिलाड़ियों को नेतृत्व समूह का हिस्सा बनाया जा सकता है। रुतुराज पहले से ही टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी और संभावित लीडर माने जाते हैं। पठान के मुताबिक फ्रेंचाइजी भविष्य को ध्यान में रखते हुए दो या तीन खिलाड़ियों को नेतृत्व की जिम्मेदारी के लिए तैयार कर रही है, ताकि आने वाले वर्षों में टीम मजबूत बनी रहे।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने संन्यास लिया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। 38 साल के सरफराज के संन्यास लेने की पुष्टि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी की है। सरफराज पाकिस्तान के अकेले ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में टीम को जीत दिलायी है। सरफराज ने पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारुपों में खेला है। उन्होंने अपने करियर में 54 टेस्ट, 117एकदिवसीय और 61 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इन मैचों में उन्होंने कुल 6,164 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। विकेटकीपर के तौर पर भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने विकेट के पीछे 315 कैच और 56 स्टंपिंग की।

सरफराज ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 100 अंतरराष्ट्रीय मैचों में टीम की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने टी20 क्रिकेट में नंबर-1 रैंकिंग हासिल की। इसके अलावा टीम ने लगातार 11 टी20 सीरीज जीतने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया और कई टीमों के खिलाफ क्लीन स्वीप किया।

सरफराज ने टीम को 2017आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में जीत दिलायी थी। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को 180 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के साथ सरफराज पाकिस्तान के पहले कप्तान बने जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता।

सरफराज की कप्तानी में टीम ने आईसीसी अंडर -19 विश्वकप में भी जीत दर्ज की थी। 2007 में किया था डेब्यू, 2023 में खेला आखिरी मैच

सरफराज अहमद ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 2007 में वनडे के रूप में खेला था। वहीं उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में खेला था।संन्यास की घोषणा करते हुए सरफराज अहमद ने कहा कि पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। उन्होंने अपने साथियों, कोच, परिवार और फैंस का धन्यवाद किया।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अत: घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अत: उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक ग्रंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंतत: घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक़र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नम: शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नम: भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नम: बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नम: दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नम: बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नम: धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नम: तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नम: सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नम: अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नम: भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नम: सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नम: तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नम: अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नम: कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नम: केला पत्र।
ओम विनायकायनम: आक पत्र।
ओम कपिलाय नम: अर्जन पत्र।
ओम वटवे नम: देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नम: महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नम: गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नम: केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रात: काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अत: भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद
एक खूबसूरत रत्न
जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नम- मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

'छाप तिलक' दिल के करीब

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का पहला गाना 'छाप तिलक' रिलीज हो चुका है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। मेधा शंकर ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है और इसकी एनर्जी बेहद खास है। गाने में पारंपरिक भावना और मॉडर्न बीट्स का मेल है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद मेकर्स ने इस हाई-एनर्जी ट्रैक को सोनी म्यूजिक के जरिए सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है। गाने में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई देती है। साथ ही रैपर पैराडॉक्स की एंट्री गाने में आधुनिक टच जोड़ती है। तीनों की एनर्जी और मजेदार हुक स्टेप हैं। मेधा शंकर ने गाने की रिलीज पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि अब सब 'छाप तिलक' सुन पाएंगे। फिल्म का पहला गाना होने से इसकी एनर्जी बहुत खास है। यह मेरे दिल के करीब है और मैं खुद भी इस पर बार-बार थिरक रही हूं। हीर और अमान नूर ने इसे शानदार बनाया है। पैराडॉक्स के रैप ने और खास कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि यह इस सीजन का बड़ा डांस ट्रैक बनेगा।

अविनाश तिवारी ने कहा, 'फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत बहुत महत्वपूर्ण होता है। 'छाप तिलक' हमारे लिए वही काम करता है। उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाएगा, जैसे मेरी प्लेलिस्ट में बना चुका है। सुनते ही खुद को नाचने से रोकना मुश्किल होगा।' यह गाना अमीर खुसरो के क्लासिक 'छाप तिलक सब छीनी' पर आधारित है, जिसे सिंगर-कंपोजर हीर ने गाया है। यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है। अमान नूर ने कंपोजिशन और बोल लिखे हैं, जबकि पैराडॉक्स ने रैप से नया रंग भरा है। हीर ने कहा, 'हमने कोशिश की कि गाने में आत्मा भी रहे और डांस फ्लोर की एनर्जी भी। अमान के साथ काम और पैराडॉक्स का रैप इसे शानदार बना देता है।'

पति को मेरे सेट पर आना बोरिंग लगता है, वो और मैं काम के लिए एक-दूसरे की इजाजत नहीं लेते

तापसी पन्नू ने अपने करियर की शुरुआत भले साउथ की फिल्मों से की मगर बहुत जल्द ही बेबी और पिंक जैसी फिल्में करके उन्होंने जता दिया कि सिनेमा को लेकर उनकी चॉइस अर्थपूर्ण है। आगे चलकर उन्होंने नाम शबाना, सांड की आंख, मनमर्जियां, थप्पड़ जैसी कई फिल्मों में महिला मुद्दों को मुखर किया।

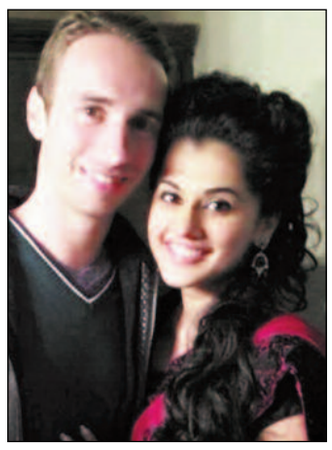

आपने अपने सिनेमा के जरिए लड़कियों के कन्सेंट, वुमन एम्पावरमेंट, घरेलू हिंसा और बलात्कार जैसे कई मुद्दों को छुआ है, अब ऐसा कौन-सा मुद्दा है, जिसे आप अपनी फिल्मों के जरिए दर्शकों तक पहुंचाना चाहती हैं?

ईमानदारी से कहूं तो ऐसा कोई खास मुद्दा मेरे जहन में फिलहाल है नहीं। मेरे पास दो -तीन स्क्रिप्ट हैं, जो किसी धारणा को डायरेक्टली और किसी को इनडायरेक्टली इंगित करती हैं। हमेशा से कहानियों एक नाता सीख से रहा है। बचपन से यही सीखा है, तो तो मेरी एंटरटेनमेंट से भी यही अपेक्षा होती है। हालांकि कई बार सिनेमा महज मनोरंजन के लिए भी बनाया जाता है और मुझे लगता है, वो भी देखा जाना चाहिए। मैं उम्मीद करती हूं कि अस्सी चल जाए और मैं अपने मिजाज का सिनेमा बना सकूं।

आपने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि बॉलिवुड में हीरोइन्स आसानी से रीप्लेस हो जाती हैं?

जी हां बिलकुल हो जाती हैं। मुझे लगता है हीरोइन ही क्यों? कोई भी कलाकार रिप्लेस किया जा सकता है। हमें कभी भी खुद को इतना बड़ा नहीं मानना चाहिए कि हम रिप्लेस नहीं हो सकते। आसानी और मुश्किल का जो भेद है, उसे बनाए रखना चाहिए। आपने अगर अपनी मजबूत जगह बना ली है, तो आपको हिलाना मुश्किल हो सकता है, वो हम एक्टर्स के हाथ में होता है कि हम किस रंग के कलाकारों के साथ खड़े होते हैं, हम किन चरित्रों के लिए जाने जाते हैं।

एक निर्माता बनने पर आपने किन चुनौतियों का सामना किया है?

मैंने कई चुनौतियों का सामना किया है और अभी भी कर रही हूं। ऐसा होता है न कि आपके पास ये कहानी है, तो कोई बड़ा नाम लेकर आइए। बड़े नाम के साथ बड़े खर्चे भी आते हैं, मगर जिस तरह की फिल्में मैं चुनती हूं, उतना उन्हें मिलता नहीं है। इतना बड़ा स्टार इस फिल्म में क्यों आएगा? क्योंकि इसकी तो छोटे बजट की फिल्म है ये सब उन्हीं कलाकारों को सूट करती हैं, जिनसे आप बड़े स्टार वाली उम्मीदें लेकर नहीं घुसते।

आपके पति (अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो) एक अलग क्षेत्र से हैं, आप लोग एक -दूसरे के प्रोफेशन में कितनी रुचि लेते हैं?

हम जब इंसान के रूप में एक -दूसरे में रुचि लेते हैं, तो हमारा प्रोफेशन तो हमारी जिंदगी का हिस्सा है, तो हम उसमें भी इंटरेस्ट लेते हैं, मगर इतनी भी नहीं कि हम दिन-रात उसी की चर्चा करें। मैं उनके मैच देखती हूं, मुझे जानकारी होती है कि वे किसे कोच कर रहे हैं। अब वो फुलटाइम प्लेयर नहीं हैं। वे कई बार मेरे साथ आउटडोर लोकेशन पर होते हैं, हालांकि वो सेट पर कभी नहीं आते। उन्हें सेट पर आना बहुत बोरिंग लगता है, मगर मेरे साथ समय बिताने के लिए वे मेरे साथ होते हैं। हम दोनों का एक बेहद अच्छा तरीका है, एक-दूसरे के साथ ग्रो करने का। हमें अपने प्रोफेशन को लेकर एक-दूसरे से परमिशन नहीं मांगनी होती। अपने काम के फैसले हमारे अपने होते हैं, मगर अहम उन फैसलों का साथ देते हैं। अच्छा ही है कि हम एक ही क्षेत्र से नहीं हैं।

एक्टिंग से ब्रेक लेंगे वरुण धवन, परिवार को समय देंगे

फिल्म 'बॉर्डर 2' में वरुण धवन की एक्टिंग को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक्टर की अगली फिल्म भी जल्द रिलीज होने वाली है। मगर इससे पहले ही वरुण एक लंबे ब्रेक पर जा सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह तैयारी भी कर ली है कि वो इन फुरसत के पलों को कैसे बिताएंगे? इस साल वरुण धवन की कई फिल्में रिलीज हुई हैं। साल के शुरुआत में रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' में एक्टर को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद से ही उन्हें फैंस का खूब प्यार मिल रहा है। इसी बीच फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वरुण जल्द ही एक्टिंग से लंबा ब्रेक लेने वाले हैं। इसके लिए उन्होंने काफी कुछ सोच रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक वरुण पहले 'बॉर्डर 2' की शूटिंग और फिर प्रमोशन में काफी व्यस्त थे। अब वो अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। एक्टर अपनी बेटी लारा के साथ रहना चाहते हैं। इसके चलते ही वो कुछ वक्त के लिए काम से दूरी बना सकते हैं। इस दौरान वह पूरी तरह से अपनी बेटी और परिवार को समय देंगे।

अदिवि शेष-मृणाल की फिल्म 'डकैत' की बदली रिलीज डेट

फिल्म 'धुरंधर 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार आगामी 19 मार्च को पूरा हो रहा है। इसी दिन पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की 'डकैत' भी रिलीज होने वाली थी। मगर, अब ऐसा नहीं होगा। सिनेमाघरों में 'धुरंधर 2' और 'डकैत' की भिड़ंत नहीं होगी। 'डकैत' के मेकर्स ने रिलीज से हफ्तेभर पहले तारीख बदल दी है। जानिए अब 'डकैत' कब दस्तक देगी?

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'डकैत' के लिए दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। इसकी रिलीज डेट अगले महीने यानी अप्रैल में खिसका दी गई है। यह फिल्म अब 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अब बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगा महाक्लैश

फिल्म 'डकैत' से पहले यश अभिनीत 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट में भी बदलाव किया गया है। पहले 'टॉक्सिक' भी 'धुरंधर 2' के साथ ही 19 मार्च को सिनेमाघरों में सजने वाली थी। मगर, 'टॉक्सिक' अब जून 2026 तक आगे बढ़ गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी रणवीर सिंह अभिनीत 'धुरंधर 2' से 'टॉक्सिक' और 'डकैत' के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर दर्शकों की निगाह टिकी थी। मगर, अब यह टकराव नहीं होगा।

अनुराग कश्यप भी होंगे फिल्म का हिस्सा

मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव का आधिकारिक एलान किया। यह फिल्म अब 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। एक्टर अदिवी सेश ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी साझा की है। नई तारीख अनाउंस करते हुए अदिवि ने लिखा, 'गोल्डफिश 10 अप्रैल को। दुनिया भर के थिएटर्स में'। फिल्म में अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की राइटिंग पर भी काम किया है। इस फिल्म में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी अहम रोल में होंगे।

'ओह माय गॉड 3' का हिस्सा नहीं होंगी रानी मुखर्जी

अक्षय कुमार 'ओह माय गॉड' की फ्रैंचाइजी में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'ओह माय गॉड 2 के बाद अब तीसरी फिल्म की नई कहानी तैयार हो रही है। यह फिल्म हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित होगी। अक्षय कुमार फिर से डायरेक्टर अमित राय के साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की उम्मीद है। इसका अस्थायी नाम 'ओह माय गॉडेस' बताया जा रहा है। पहले रानी मुखर्जी के बारे में खबरें आई थीं कि वे इस फिल्म में मुख्य महिला भूमिका निभाएंगी।

कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि रानी को ऑफर मिला था, उन्होंने कहानी सुनी और इच्छुक भी थीं। अक्षय और रानी के बीच अच्छी दोस्ती है, इसलिए दोनों साथ काम करने के लिए उत्साहित थे, लेकिन वैरायटी इंडिया की एक खबर के अनुसार, रानी मुखर्जी ओह माय गॉड 3 का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए फैंस को अक्षय और रानी को साथ देखने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। ओह माय गॉड 3- इस फिल्म में अक्षय कुमार नजर आएंगे, लेकिन अभिनेत्री की तलाश अभी भी जारी है। हाल ही में रानी मुखर्जी 'मर्दानी 3' में नजर आईं। इसमें उन्होंने पुलिस वाली भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 51 करोड़ रुपये की कमाई की। जानकारी के अनुसार, अब रानी अभिनेता शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आ सकती हैं।

....बेटे के जन्म के बाद से सब अच्छा हो रहा है

बनारस से बॉलिवुड में किस्मत आजमाने पहुंचे ऐक्टर विनीत कुमार सिंह को एक लंबा संघर्ष देखना पड़ा, लेकिन अब आखिरकार उनकी प्रतिभा की कद्र होने लगी है। बीते साल उन्हें छावा, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और जैसी फिल्मों और वेब सीरीज रंगीन में उम्दा अदाकारी के लिए खूब सराहा गया। वहीं, इस साल की शुरुआत में भी वह वेब सीरीज हैलो बच्चों में चर्चित फिजिक्स टीचर अलख पांडे की लीड भूमिका में नजर आने वाले हैं। विनीत इस अच्छे वक्त का श्रेय अपने सात महीने के बेटे को भी देते हैं।

पिछले साल पिता बनने के सुख का अनुभव करने वाले विनीत कहते हैं, 'मेरे बेटे का जन्म 24 जुलाई को हुआ और 25 जुलाई को मेरा शो (रंगीन) रिलीज हुआ तो कमाल ही है। पिछले साल मेरी 8 फिल्में/सीरीज रिलीज थीं तो मैंने सुना था कि बच्चे भाग्य लेकर आते हैं, अब खुद अनुभव कर रहा हूं। प्रभु करें ऐसा ही चलता रहे। बाकी, अच्छा लगता है। हालांकि, हाल ही में मुझे शॉक लगा, क्योंकि मैं राजस्थान में शूट कर रहा था। जब गया था तो दाढ़ी थी, आया तो दाढ़ी नहीं है और वह मेरी गोद में ही नहीं आ रहा था। तब मैंने अपनी आवाज से उसे खुद को पहचनवाने की कोशिश की।'

पैदा होते ही शिक्षा का साथ हो गया था

विनीत की सीरीज 'हैलो बच्चों' शिक्षा पर आधारित है। खुद ग्रेजुएशन टॉपर और डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाले विनीत ने शिक्षा की अहमियत कब समझी? इस पर वह हंसते हुए कहते हैं, 'जब धरती पर आया, तभी समझ गया था, क्योंकि जब मेरे पिता जी ने मुझे अपनी गोद में लिया तो मैं एक गणितज्ञ की गोद में था।' वह आगे कहते हैं, 'मैंने बेशक यूनिवर्सिटी में टॉप किया था पर मुझे बनना हमेशा से ऐक्टर था।'

डॉक्टर सुनकर लोग सोचते लड़का भटक गया है

एक वक्त था, जब विनीत कुमार सिंह का डॉक्टर होना ऐक्टिंग की राह में रोड़ा भी बना। इंडस्ट्री वालों को लगता था ये पढ़ा-लिखा आदमी कहां ऐक्टिंग में आ रहा है। इसलिए वह अपनी डॉक्टरी की बात छिपाने भी लगे थे। इस बारे में वह बताते हैं, 'असल में जब मैं इस शहर में आया था, तब किसी को जानता नहीं था। एक भी इंसान ऐसा नहीं था, जो फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहा हो, जिसे मैं जानता था। मेरे सारे दोस्त डॉक्टर, इंजीनियर या खिलाड़ी थे तो जब कोई पूछता था कि क्या किया है और मैं उन्हें बताता था कि मेडिकल कॉलेज में हूं, पढ़ रहा हूं, तो उन्हें हैरत होती कि डॉक्टर हो?

टीचर के ऊपर दो सीरीज बनीं

मशहूर फिजिक्स टीचर अलख पांडे और उनकी कोचिंग फिजिक्स वाला पर पहले भी एक सीरीज बन चुकी है। ऐसे में, उस पर दूसरी सीरीज को लेकर विनीत का कहना है, 'यह बड़ी अच्छी बात है कि एक टीचर के ऊपर दो तरीके से हम कुछ बना रहे हैं और उसे लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इसके लिए, मेकर्स को सराहना चाहिए, क्योंकि हमने बहुत सारी लव स्टोरी देखी हैं। अंडरवर्ल्ड की कहानियां देखी हैं। बहुत सारे कॉप की कहानियां देखी हैं लेकिन टीचर जो राष्ट्र का भविष्य तय करता है, जो बुनियाद बनाता है, उस पर कितनी कहानियां बनती हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एक टीचर के ऊपर दो कहानियां बनी हैं।'

ओटीटी ने सभी को खूब काम दिया

विनीत बड़े पर्दे और ओटीटी पर समान रूप से सक्रिय हैं। क्या उन्हें लगता है कि ओटीटी की लोकप्रियता से थिएटर में दर्शकों की संख्या घटी है? इस पर उन्होंने कहा, 'देखिए, ऊपर नीचे होता रहता है। वो कहते हैं ना, 'उत्थान पतन के झूले पर संसार झुलाया जाता है।' ग्राफ तभी बनता है और उसी से हम सीखते हैं। कुछ नया अडाप्ट करते हैं, नया खोजते हैं, यही जिंदगी है। बेशक मैंने पहली बार फिल्म बड़े पर्दे पर देखी थी। उसका अपना एक इश्क है और वो रहेगा, पर ओटीटी की बात करूं तो फिल्म इंडस्ट्री के मेरे बहुत सारे दोस्त, जिसमें ऐक्टर, डायरेक्टर, डीओपी, राइटर हर विभाग के टेक्निशियन हैं, जो अच्छे थे, मगर पहले कई महीने खाली रहते थे, आज ओटीटी की वजह से सब इतने व्यस्त हैं कि उनके पास डेट नहीं है और यह सुनकर बहुत अच्छा लगता है। ओटीटी पर किसी का भी काम हो, सब तक पहुंचता है। यहां बहुत सारे प्रयोग हो रहे हैं। हम अलग-अलग तरह की कहानियां कह पा रहे हैं, जो बहुत अच्छी बात है।'

युद्ध संकट के चलते यूएई जाने वाली एअर इंडिया की दर्जनों उड़ानें रद्द, यात्री परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में गहराते युद्ध के संकट ने अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई देशों द्वारा अपने वायु क्षेत्र (एयरस्पेस) को बंद करने और सुरक्षा कारणों से लगाई गई पाबंदियों का सीधा असर वैश्विक उड़ानों के शेड्यूल पर पड़ा है। इसी क्रम में, संयुक्त अरब अमीरात के एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के बाद एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी उड़ानों में भारी कटौती की घोषणा की है। 15 मार्च 2026 के लिए निर्धारित कई एड-हॉक उड़ानों को अचानक रद्द करना पड़ा है, जिससे भारत और यूएई के बीच यात्रा करने वाले सैकड़ों यात्री विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। एअर इंडिया के अनुसार, दुबई एयरपोर्ट अथॉरिटी के निर्देशों के कारण परिचालन को सीमित करना अनिवार्य हो गया है। दिल्ली-दुबई मार्ग पर एअर इंडिया की पांच में से चार निर्धारित उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और अब केवल एक ही रिटर्न फ्लाइट संचालित होगी। एअर इंडिया एक्सप्रेस की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है, जहाँ दुबई के लिए छह में से पांच और अबू धाबी के लिए निर्धारित सभी पांचों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। शारजाह और रास अल खैमाह के लिए दिल्ली, कोच्चि, मुंबई और तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों से कुछ सीमित उड़ानें संचालित करने की योजना है, लेकिन कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये भी स्लॉट की उपलब्धता और तत्कालीन सुरक्षा स्थितियों पर निर्भर करेंगी। एयरलाइन ने यात्रियों को सख्त हिदायत दी है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच अवश्य कर लें। युद्ध के कारण बिगड़ते हालात ने न केवल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ाई हैं, बल्कि खाड़ी देशों के बीच हवाई किराए में भी उछाल आने की आशंका बढ़ गई है।

ट्रक से टकराई कार की टक्कर लगने से पदयात्रा कर रहे 21 वर्षीय जैन भिक्षु की मौत

-जैन समाज में शोक व्याप्त, मृतक को न्याय दिलाने की मांग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर पालघर जिले के पास रविवार तड़के एक सड़क हादसे में पदयात्रा पर निकले 21 साल के जैन भिक्षु नम्ररत्न विजय महाराज की मौत हो गई। यह दुर्घटना भालीवली गांव के पास उस समय हुई जब तेज रफ्तार कार के चालक ने पीछे से आए ट्रक की टक्कर के बाद नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे पैदल चल रहे भिक्षु नम्ररत्न को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक नम्ररत्न विजय महाराज अपने साथियों के साथ पदयात्रा करते हुए सफाले के प्रतापधाम सतीवली से विरार के आगे स्थित महावीरधाम शिरसाद की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 5:15 बजे जब वे भालीवली पुल के पास पहुंचे, तभी गुजरात की ओर से आ रही कार को पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे सड़क किनारे चल रहे जैन भिक्षु से जा टकराई। घायल भिक्षु को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। नम्ररत्न विजय महाराज मूल रूप से गुजरात के निवासी थे और उनके निधन से जैन समुदाय में शोक की लहर है। शुरुआती जांच में पता चला है कि कार चालक मानखुर्द निवासी आकाश ईश्वर आनंदवार है, जबकि ट्रक चालक सूरत का रहने वाला राजू सिंह तोमर है। दोनों चालकों को नोटिस जारी कर पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना वाहन चालकों की लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण हुई। मामले की जांच जारी है। इस दुखद घटना के बाद जैन समाज में गहरा शोक व्याप्त है। स्थानीय जैन समुदाय के सदस्यों ने मृतक को न्याय दिलाने की मांग की है। नम्ररत्न विजय महाराज ने 2020 में धर्मसूरी संप्रदाय में दीक्षा ली थी।

पाली में हाईटेंशन लाइन टूटने से 57 भेड़-बकरियों की मौत, पशुपालकों में मचा हड़कंप

पाली (एजेंसी)। ,राजस्थान के पाली जिले के बाली उपखंड के नाना थाना क्षेत्र में रविवार को एक गंभीर हादसा हुआ। भीमाना गांव की डाग फली में हाईटेंशन विद्युत लाइन का तार अचानक टूटकर जमीन पर गिर गया। इस दौरान पास ही चर रही भेड़-बकरियों में से 57 की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार घटना उस समय हुई जब स्थानीय पशुपालक अपने मवेशियों को चराने ले गए थे। अचानक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर नीचे गिरा और उसमें प्रवाहित करंट के कारण भेड़-बकरियां इसकी चपेट में आ गईं। तेज करंट लगने से अधिकांश भेड़-बकरियां मौके पर ही दम तोड़ गईं। हादसे के समय वहां मौजूद पशुपालकों ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत वहां से भागना शुरू किया। बताया गया है कि इस दौरान एक पशुपालक को चोट भी आई है, हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर है। तार गिरने के बाद इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

दिल्ली में गैस सिलेंडर संकट से हाहाकार, 700 रुपये 'दिहाड़ी' पर लाइन में लगने से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में रसोई गैस की किल्लत ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हाल के दिनों में गैस एजेंसियों और गोदामों में लंबी कतारों की तस्वीरें सामने आई हैं। शास्त्री पार्क और न्यू सीलमपुर के गोदामों में स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोग बुकिंग करने के बजाय खुद सिलेंडर लेने और कतार में खड़े रहने को मजबूर हैं। गोदामों में सुबह पांच-छह बजे से ही लाइनें लगना शुरू हो जाती हैं, जबकि एजेंसियां आधिकारिक तौर पर 9:30 बजे खुलती हैं। सिलेंडर स्टॉक कम होने और अचानक बढ़ी बुकिंग के कारण लोगों में अफरा-तफरी फैल गई है। कई लोग खाली सिलेंडर लेकर सीधे गोदाम पहुंचे और वहां लंबी कतार में खड़े होकर सिलेंडर लेने लगे। गोदाम पर एक मामले ने माहौल और गर्म कर दिया। एक शख्स ने अपने साथी को लाइन में खड़ा करने के लिए 700 रुपये की दिहाड़ी ली। उसने कहा कि वह रोजा रखे है इस कारण उसने अपने लिए लाइन में दूसरे को पैसार देकर खड़ा किया है। इससे आसपास खड़े लोग चौंक गए, लेकिन कई ने इसे व्यवस्था का एक उपाय माना। लोगों की नाराजगी और मुश्किलों की एक वजह डिलीवरी बॉय की भी है। एक डिलीवरी बॉय ने मीडिया को बताया कि बिगड़ते हालात में घर-घर सिलेंडर पहुंचाना जोखिम भरा हो गया है। हाल ही में ब्रह्मपुरी रोड पर सिलेंडर ले जाने वाले डिलीवरी बॉय को बीच रास्ते में रोककर उससे जबरन सिलेंडर लूट लिया गया और 1000 रुपये फेंककर भाग गए।

बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें तेज, शिवानंद तिवारी के बयान से सियासत गरम

एनडीए में संभावित बदलाव की चर्चा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति इन दिनों नए मोड़ पर खड़ी नजर आ रही है। मुख्यमंत्री पद को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की प्रक्रिया में आने के बाद से ही सवाल उठने लगे हैं कि उनके बाद बिहार की कमान किसके हाथ में होगी। इस बीच वरिष्ठ समाजवादी नेता शिवानंद तिवारी के एक बयान ने राजनीतिक हलचल और बढ़ा दी है।

दरअसल, शिवानंद तिवारी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर दावा किया है कि नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना लगभग तय माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो बिहार का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से हो सकता है। तिवारी के मुताबिक भाजपा में जिस नेता का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है, वह सम्राट चौधरी हैं। तिवारी ने पोस्ट करते हुए कहा, कि भाजपा ने पहले की तुलना में संगठन और सरकार में सम्राट चौधरी की भूमिका को काफी मजबूत किया है। फिलहाल वे बिहार सरकार में उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि पार्टी के भीतर उनकी पकड़ मजबूत है और केंद्रीय नेतृत्व का भी उन पर भरोसा दिखाई देता है। हाल ही में उन्हें दिल्ली बुलाए जाने की खबरों ने भी इस चर्चा को और बल दिया है।

शिवानंद तिवारी ने बिहार की राजनीति के सामाजिक समीकरणों का जिक्र करते हुए कहा कि 1990 के दशक में जब लालू प्रसाद यादव से राजनीतिक रास्ते अलग हुए तो नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडीज ने मिलकर समता पार्टी बनाई थी। उस समय यादव-मुस्लिम समीकरण के मुकाबले एक नया सामाजिक गठबंधन तैयार करने की जरूरत थी। इसी दौर में 'लव-कुश' यानी कुर्मी और कुशवाहा समुदाय का राजनीतिक समीकरण सामने आया, जो आगे चलकर नीतीश कुमार की राजनीति का मजबूत आधार बना।

हाल के दिनों में नीतीश कुमार की 'समृद्धि यात्रा' के दौरान भी कुछ राजनीतिक संकेत देखने को मिले हैं। कई कार्यक्रमों में सम्राट चौधरी उनके साथ प्रमुख रूप से नजर आए। पूर्णिया के एक कार्यक्रम में नीतीश कुमार द्वारा सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें आगे बढ़ाने की घटना को भी राजनीतिक विश्लेषक प्रतीकात्मक संकेत के तौर पर देख रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक जानकार कह रहे हैं कि यदि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ते हैं तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए के भीतर नई सत्ता व्यवस्था बन सकती है और मुख्यमंत्री पद भाजपा के हिस्से में जा सकता है। हालांकि पार्टी के अन्य नेताओं, जैसे नित्यानंद राय का नाम भी समय-समय पर चर्चा में आता रहा है, लेकिन फिलहाल सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। फिलहाल राज्यसभा चुनाव और आने वाले राजनीतिक घटनाक्रम पर सबकी नजर टिकी हुई है। अंतत: यह तय हे कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार की राजनीति में एक बड़े बदलाव की शुरुआत होगी।

बीजेपी तमिलनाडु में चुनाव से पहले टीवीके को एनडीए गठबंधन में चाहती है जोड़ना

-एक राज्य के डिप्टी सीएम को बनाया बिचौलिया, विजय चाहते हैं सीएम बनना

नई दिल्ली (एजेंसी) तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी और टीवीके के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत आखिरी दौर में है। बीजेपी की कोशिश है कि अभिनेता विजय की पार्टी को एनडीए के साथ जोड़ा जाए। इसके लिए पार्टी कई रास्तों से विजय से संपर्क कर रही है, जिसमें दूसरे राज्य के एक उपमुख्यमंत्री को बिचौलिया बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट में बीजेपी सूत्रों के हवाले से बताया कि विजय को एक बड़ा ऑफर दिया गया है। अगर गठबंधन चुनाव जीतता है, तो विजय को उपमुख्यमंत्री का पद मिल सकता है। साथ ही सीटों के बंटवारे को लेकर बीजेपी ने उनकी पार्टी को करीब 80 सीटें देने का प्रस्ताव रखा है। पेंच अभी इस बात पर फंसा है कि विजय खुद सीएम बनना चाहते हैं और इसी मुद्दे पर बातचीत अटकी है। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी को लगता है कि विजय के प्रशंसकों की भारी संख्या तमिलनाडु चुनाव में खेल कर सकती है। रणनीतिकारों का मानना है कि राज्य के कड़े मुकाबले में अगर सिर्फ 2 फीसदी वोट भी इधर-उधर होते हैं, तो जीत-हार का फैसला बदल सकता है। विजय के आने से बीजेपी को राज्य के चुनावी समीकरण अपने पक्ष में मुड़ने की उम्मीद है। दूसरी ओर विजय के करीबी सलाहकारों में इस गठबंधन को लेकर थोड़ी बेचैनी है। उन्हें डर है कि इतनी जल्दी किसी बड़े राष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा बनने से उनकी पार्टी की साख पर बुरा असर पड़ सकता है। विजय ने राजनीति में अपनी पहचान एक नए और स्वतंत्र विकल्प के रूप में बनाई है। सलाहकारों को चिंता है कि बीजेपी से हाथ मिलाने पर उनकी यह अलग पहचान कहीं फीकी न पड़ जाए।

मोदी सरकार वांगचुक के परिवार और लद्दाख के लोगों से मांगे माफी

-कांग्रेस ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द होने पर कहा- केंद्र सरकार हुई बेनकाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत की गई गिरफ्तारी को रद्द करने के फैसले पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने इसे सरकार का 'यू-टर्न' बताते हुए कहा कि सरकार को वांगचुक ही नहीं, बल्कि लद्दाख के लोगों से भी माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने वांगचुक मामले को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी की है। इसमें उन्होंने कहा, कि छह महीने पहले पूरी तरह से फर्जी आधार पर की गई गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस ने उस समय भी कड़ी आपत्ति जताई थी। अब सरकार द्वारा हिरासत रद्द किए जाने से यह साफ हो गया है कि उसका फैसला गलत था।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने शनिवार को घोषणा की, कि उसने सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। वांगचुक को लगभग छह महीने पहले लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद एनएसए लगाकर गिरफ्तार किया गया था। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्रवाई की थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर की गई पोस्ट में कहा, कि मोदी सरकार का यह फैसला उसके पहले के रुख से पूरी तरह अलग है। उन्होंने लिखा कि सरकार अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और उसे अपनी गलती स्वीकार करते हुए सोनम वांगचुक तथा उनके परिवार से माफी मांगनी चाहिए। इसी के साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि उन सभी लोगों को तुरंत रिहा किया जाए जिन्हें शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में लिया गया था। कांग्रेस नेता का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है और सरकार को इसका सम्मान करना चाहिए। कांग्रेस ने इस पूरे प्रकरण को लेकर केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे

-कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने किया विश्लेषण-युद्ध क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के वैश्विक प्रभावों पर चिंता जताते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि इस युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे। उन्होंने अपने विश्लेषण में लिखा कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दो सप्ताह के अंदर ईरान को भारी तबाही का सामना करना पड़ा है, लेकिन वह पराजित नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट में चिदंबरम के मुताबिक युद्ध के शुरुआती चरण में ही ईरान के शीर्ष नेतृत्व को बड़ा नुकसान हुआ, हालांकि इसके बाद देश ने तेजी से नया राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व स्थापित कर लिया। इस बीच अली खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व पर हमलों के बाद भी संघर्ष जारी है। ईरान की राजधानी तेहरान समेत सनंदाज और इस्फहान जैसे शहरों पर भारी बमबारी की गई, जिसमें हजारों लोग मारे गए या घायल हुए हैं। एक अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइल के स्कूल पर हमले से बड़ी संख्या में छात्राओं और शिक्षकों की मौत की हुई है।

उन्होंने कहा कि युद्ध में केवल सैन्य ठिकानों को ही नहीं, बल्कि नागरिक ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। मिसाइल प्रक्षेपण ठिकानों, सैन्य अड्डों, नौसेना की संपत्तियों और हवाई सुरक्षा प्रणाली के साथ-साथ घरों, स्कूलों, अस्पतालों और तेल भंडारण केंद्रों को भी निशाना बनाया गया है। इसके अलावा जल आपूर्ति प्रणाली, विलवणीकरण संयंत्र और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

चिदंबरम के मुताबिक युद्ध की पृष्ठभूमि में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने आरोप लगाया था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंच गया है, हालांकि इस दावे को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्वतंत्र जांच करवाई थी। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया की राजनीति में इजराइल की भूमिका और क्षेत्रीय संघर्षों का लंबा इतिहास रहा है। भारत ने 1950 में इजराइल को मान्यता दी थी और 1992 में दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे, जिसके बाद व्यापार और रक्षा सहयोग में तेजी आई।

चिदंबरम के मुताबिक इस युद्ध का सबसे बड़ा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, इसका असर भारत समेत कई देशों में एलपीजी और ईंधन की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। साथ ही वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और महंगाई बढ़ने का खतरा भी गहरा गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध हमेशा क्रूर और विनाशकारी होता है। मशहूर अमेरिकी सैन्य अधिकारी का हवाला देते हुए चिदंबरम ने कहा कि युद्ध अक्सर क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है। चिदंबरम ने चेतावनी दी कि यदि संघर्ष लंबा चला तो इसके राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मिली राहत, राजस्थान और बिहार समेत कई राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में रविवार सुबह हुई अचानक बारिश ने भीषण गर्मी के बीच लोगों को बड़ी राहत दी है। दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में बादल छाए रहने और बूंदाबांदी से तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने राजधानी के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए रविवार को दिन भर हल्की बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान जताया है। इस बदलाव से गर्मी के बढ़ते ग्राफ पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहे एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ के कारण आया है। इसके प्रभाव से मध्य पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब व हरियाणा के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र विकसित हुआ है। इसे इस सीजन की पहली प्री-मानसून बारिश माना जा रहा है, जो सामान्य समय से लगभग 10 दिन पहले आई है। पिछले कुछ दिनों से बढ़ रहे उच्च तापमान और इस विक्षोभ के मिलन से आंधी-तूफान की स्थिति बनी है, जिससे अगले दो दिनों तक दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

अहमदाबाद विमान हादसा: अमेरिकी सुरक्षा संगठन ने जांचकर्ताओं पर लगाए दस्तावेज छिपाने के आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। जून 2025 में हुए भीषण अहमदाबाद विमान हादसे की जांच एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। अमेरिका के एक प्रमुख हवाई सुरक्षा संगठन, एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन ने सनसनीखेज दावा किया है कि इस दुर्घटना से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जांच अधिकारियों को सौंपे ही नहीं गए थे। संगठन का कहना है कि इन तथ्यों के अभाव में की गई जांच की विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े होते हैं।

पियरसन ने विशेष रूप से बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (रजिस्ट्रेशन वीटी-एएनबी) का जिक्र करते हुए कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों से पता चलता है कि इस विमान के इलेक्ट्रिक सिस्टम में काफी समय से गंभीर खराबी चल रही थी। उनके अनुसार, दुर्घटना का शिकार होने से पहले इस विमान में बार-बार शॉर्ट सर्किट होने, धुआं निकलने और वायरिंग में दिक्कतों की शिकायतें दर्ज की गई थीं।दावे के मुताबिक, विमान को उसके परिचालन के दौरान कई बार इलेक्ट्रिक फाल्ट की वजह से आपातकालीन स्थिति में उतारा भी जा चुका था। पियरसन ने यह भी खुलासा किया कि विमान का पी100 पावर पैनल कई बार बदला गया था, जो कि एक असामान्य बात है। उन्होंने तकनीकी पक्ष रखते हुए बताया कि विमान के बाएं इंजन से बिजली की आपूर्ति होती थी और इस पूरे सिस्टम को तत्काल डिजाइन मोडिफिकेशन और सॉफ्टवेयर प्रोटेक्शन की जरूरत थी, जिसे नजरअंदाज किया गया। अमेरिकी विशेषज्ञ ने जांच प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने घटना से नौ महीने पहले तक सुधार के लिए कोई ठोस सिफारिश नहीं की थी। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि जांचकर्ताओं ने पूरे मामले को एक खास दिशा में मोड़ दिया और ऐसा नैरेटिव (विमर्श) तैयार किया जिससे हादसे की पूरी जिम्मेदारी तकनीकी खामी के बजाय पायलटों पर डाल दी गई। इन नए खुलासों के बाद अब विमानन क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग फिर से तेज होने लगी है। बता दें कि जून 2025 में हुए इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 260 लोगों की जान चली गई थी। अब इस मामले में नया मोड़ देते हुए एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर ईडी पियरसन ने जांचकर्ताओं को एक ईमेल भेजा है। पियरसन का दावा है कि उनके हाथ कुछ ऐसे गुप्त दस्तावेज लगे हैं, जो स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि विमान दुर्घटना का असली कारण इलेक्ट्रिक फेल्योर (बिजली की विफलता) था।

विपक्ष की मांग: पश्चिम एशिया संकट पर संसद में हो सकती है चर्चा, अभी तक केंद्र की थी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके भारत पर संभावित प्रभाव को लेकर संसद में बहस की मांग तेज हो गई है। विपक्ष ने दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है। वहीं सरकार ने इस मांग पर विचार करने की बात कही है। शनिवार को सत्ता प्रतिष्ठान में इस पर मंथन हुआ। उम्मीद है कि संसदीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से सोमवार को लोकसभा स्पीकर को इस बात की आधिकारिक सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में दिन, समय निश्चित किया जाएगा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था और यहां रहने वाले लोगों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इसलिए इस विषय पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग विपक्ष के पुरजोर तरीके से रखी थी। सरकार की ओर से फिलवक्त तक इस विषय को लेकर चुप्पी है। विपक्ष के एक नेता ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने सुझाव दिया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर नियम 193 के तहत अल्पकालिक चर्चा कराई जा सकती है, जिसके माध्यम से सांसद तत्काल और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक सरकार ने विपक्ष को यह भी बताया कि वह कुछ मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा के लिए तैयार है। इनमें रेल मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय शामिल हैं। राज्यसभा में पहले ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हो चुकी है। सरकार ने संकेत दिया है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा खेल मंत्रालय के कामकाज पर भी चर्चा कराई जा सकती है।कुल मिलाकर संसद के आगामी सत्र में पश्चिम एशिया की स्थिति, मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा और लंबित विधेयकों को पारित कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे केंद्र में रहने वाले हैं। विपक्ष जहां सरकार को जवाबदेह बनाने की कोशिश कर रहा है, वहीं सरकार विधायी कार्यों को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही है।

तेल, गैस के बाद अब भारत की इंटरनेट व्यवस्था को चोट पहुंच सकता हैं मिडिल ईस्ट में जारी तनाव

-समुद्र के नीचे बिछी फाइबर-ऑप्टिक्स केबल्स को नुकसान होने का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में लगातार बढ़ते तनाव के बीच में एक नया खतरा सामने दिख रहा है, जिसका बहुत बड़ा असर भारत पर पड़ सकता है। दरअसल, तनाव का असर दुनिया की इंटरनेट व्यवस्था को भी पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ इलाके में संघर्ष बढ़ता है, तब उस इलाके के समुद्र के नीचे बिछी फाइबर-ऑप्टिक्स केबल्स को नुकसान पहुंच सकता है। ये वहीं केबल्स हैं, जिससे दुनिया का ज्यादातर इंटरनेट डेटा गुजरता है।

बात दें कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। इस रास्ते से बड़ी मात्रा में तेल गुजरता है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि समुद्र की सतह के नीचे यहां से कई महत्वपूर्ण इंटरनेट केबल्स भी गुजरती हैं। ये केबल्स एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप को डिजिटल रूप से जोड़ती हैं। एक के अनुसार भारत से यूरोप को जोड़ने वाली कई बड़ी केबल्स इसी क्षेत्र से होकर गुजरती हैं। इसलिए यह इलाका भारत के लिए भी डिजिटल कनेक्टिविटी का बेहद अहम कॉरिडोर माना जाता है।

इंटरनेट कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के लिए दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां और टेलीकॉम ऑपरेटर लगातार नए अंडरसी केबल नेटवर्क में निवेश कर रहे हैं। हाल ही में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने नई दिल्ली की यात्रा के दौरान इंडिया-अमेरिका कनेक्ट प्रोजेक्ट की घोषणा की। इसका मकसद भारत को वैश्विक डिजिटल नेटवर्क से और मजबूत तरीके से जोड़ना है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत का लगभग एक-तिहाई पश्चिम दिशा की इंटरनेट ट्रैफिक इन्हीं केबल्स के जरिए गुजरती है। इसका मतलब अगर इस क्षेत्र में कोई बड़ी रुकावट आती है, तब भारत और यूरोप के बीच डेटा ट्रांसमिशन प्रभावित हो सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक इंटरनेट नेटवर्क में बैकअप सिस्टम भी मौजूद हैं।

इस पूरे मामले से जुड़े एक जानकार ने कहा, समुद्री केबल्स में रेडंडेंसी होती है। अगर एक केबल कट भी जाए, तब डेटा दूसरे रास्तों से भेजा जा सकता है, लेकिन अगर कई केबल्स एक साथ प्रभावित हो जाएं, तब बाकी रूट्स पर ज्यादा लोड पड़ जाएगा। इसके बाद इंटरनेट की स्पीड स्लो हो सकती है और सर्विस में दिक्कतें आ सकती हैं।

उन्होंने कहा कि इसका असर तुरंत दिखाई नहीं देगा। दुनिया भर में इंटरनेट सर्वर रिजर्व में रखे जाते हैं। भारत के पास भी इसतरह के सिस्टम हैं। इस कारण कम से कम एक हफ्ते तक बड़ा असर देखने को नहीं मिलेगा। इसके अलावा अटलांटिक महासागर से आने वाले केबल्स भी विकल्प के रूप में मौजूद हैं।

एक अन्य जानकार ने कहा कि, अभी तक इंटरनेट कनेक्टिविटी पर कोई असर नहीं पड़ा है, लेकिन अगर केबल्स काट दी गईं या टेलीकॉम और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला हुआ, तब स्थिति गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारत का अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट ट्रैफिक मुख्य रूप से दो बड़े गेटवे से बाहर जाता है। एक मुंबई में और दूसरा चेन्नई में। मुंबई के रास्ते जाने वाला डेटा अरब सागर और खाड़ी क्षेत्र से होकर यूरोप तक पहुंचता है, इसलिए इस इलाके में किसी भी तरह की गड़बड़ी भारत के डिजिटल नेटवर्क को प्रभावित कर सकती है।

साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ ने बताया कि दुनिया का इंटरनेट सैटेलाइट्स से नहीं बल्कि समुद्र के नीचे बिछी केबल्स से चलता है। उन्होंने कहा, दुनिया के 99 प्रतिशत से ज्यादा डेटा अंडरसी फाइबर-

ऑप्टिक केबल्स से गुजरता है। यही डिजिटल अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ है। साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ के मुताबिक रेड सी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के आसपास का इलाका आज दुनिया का अहम डिजिटल हाईवे बन चुका है। अगर यहां कोई रुकावट आती है, तब इंटरनेट सर्विसेज़ स्लो हो सकती हैं और ग्लोबल कनेक्टिविटी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि युद्ध की स्थिति में ये केबल्स बेहद असुरक्षित हो जाती हैं। उनके मुताबिक, अब दुनिया एक नए सीबेड इंफ्रास्ट्रक्चर वॉर की तरफ बढ़ रही है। जैसे तेल पाइपलाइन और समुद्री रास्ते रणनीतिक संपत्ति माने जाते हैं, वैसे ही अब इंटरनेट केबल्स भी वैश्विक शक्ति संतुलन का अहम हिस्सा बन गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)